कोयलांचल संवाद

हिंदी दैनिक

रांची व धनबाद से एक साथ प्रकाशित

रांची, सोमवार, 07 अक्टूबर, 2024 वर्ष : 12 अंक : 145

www.koylanchalsamvad.com

YouTube Subscribe
Koylanchal samvad news

गोवा में आरएसएस नेता के बयान से विवादःक्रिश्चियन कम्युनिटी ने... | शाकाहार महंगा और मांसाहार सस्ता | सकारात्मक माहौल, खुशी से बच्चे आगे बढ़ने...

मूल्य : 2 रुपए

संक्षिप्त खबरें

अदाणी समूह ने अहमदाबाद में हरित हाइड्रोजन मिश्रित पीएनजी आपूर्ति शुरू की

नई दिल्ली (ईएमएस)। अदाणी समूह ने अहमदाबाद के कुछ हिस्सों में घरों में आपूर्ति की जाने वाली खाना खाना पकाने वाली प्राकृतिक गैस (पीएनजी) में हरित हाइड्रोजन का मिश्रण शुरू कर दिया है। फ्रांस की ऊर्जा क्षेत्र की दिग्गज टोटलएनर्जीज के साथ समूह की शहर गैस वितरण इकाई अदाणी टोटल गैस लिमिटेड (एटीजीएल) ने अहमदाबाद के शांतिग्राम में पाइप वाली प्राकृतिक गैस आपूर्ति में 2.2-2.3 प्रतिशत हरित हाइड्रोजन का मिश्रण करना शुरू कर दिया है। लिंक्डइन पर पोस्ट में कंपनी ने यह जानकारी दी। स्वच्छ मार्गों के माध्यम से उत्पादित हाइड्रोजन को प्राकृतिक गैस पाइपलाइन में डाला जाता है। कंपनी ने इलेक्ट्रोलाइसिस प्रक्रिया के माध्यम से पानी को हाइड्रोजन और ऑक्सीजन में विभाजित करने के लिए पवन या सौर ऊर्जा जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का उपयोग करके हरित हाइड्रोजन का उत्पादन शुरू किया है। इस हाइड्रोजन को प्राकृतिक गैस में मिलाया जाता है। इसकी आपूर्ति घरों में खाना पकाने के लिए और उद्योग को की जाती है। एटीजीएल ने बयान कहा कि हम अहमदाबाद के अदाणी शांतिग्राम में अपने हाइड्रोजन मिश्रण प्रणाली के सफलता से शुरू होने की घोषणा करते हुए काफी रोमांचित हैं। पोस्ट में कहा गया है कि यह परियोजना 4,000 घरेलू और वाणिज्यिक उपभोक्ताओं को निर्बाध हाइड्रोजन-मिश्रित प्राकृतिक गैस प्रदान करेगी। वर्तमान में सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली उत्पादक एनटीपीसी गुजरात के सूरत जिले के कवास में घरों को हरित हाइड्रोजन मिश्रित प्राकृतिक गैस की आपूर्ति करती है। गेल (इंडिया) लिमिटेड भी मध्य प्रदेश के इंदौर में ग्रे हाइड्रोजन के साथ सीएनजी की आपूर्ति के लिए एक छोटी पायलट परियोजना पर काम कर रही है।

अमेरिका के बाद अमूल अब यूरोपीय बाजार में करेगा प्रवेश

जमशेदपुर (ईएमएस)। अमूल और गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन संघ लिमिटेड (जीसीएमएमएफ) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा है कि अमूल द्वारा हाल ही में अमेरिका में पेश किया गया दूध बेहद सफल रहा है और अब वह यूरोपीय बाजार में प्रवेश करने के लिए तैयार है। हाल ही में यहां निजी व्यवसाय प्रबंधन संस्थान एक्सएलआरआई द्वारा आयोजित 'अमूल मॉडलः लाखों के जीवन में बदलाव' विषय पर 11वें डॉ. वर्गीज कुरियन स्मृति व्याख्यान में उन्होंने कहा कि भारत अब दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक है और आगामी वर्षों में दुनिया के कुल दूध उत्पादन का एक-तिहाई भारत में होगा। डेयरी सिर्फ एक कारोबार नहीं है, यह ग्रामीण भारत के लिए जीवन रेखा है। अमेरिका में अमूल द्वारा हाल ही में पेश किए गए दूध के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि यह बेहद सफल रहा है, और अब वे पहली बार यूरोपीय बाजार में उतरने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि प्रासंगिक बने रहने के लिए अमूल प्रोटीन युक्त, ऑर्गेनिक और रसायन मुक्त उत्पादों की पेशकश करने पर ध्यान केंद्रित करती है। उन्होंने अमूल के संस्थापक डॉ. कुरियन द्वारा विकसित परिवेश की सराहना की।

विवाद के बीच दिल्ली पहुंचे मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू , 5 दिन रहकर करेंगे तनाव दूर

मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू अपनी पत्नी के साथ पांच दिनों की यात्रा पर रविवार को भारत पहुंचे. जिसका उद्देश्य पिछले साल नवंबर से तनाव में चल रहे रिश्तों को फिर से संवारना है. मालदीव के राष्ट्रपति ने जून में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा लिया था, लेकिन यह उनकी पहली द्विपक्षीय भारत यात्रा है. विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने ट्वीट किया, मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू का भारत की राजकीय यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचने पर हार्दिक स्वागत किया गया. हवाई अड्डे पर विदेश राज्य मंत्री केवी सिंह ने उनका स्वागत किया. यह यात्रा भारत-मालदीव के बीच लंबे समय से चली आ रही व्यापक द्विपक्षीय साझेदारी को और बढ़ावा देगी. चीन के प्रति झुकाव रखने वाले मुइज्जू के नवंबर में राष्ट्रपति के रूप में कार्यभार संभालने के बाद से भारत और मालदीव के बीच संबंधों में गंभीर तनाव पैदा हो गया. मुइज्जू ने शपथ लेने के कुछ ही घंटे के भीतर अपने देश से भारतीय सैन्यकर्मियों की वापसी की मांग की थी. इसके बाद भारतीय सैन्यकर्मियों की जगह नागरिकों ने ले ली. मालदीव गणराज्य के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू 10 अक्टूबर तक राजकीय यात्रा पर भारत में रहेंगे.

रांची के धुर्वा में खुलेगा अपोलो मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, सीएम हेमंत सोरेन आज करेंगे शिलान्यास

जल्द आकार लेगा ये अस्पताल, झारखंड के मरीजों को अपने ही शहर में इलाज उपलब्ध कराएगा

रांचीः अब झारखंड के मरीजों को गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए देश के दूसरे शहर के बड़े अस्पतालों के चक्कर काटने से मुक्ति मिलेगी. ऐसा हो सकेगा स्वास्थ्य क्षेत्र में झारखंड सरकार के प्रयास और अपोलो हॉस्पिटल्स इन्टरप्राइजेज के सौजन्य से. अब वो दिन दूर नहीं जब रांची में ही वो हर इलाज संभव होगा. जिसके लिए झारखंड के लोगों को नई दिल्ली,चेन्नई, मुंबई, हैदराबाद जैसे शहरों की ओर रूख करना पड़ता है. दरअसल झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के व्यक्तिगत और राज्य सरकार के नेक प्रयास से यह संभव होने जा रहा है. सात अक्टूबर को रांची के धुर्वा स्थित स्मार्ट सिटी क्षेत्र में अपोलो मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल का शिलान्यास मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा किया जाएगा. 310 बेड के इस मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में प्रसिद्ध हृदय देखभाल, अत्याधुनिक कैंसर उपचार, दयालु मातृ स्वास्थ्य, विशेष बाल चिकित्सा की व्यवस्था होगी. यह अस्पताल आपके जीवन के हर चरण पर आपके साथ रहेगा.

ये सुविधा मिलेगी मरीजों को

यहां हृदय विज्ञान सहित 50 से ज्यादा नैदानिक विशिष्टताएं उपलब्ध होंगी. गैस्ट्रोसाइंसेज, न्यूरो साइंसेज, रीनल साइंसेज, ऑर्थोपेडिक्स एंड ज्वाइंट रिप्लेसमेंट, आंकोलॉजी, आपातकालीन और आघात से बचाव के लिए हमेशा विशेषज्ञ और उपकरण उपलब्ध रहेंगे. इस अस्पताल में अत्याधुनिक कैथ लैब्स, एमआरआई, ऑपरेशन थिएटर, आईसीयू, सिटी स्कैन, पीएफटी इत्यादि जो उन्नत देखभाल के लिए

जो जरुरी होता है, वो सबकुछ रहेगा.

अस्पताल निर्माण के लिए रांची नगर निगम ने रांची स्मार्ट सिटी से जमीन लेकर अपोलो प्रबंधन को निःशुल्क उपलब्ध कराया है. स्मार्ट सिटी में 2.75 एकड़ जमीन पर ये अस्पताल जल्द आकार लेगा और झारखंड के मरीजों को अपने ही शहर में इलाज उपलब्ध कराएगा. बता दें कि स्वास्थ्य क्षेत्र में अत्याधुनिक नवाचारों और गुणवत्तायुक्त स्वास्थ्य सेवा के लिए अपोलो विश्व प्रसिद्ध अस्पतालों की सूची में अपोलो अग्रणी पंक्ति में खड़ा है. कार्यक्रम में राज्य सरकार की ओर से मंत्रीगण, सांसदगण, विधायक,अधिकारियों,पदाधिकारी के साथ-साथ अपोलो प्रबंधन की ओर से अपोलो अस्पताल इंटरप्राइज की एक्जीक्यूटिव वाइस चेयरपर्सन डॉक्टर प्रीता रेड्डी और उनकी टीम मौजूद रहेगी. इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए डॉक्टर प्रीता रेड्डी विशेष विमान से कल रांची पहुंचेंगी.

सीएम हेमंत का भाजपा पर तंज, झूठों का जुमला फेंकना बंद करें

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भाजपा पर तंज कसा है. उन्होंने कहा है कि झूठ का जुमला फेंकना और बहनों के बीच भेद करना बंद करें. सीएम ने फेसबुक पर बीजेपी की गोगो दीदी योजना पर लिखा कि कितनी हास्यास्पद बात है कि झारखंड में 2100 देने की बात करने वाले पांच सालों के लिए उड़ीसा में सिर्फ 830 रुपये महीना दे रहे हैं. मध्यप्रदेश में 1000 रुपये दिये जा रहे थे. लेकिन अब शर्तों सहित 1250 रुपये किया गया है. सीएम ने आगे लिखा है कि केंद्र अपने तरफ मंईयां सम्मान में आज ही 1100 रुपये जोड़े और आजीवन पैसे देने का लिखित संकल्प ले. वरना कुछ दिनों बाद कोर्ट का सहारा ले. यह बंद करने की चालबाजी होगी. सीएम ने आगे लिखा है कि मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मांग करता हूं कि हमारे राज्यवासियों का बकाया 1 लाख 36 हजार करोड़ वापस करना शुरू करें. अब तो सुप्रीम कोर्ट से आदेश भी आ गया है. हम इस माह की किश्त 2500 रुपये भेजना शुरू कर देंगे, वह भी बिना किसी शर्त 18 से 50 वर्ष की हर झारखंडी बहन को. साथ ही देश के हर राज्य की हर बहन को एक समान 2500 रुपये भेजने की योजना जल्द से जल्द लागू करें. पूरे देश में यह योजना समय की जरुरत है.

इधर, भाजपा पर बरसीं कल्पना सोरेन, कहा- बस कॉपी पेस्ट की राजनीति करती है बीजेपी

सिमडेगाः मंईयां सम्मान यात्रा के तहत मंत्री बेबी देवी, दीपिका पांडेय और गांडेय विधायक सह मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन आज सिमडेगा पहुंचीं. उनका हेलीकॉप्टर सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम परिसर में उतरा. जहां उनका पारंपरिक तरीके से भव्य स्वागत किया गया. मालूम हो कि मंईयां सम्मान यात्रा के तहत आज सिमडेगा मुख्यालय और कोलेबिरा स्टेडियम में कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में मौजूद महिलाओं और बच्चियों को संबोधित करते हुए कल्पना सोरेन ने भाजपा की जमकर आलोचना की. कहा कि भारतीय जनता पार्टी सिर्फ कॉपी पेस्ट की राजनीति करती है. जब राज्य में उनकी डबल इंजन की सरकार थी. तब उन्होंने राज्य की आधी आबादी महिलाओं के हित में यह प्रयास क्यों नहीं किया. उन्होंने हर महिला को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और सम्मानजनक राशि दिलाने के बारे में क्यों नहीं सोचा. आज सिर्फ खोखले वादे कर फॉर्म भरे जा रहे हैं. जिसका लाभ लोगों को कभी नहीं मिलेगा. उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार खेलो इंडिया में भी झारखंड राज्य के साथ भेदभाव करती है. दूसरे राज्यों को उनका पैसा देकर झारखंड को अंतिम पंक्ति में खड़ा कर दिया गया है. साथ ही राज्य का बकाया भी नहीं दिया गया है और जब राज्य के मुखिया हेमंत सोरेन जनता के हक का पैसा मांगते हैं, राज्य का हक का पैसा मांगते हैं. तो भारतीय जनता पार्टी के लोग उन्हें जेल में डालने का काम करते हैं.

मंत्री दीपिका पांडे ने भी मंच साझा किया और भाजपा के खिलाफ आग उगली. उन्होंने कहा कि महागठबंधन सरकार में राज्य का विकास हुआ है. आगामी 8 अक्टूबर को जब हरियाणा और जम्मू कश्मीर के नतीजे आएंगे तो सभी को जलेबी बनाकर साथ खाने को कहा गया. साथ ही मंईयां सम्मान योजना से महिलाओं को सशक्त बनाया जा रहा है. आने वाले समय में भी हेमंत सोरेन के नेतृत्व में महागठबंधन की सरकार बनेगी और झारखंड के हितों की रक्षा करने का काम करेगी.

दुर्गा पूजा को लेकर बदली ट्रैफिक व्यवस्था, 9 अक्टूबर से शाम 4 बजे से वाहनों का प्रवेश बंद

रांचीः दुर्गा पूजा को लेकर 9 से 13 अक्टूबर तक राजधानी के मुख्य मार्गों पर शाम चार बजे से छोटे व बड़े वाहनों का प्रवेश बंद रहेगा. ट्रैफिक एसपी ने रविवार को इससे संबंधित आदेश जारी कर दिया है.

किस रूट के वाहन कहां तक आ सकेंगे

- सभी प्रकार के निजी वाहन, ऑटो और ई-रिक्शा का परिचालन कचहरी चौक से शहीद चौक, फिरायालाल चौक, सुजाता चौक की ओर वर्जित रहेगा. सुजाता चौक की तरफ से मेन रोड में आने वाले सभी निजी वाहन सैनिक मार्केट जीईएल चर्च कम्प्लेक्स तक ही जा सकेगी.
- लालपुर से कोकर जाने वाले मार्ग वन-वे रहेगा. सिर्फ लालपुर से कोकर की ओर जाने वाले वाहन सदर थाना वाले मार्ग से होते हुए जायेंगे. कोकर से लालपुर की ओर आने वाली गाडियों कांटाटोली होकर अपने गंतव्य तक जाऐगी.
- हरमू रोड से छोटी गाडियां अरगोड़ा चौक, कडरू, सुजाता चौक, मुण्डा चौक होते हुए कांटोटोली जा सकती है.
- कांके रोड से आने वाली गाडियां राम मंदिर, रणधीर वर्मा चौक, करमटोली से बुटी मोड़ होतु हुए जमशेदपुर या कांटाटोली वो तरफ जा सकती हैं.
- मेन रोड में शाम चार बजे से अगले दिन सुबह चार बजे तक छोटे वाहनों का प्रवेश वर्जित किया गया है. किशोरगंज चौक तक छोटी वाहनों का प्रवेश वर्जित किया गया है.
- पिस्का मोड़ से न्यू मार्केट (रातु रोड) की ओर आने वाली सभी छोटी गाडियों का परिचालन सुबह चार बजे से शाम चार बजे तक मीनाक्षी सिनेमा मोड़ से पहाड़ी मंदिर होते हुए किशोरगंज चौक और यहां से हरमू चौक की ओर होगी.
- हरमू की तरफ से किशोरगंज होकर रातू रोड की तरफ आने वाले चार पहिया वाहनों का परिचालन किशोरगंज चौक तक ही होगा. इस ओर से आने वाले ऐसे सभी दो पहिया वाहन किशोरगंज से आगे पहाडी मंदिर मोड़ से मीनाक्षी सिनेमा मोड़ और रातू रोड होकर पिस्का मोड़ की ओर जायेंगे.
- हरमू बाईपास रोड के तरफ से पिस्का मोड़ की तरफ जाने वाले छोटे चार पहिया वाहन बीजेपी कार्यालय के पास से पीपर टोली होकर कटहल मोड, होते हुए पिस्का मोड़ की तरफ जायेंगे.
- कांके रोड से कचहरी चौक की तरफ आने वाली छोटी गाडियों जाकिर हुसैन पार्क,रेडियम रोड़ होकर कचहरी चौक तक, लालपुर चौक से कचहरी चौक आने वाली छोटी गाडियों जेपीएससी कार्यालय तक, बरियातू रोड से अल्बर्ट एक्का चौक की ओर जाने वाली छोटी गाडियों लाइन टैंक रोड स्थित रामगढ ट्रेकर पड़ाव तक एवं डंगराटोली चौक से सर्जना चौक की ओर आने वाली छोटी गाडियां मिशन चौक तक ही आ सकेगी.

यहां होगी पार्किंग की व्यवस्था

- डोरंडा और सुजाता चौक से मेन रोड आने वाले वाहनों की पार्किंग सैनिक मार्केट व चर्च कॉम्प्लेक्स.
- अलबर्ट एक्का चौक से बकरी बाजार की ओर जाने वाले लोग जिला स्कूल और बालकृष्ण स्कूल में वाहन पार्क करेंगे.
- डंगराटोली से सर्जना चौक जाने वाले वाहन संत जॉन्स स्कूल के सामने पार्क होंगे.
- स्टेशन रोड पूजा पंडाल जाने वाले वाहन रेलवे भर्ती बोर्ड से चुटिया थाना मोड़ तक रोड पर पार्क होंगे.
- हरमू से किशोरगंज तक आने वाले वाहन मुक्तिधाम से किशोरगंज के बीच सड़क किनारे पार्क होंगे.
- हरमू चौक स्थित पूजा पंडाल जानेवाले लोग हरमू मैदान में वाहन पार्क करेंगे.
- बरियातू हाउसिंग जाने वाले लोग बरियातू मैदान में वाहन लगायेंगे.
- लालपुर से कोकर जाने वाले लोग साधु मैदान व बिजली ऑफिस में वाहन पार्क करेंगे.
- खेलगांव से कोकर पूजा पंडाल जाने वाले लोग राम लखन सिंह यादव कॉलेज में वाहन लगायेंगे.

बीजेपी चुनाव समिति की बैठक में संभावित प्रत्याशियों के नामों पर मंथन, सात दिन में जारी होगी पहली सूची

रांचीः भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय में झारखंड विधानसभा चुनाव समिति की बैठक रविवार की शाम हुई. जिसमें भाजपा प्रदेश प्रभारी लक्ष्मीकांत वाजपेयी, असम के मुख्यमंत्री सह झारखंड विधानसभा चुनाव 2024 के सह प्रभारी हिमंता बिस्वा सरमा, बाबूलाल मरांडी सहित बीजेपी के कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए. इससे पहले मीटिंग में शामिल होने के लिए रांची पहुंचने पर एयरपोर्ट पर असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने मीडिया से बातचीत की. इस दौरान उन्होंने कहा कि झारखंड की सभी 81 विधानसभा सीटों के पैनल पर आज की बैठक में चर्चा होगी. उन्होंने कहा कि हर विधानसभा सीट से तीन नाम पर चर्चा होगी. इसके बाद पार्लियामेंट्री

बोर्ड उम्मीदवारों को लेकर अंतिम फैसला लेगा.

हर विधानसभा से तीन नामों पर मंत्रणा

विधानसभा चुनाव सह प्रभारी हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि तीन नाम में से कौन एक नाम सेलेक्ट होगा इसका फैसला आलाकमान को करना है. हिमंता ने कहा कि इसके लिए पहले ही रायशुमारी हो चुकी है और सभी विधानसभा सीटों से तीन-तीन नाम आ गए हैं

मीडिया से बातचीत में हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि उम्मीदवारों के नाम पर मंथन और ग्राउंड की हकीकत जानने के बाद उम्मीदवारों के नाम पर गहरा मंथन होगा और फिर 1 हफ्ते के अंदर पहली सूची जारी की जा सकती है. हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि हम विधानसभा चुनाव के लिए पूरी तरह से तैयार हैं. अगले सात दिनों के अंदर प्रत्याशियों की सूची जारी कर देंगे.

लैंड फॉर जॉब मामलाः लालू यादव आज तेजस्वी और तेजप्रताप के साथ कोर्ट में होंगे पेश, राबड़ी होंगी साथ

पटनाः बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव अपने बेटों तेजस्वी और तेजप्रताप के साथ सोमवार 7 अक्टूबर को दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट में पेश होंगे. उनकी यह पेशी लैंड फॉर जॉब केस में होगी. इस केस में लालू, तेजस्वी, तेज प्रताप समेत 8 आरोपियों की पेशी होनी है. इस केस के सिलसिले में तेजप्रताप को पहली बार समन भेजा गया है. जमीन के बदले नौकरी देने के मामले में लालू यादव को मुख्य साजिशकर्ता बनाया गया है.

जानकारी के मुताबिक पेशी के दौरान लालू यादव के साथ पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और पाटलिपुत्र की सांसद मीसा भारती मौजूद रहेंगी. जमीन के बदले नौकरी का घोटाला 2004 से 2009 के बीच हुआ था. जब लालू यादव रेल मंत्री थे. लालू यादव पर आरोप लगा कि रेल मंत्री रहते हुए उन्होंने अपने पद का दुरुपयोग किया और रेलवे में ग्रुप डी में कई लोगों को जमीन के बदले नौकरी दी. इस मामले में कुल 11 लोगों को आरोपी बनाया है.

नाबालिग दुष्कर्म-हत्या मामले में ममता बनर्जी का बड़ा एक्शन, पुलिस को दिया सख्त निर्देश, दोषियों को 3 माह के भीतर मृत्युदंड की सजा मिले

कोलकाता : पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना में नाबालिग के साथ हुए दुष्कर्म और हत्या मामले में सीएम ममता बनर्जी ने पुलिस को निर्देश दिया है कि वह पॉक्सो के तहत केस दर्ज करे. सीएम ने पुलिस से कहा है कि सुनिश्चित किया जाए कि दोषियों को तीन महीने के अंदर मौत की सजा दी जाए. सीएम ममता बनर्जी ऑनलाइन माध्यम से कई दुर्गा पूजा पंडालों का उद्घाटन करने के बाद कोलकाता पुलिस बॉडीगार्ड लाइन्स में लोगों को संबोधित कर रही थीं. इस दौरान सीएम ने मामले का जिक्र करते हुए कहा कि अपराध का कोई जाति, धर्म या रंग नहीं होता है. ममता ने कहा कि मैं चाहती हूं कि पुलिस कुलतली मामले में पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज करें और सुनिश्चित करें कि दोषियों को तीन महीने के भीतर मृत्युदंड की सजा मिले. उन्होंने कहा कि अपराध-अपराध होता

है. इसका कोई जाति धर्म नहीं होता है.

मीडिया ट्रायल पर जताई आपत्ति

सीएम ने आश्वासन दिया कि अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी. ममता ने मीडिया में चल रही खबरों पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि बलात्कार के मामलों में मीडिया ट्रायल नहीं होना चाहिए. इसे रोका जाना चाहिए क्योंकि इससे जांच में परेशानी आ सकती है.

इधर, कोलकाता रेप मामले में जूनियर डॉक्टर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल परःहेल्थ सेक्रेटरी को हटाने समेत 9 मांगों पर अड़े

पश्चिम बंगाल के कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर के खिलाफ छह जूनियर डॉक्टरों ने भूख हड़ताल शुरू कर दी है। डॉक्टरों ने 4 अक्टूबर को धर्मतला इलाके में डोरिना क्रॉसिंग पर धरना प्रदर्शन शुरू किया था। उन्होंने अपनी मांगों को पूरा करने के लिए ममता सरकार को 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया था। राज्य सरकार को दी गई डेडलाइन शनिवार, 5 अक्टूबर की रात 8.30 बजे खत्म हो गई। इसके बाद पश्चिम बंगाल जूनियर डॉक्टर फ्रंट के 6 प्रतिनिधियों ने आमरण अनशन शुरू कर दिया। जूनियर डॉक्टर्स हेल्थ सेक्रेटरी एनएस निगम को हटाने, स्वास्थ्य विभाग में भ्रष्टाचार के लिए जवाबदेही तय करने समेत अपनी 9 मांगों पर अड़े हैं। डॉक्टरों ने बताया कि वे भूख हड़ताल की पारदर्शिता बनाए रखने के लिए मंच पर सीसीटीवी लगाएंगे, ताकि हर कोई देख सके कि वहां क्या हो रहा है?

बंगाल के जूनियर डॉक्टरों ने रेप-मर्डर घटना के खिलाफ 10 अगस्त से 21 सितंबर तक 42 दिन तक हड़ताल की थी। डॉक्टरों ने सरकार के सामने 5 मांगें रखी थीं। इनमें से सरकार ने 3 मांगें मान ली थीं। सीएम ममता ने दो अन्य मांगों और शर्तों पर विचार करने का आश्वासन दिया था। इसके बाद डॉक्टरों ने हड़ताल खत्म कर दी थी। वे अस्पतालों में काम पर लौट गए थे। 27 सितंबर को सागोर दत्ता हॉस्पिटल में 3 डॉक्टरों और 3 नर्सों से पिटाई का मामला सामने आया, जिससे नाराज होकर डॉक्टरों ने 1 अक्टूबर को फिर से हड़ताल शुरू कर दी थी।

4 अक्टूबर को जूनियर डॉक्टरों ने हड़ताल वापस ले ली, लेकिन धरना जारी रखा। उन्होंने कहा कि हम काम पर लौट रहे हैं क्योंकि सरकारी अस्पतालों में बड़ी संख्या में मरीज परेशान हो रहे हैं। हालांकि उन्होंने राज्य सरकार को 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया था।

सुप्रीम कोर्ट बोला- चुनी हुई सरपंच को हटाना गंभीर मामलाःबॉम्बे हाईकोर्ट का फैसला पलटा

कार्यकाल पूरा होने तक पद पर बहाल किया

नई दिल्लीः सुप्रीम कोर्ट ने पंचायत की सरपंच को पद से हटाने के केस को गंभीर मामला बताया है। जस्टिस सूर्यकांत और उज्जल भुइयां की बेंच ने कहा कि चुने हुए जनप्रतिनिधि को हटाने को हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए, खासकर तब, जब यह ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं से जुड़ा हो। बॉम्बे हाईकोर्ट का फैसला पलटते हुए 27 सितंबर को कोर्ट ने कार्यकाल पूरा होने तक सरपंच की बहाली के आदेश दिए। बेंच ने कहा- यह क्लासिक केस है। गांव वाले इस बात को स्वीकार नहीं कर पा रहे कि एक महिला सरपंच चुनी गई है और उन्हें उसके निर्देशों को मानना होगा। दरअसल, महाराष्ट्र के जलगांव में विचखेड़ा ग्राम पंचायत की सरपंच मनीष रवींद्र पानपाटिल ने अपने खिलाफ हुए एक्शन पर याचिका लगाई। ग्रामीणों की शिकायत के बाद उन्हें उनके पद से हटाने का आदेश दिया गया था।

मनीष पर आरोप था कि वे सरकारी जमीन पर बने घर में अपनी सास के साथ रह रही थीं। पानपाटिल ने इस आरोप का खंडन किया। उन्होंने बताया कि वे अपने पति और बच्चों के साथ किराए के घर में अलग रहती हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ये हालात तब और भी गंभीर हो जाते हैं, जब हम देश के सरकारी ऑफिस, निकायों समेत सभी क्षेत्रों में लैंगिक समानता और महिला सशक्तीकरण का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। जमीनी स्तर पर ऐसे उदाहरण हमारी किसी भी प्रगति पर भारी असर डालते हैं। बेंच ने यह भी कहा कि महिलाएं काफी संघर्ष के बाद ही ऐसे पब्लिक ऑफिस तक पहुंच पाने में सफल होती हैं।

एक्शन आरोपों की जांच किए बिना और निराधार बयानों के आधार पर जिले के कलेक्टर ने उन्हें सरपंच के रूप में अयोग्य ठहराया। साथ ही पद से हटाने का आदेश पारित कर दिया। इसके बाद कमिश्नर ने इस आदेश को बरकरार रखा। हाईकोर्ट ने 3 अगस्त 2023 को अपीलकर्ता की याचिका को खारिज कर दिया और सरपंच को पद से हटाने पर मुहर लगा दी। बेंच ने कहा- पानपाटिल को पद से हटाने के लिए ग्रामीणों ने तिनके का सहारा लिया। जिसके चलते अलग-अलग लेवल पर सरकारी अधिकारियों के संक्षिप्त आदेशों से उनके विरोध को ताकत मिली।

डिवाइन पब्लिक स्कूल के छात्र राजेश कुमार का ताइक्वांडो के लिए राज्य स्तर पर हुआ चयन

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत गंगपाचो गांव स्थित डिवाइन पब्लिक स्कूल के छात्र राजेश कुमार का चयन ताइक्वांडो के लिए राज्य स्तर पर हुआ है। खेलो झारखंड के तहत राजेश कुमार अंडर 14 कैटेगरी में राज्य स्तर पर भाग लेंगे। चैंपियनशिप अगले माह नवंबर 2024 में आयोजित होगा।राजेश कुमार जिला स्तर पर 5-6 अक्टूबर को गणपत राय स्टेडियम खेल गांव रांची में आयोजित प्रतियोगिता में भाग लेकर सफल हुए हैं। जिसके बाद वह अब झारखंड राज्य का नेतृत्व करेंगे। स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडियन के राष्ट्रीय स्तर प्रतियोगिता में जो खेलो इंडिया यूथ गेम्स के तहत होता है।इसकी जानकारी निदेशक आईपी भारती ने देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना व आशीर्वाद दिया। उन्होंने इस सफलता का श्रेय प्रशिक्षक गुलाम रसूल को दिया। प्राचार्या स्वाती रंजन ने कहा कि विद्यालय में छात्रों को हर क्षेत्र के विकास का ध्यान रखा जाता है। छात्र जिस लक्ष्य का चुनाव करता है उसी के अनुरूप उसे प्रशिक्षण भी दिया जाता है।

भारत जकात माझी प्रगना महाल समाज की हुई बैठक

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बाजुकोला शिलाडीह में भारत जकात माझी प्रगना महाल समाज ने बैठक की । बैठक की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष रामजी बेसरा ने कि व संचालन सचिव मनोज मुर्मू ने किया। बरकट्ठा, बगोदर एवं चलकुशा प्रखंड क्षेत्र से लोग पहुंच कर बैठक में शामिल हुए। बैठक में समाज कि विभिन्न विषयों पर चर्चा करते हुए की निर्णय लिया गया।रामजी मांझी ने झारखंड सरकार से मांझी बाबा, पारानीक बाबा, जोग माझी बाबा एवं नायके बाबा को सम्मान राशि देने कि मांग किया।कहा कि राज्य में हजारीबाग जिला को छोड़कर अन्य जिलों में समाज के बाबाओं को सम्मान राशि दिया जा रहा है। उन्होंने झारखंड सरकार से हजारीबाग जिला में भी सम्मान राशि देने की मांग किया है।इस अवसर पर बैठक में सहदेव मांझी, विनोद सोरेन, जगलाल मांझी, रामलाल मांझी, रीतलाल मांझी, बंसी मांझी, साहब राम सोरेन, तालो मांझी, शिबू मांझी, रीतलाल हेंब्रम, परमेश्वर हांसदा, लालजीत हेंब्रम, शीतल टुडू, कैलाश टुडू समेत अन्य कई लोग मौजूद रहे।

हिंदेबिल्ली में झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा का हुआ विस्तार

ओरमांझी(मोहसीनआलम):झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा का हिंदेबिल्ली पंचायत में विस्तार किया गया एवं टाइगर जयराम महतो के विचारों को घर घर पहुंचाने का चर्चा किया गया इस बैठक की अध्यक्षता ओरमांझी प्रखंड अध्यक्ष रामसेवक महतो के द्वारा किया गया इस कार्यक्रम में उपस्थित प्रखंड अध्यक्ष एस टी मोर्चा उदित मुंडा पंचायत प्रभारी राजदेव करमाली आघनु महतो पंचायत अध्यक्ष मुकेश महतो पंचायत सचिव बुधराम मुंडा धनंजय भंडारी, दीपक मुंडा सरजू भंडारी,मनोज कुमार महतो,आभा देवी,मंजू देवी संगीता देवी रीता देवी सुचित्रा देवी मुन्नी देवी ललिता देवी आदि सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित हुए।

दुर्गा महादेव मंदिर परिसर ओरमांझी में आओ झुमे नाचे गाए व डाण्डिया का रेहलस में उमड़ा भीड़

ओरमांझी:दुर्गा पूजा महोत्सव पर पुजा समिति ओरमांझी द्वारा आयोजित दुर्गा पूजा के साथ रात्रि में बच्चों के लिए विशेष कार्यक्रम आओ झुमे नाचे गाए का आयोजन किया गया जिसमें प्रखंड के विभिन्न स्कूलों के बच्चों ने भाग लिया। जिसका रविवार को आडिशन किया गया। जिसमें सफल प्रतिभागी चयनित किया गया। जिसका कार्यक्रम सप्तमी अष्टमी व विजया दशमी के रात्रि में किया जाएगा। साथ पहली बार नवमी के दिन डाण्डिया कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा जिसके लिए भाग लेने वाले बच्चियों और महिलाओं को प्रशिक्षक द्वारा प्रैक्टिस कराई गई ।दोनों आयोजन में भाग लेने के लिए बच्चे बच्चियों व महिलाओं का मन्दिर परिसर में हुजूम उमड़ा। इसके सफल आयोजन के लिए पुजा समिति के अध्यक्ष रामकुमार महतो सचिव दीपक बड़ाईक कोषाध्यक्ष दुर्गा शंकर साहू संयोजक सत्यनारायण तिवारी उपाध्यक्ष अजय सिंह संतोष गुप्ता कुलदीप तिवारी संतोष कुशवाहा सुरेश मेहता उपसचिव राजेश गुप्ता आनंद मेहता शशी मेहता कुमार सौरभ दीनदयाल लोहार नीरज पाण्डेय उपकोषाध्यक्ष कुन्दन साहू मिडिया प्रभारी रोहन वमण रूपेश साहू समिति के संरक्षक सतीश बड़ाईक व पवन साहू कुमार शौरभ भोली नायक नीरज सोनी रूपेश पाण्डेय रितेश कुमार राजू चौधरी भीम मुण्डा सहित समिति के सभी पदाधिकारी व सदस्य गण पुरी तरह लगें हुए। कार्यक्रम को सफल बनाने में महिलाओं का विशेष भुमिका निभा रही हैं।

दुर्गा पूजा एवं आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर अवैध शराब के कारोबार के विरुद्ध चतरा उत्पाद विभाग की कारवाई

कोयलांचल संवाद संवाददाता

चतराः जिले में दुर्गा पूजा एवं आगामी विधानसभा चुनाव को दृष्टिपथ रखते हुए उपायुक्त चतरा श्री रमेश घोलप एवं एस.डी. एम. सिमरिया के निर्देश पर टंडवा थाना अंतर्गत विभिन्न स्थलों पर दिनांक 05.10.2024 को उत्पाद विभाग के द्वारा छापामारी की गई। छापामारी के दौरान टंडवा थाना अंतर्गत लरंगा एवं आम्रपाली से 3 व्यक्तियों को अवैध महुआ चुलाई शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। छापामारी के दौरान विभिन्न लाइन होटलों एवं ढाबों की भी तलाशी ली गई और संचालकों को किसी प्रकार की मदिरा की बिक्री नहीं करने या अपने परिसर में मदिरा का सेवन न करने देने की सख्त हिदायत भी गई। प्रदर्श का विवरण :1. अवैध महुआ चुलाई शराब = 70 लीटर करीब आरोपीयों के विरुद्ध उत्पाद अधिनियम की सुसंगत धाराओं के अंतर्गत कार्यवाई की जा रही जा रही है। अधीक्षक उत्पाद, चतरा के द्वारा जानकारी दी गई कि उपायुक्त महोदय के निर्देशानुसार दुर्गा पूजा एवं आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर जिले में लगातार छापामारी अभियान चलाया जा रहा है और आगे भी अवैध शराब के कारोबार के विरुद्ध इसी प्रकार सघन छापामारी अभियान जारी रहेगा।

विभिन्न संस्था द्वारा समाजसेवियों को किया गया सम्मानित

रांचीः सामाजिक संस्था शिवा लिंगम मानव सेवा संस्थान,छात्र क्लब ग्रुप एवं विश्वकर्मा युवा सुरक्षा मंच के संयुक्त तत्वावधान मे सम्मान समारोह का आयोजन चैती दुर्गा मंदिर परिसर भुतहा तालाब परिसर मे छात्र क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा जी के अध्यक्षता मे संपन्न हुआ।

इस मौके पर मुख्यअतिथि के प्रसिद्ध समाजसेवी नंदकिशोर सिंह चंदेल मौजूद थे। शिव किशोर शर्मा ने कहा छात्र क्लब ग्रुप एवं विश्वकर्मा युवा सुरक्षा मंच एक सामाजिक संस्था है जो शिक्षा,पर्यावरण,स्वास्थ्य चिकित्सा,मानव कल्याण आदि आदि के क्षेत्र मे वर्षों से स्वतंत्र रूप से या दूसरे संस्थानों के साथ मिलजुलकर सामाजिक क्षेत्र मे कार्य कर रही है।संस्था का एक ही उद्देश्य है सामाजिक कार्य करना।

आज संस्था द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान देने एवं सामाजिक कार्य करने

वाले 08 समाजसेवियों को तिलक लगाकर,तलवार,पगड़ी,अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित एवं उन्हें प्रोत्साहित किया गया जो निम्नलिखित हैः

लायंस क्लब का रांची हरि कनक ग्रेटर के अध्यक्ष राजेश केडिया* को शिक्षा एवं गरीब,जरूरतमंद लोगों के बीच सुखा अनाज एवं भोजन उपलब्ध करने के क्षेत्र में,

श्री चैती दुर्गा पूजा महासमिति भुतहा तालाब के कोषाध्यक्ष संजय कुमार सिंह उर्फ लल्लू सिंह* को धार्मिक आयोजन,पूजा पाठ के सफल आयोजन एवं असहाय, जरूरतमंद लोगों की सेवा करने के क्षेत्र मे,

छात्र क्लब चिकित्सक मंच के वरीय उपाध्यक्ष डॉ.अनुज कुमार पटेल* स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान के क्षेत्र मे,

रांची महानगर रामनवमी पूजा महासमिति(युवा महावीर मंडल रांची)के संस्थापक अध्यक्ष नंदकिशोर सिंह चंदेल* को विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक आयोजन के शांति पूर्ण एवं सफल संचालन के क्षेत्र में, लकी एजुकेशनल एवं चैरिटेबल ट्रस्ट के सचिव दीपक कुमार साहू* को शिक्षा, पर्यावरण,स्वास्थ्य एवं मानव कल्याण के क्षेत्र में,

छात्र क्लब बुद्धिजीवी मंच के संयोजिका कुमारी अनिता* को शिक्षा एवं रांची के विभिन्न क्षेत्रों मे धार्मिक आयोजन भजन कीर्तन,सत्संग,कलश यात्रा के सफल आयोजन के क्षेत्र मे,

क्राउंड लायंस के अध्यक्ष शुभम चौधरी* को पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र मे,

कपिल फाउंडेशन के प्रवक्ता आकाश रजक* को मानव कल्याण के क्षेत्र मे महत्वपूर्ण योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

आज के कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्यरुप से गौतम कुमार साहू,पिया बर्मन,प्रशांत कुमार,मुकेश उरांव सुमित कुमार,राजकिशोर राणा,प्रिया कुमारी,नितिशा कुमारी,भूपेंद्र सिंह चावला,राधा गुप्ता, सुभाष कुमार,कुमारी नीलम, कुमारी शीला,अंजना प्रियदर्शनी, कुमारी बबली,सकुन देवी मुंडा, पूजा गुप्ता,अशोक कुमार राणा, सुबोध कुमार शर्मा आदि ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

धन्यवाद ज्ञापन शिव लिंगम के कोषाध्यक्ष विनोद कुमार साहू ने किया।

अपने-अपने क्षेत्र में दुर्गा पूजा के शांतिपूर्ण सफल आयोजन में अपनी सामाजिक भागीदारी निभाने का संकल्प लेकर कार्यक्रम की समापन हुई।

डालसा द्वारा विधिक जागरूकता व विधिक सेवा सशक्तिकरण शिविर का आयोजन

दुमकाःराष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार के निर्देश पर झारखण्ड राज्य विधिक प्राधिकार के तत्वाधान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, दुमका संजय कुमार चन्द्धरियावी के आदेशानुसार आज रविवार को जिले के सभी दस प्रखंडो मे विधिक सेवा सशक्तिकरण शिविर सह विधिक जागरूकता मेला का आयोजन किया गया। आयोजित कार्यक्रम मे व्यवहार न्यायालय, दुमका के सभी न्यायाधीश अलग अलग सभी दस प्रखंडो मे कार्यक्रम का आयोजन कर लोगों को सरकार द्वारा मिलने वाली जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने पर जोर दिया। इसके साथ ही जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तहत मिलने वाली मुफ्त कानूनी सेवा का विस्तार से जानकारी देकर लोगों को इसका लाभ उठाने की सलाह दी। इस दौरान दुमका, मसलिया, रानेश्वर,जरमुंडी, जामा, सरैयाहाट, शिकारिपाड़ा, काठीकुंड, गोपीकांदर,आदि सभी विभिन्न प्रखंडो मे करोड़ों रूपये का परिसम्पतियों का वितरण लाभुकों के बीच किया। इधर दुमका प्रखंड मे जिला जज-पंचम, शत्रुंजय कुमार सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का उदघाटन किया। इस दौरान न्यायाधीश द्वारा लाभुकों के बीच परिसम्पति एवं अन्य योजनाओं के लाभ का प्रमाणपत्र वितरण किया गया । प्रखंड द्वारा स्वीकृति मे से मुख्यमंत्री राज्य वृद्धा पेशंन, मुख्यमंत्री आदिम जनजाति पेंशन , मुख्यमंत्री विधवा सम्मान पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, आबुवा आवास योजना, मईया सम्मान योजना, छात्रवृति सहित अन्य योजना का लाभ दिया गया। इस मौके पर न्यायधीश शत्रुंजय कुमार सिंह ने कहा कि आज के समाज मे महिलाओ की भागीदारी जरुरी है इसके लिए महिलाओ को आगे आने की जरुरत है। उन्होंने कहा केंद्र और राज्य सरकार कई महत्वपूर्ण योजनाए चलाती है। इसका लाभ उठाने पर जोर दिया। न्यायाधीश ने शिक्षा, रोजगार पर बल देते हुये कहा कि आज के दौर मे शिक्षा का होना जरुरी है। इसके लिये जागरूक होने की आवश्यकता है। उन्होंने डालसा द्वारा मिलने वाली मुफ्त कानूनी सेवाओं के बारे में भी विस्तार से बताते हुये लाभ उठाने की अपील की। दुमका प्रखंड में इस मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी, उमेश मंडल, चीफ एल ए डी सी, सिकंदर मंडल सीओ सहित पीएलवी, कैलाश रामदास, बबलू मुर्मू, रोहित राय, रामसेवक साह, नितिन कुमार तथा संजय कुमार पांडे के साथ जेएसपीएल के प्रतिनिधि उपस्थित थे। वहीँ जामा प्रखंड मे जिला जज प्रथम, रमेश चंद्र, शिकारीपाड़ा प्रखंड में जिला जज चतुर्थ, धर्मेंद्र कुमार सिंह, जरमुंडी प्रखंड में मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी अनूप तिर्की, मसलिया प्रखंड में डालसा सचिव उत्तम सागर राणा, सरैयाहाट प्रखंड में वॉटर भेंगरा सीनियर सिविल जज, रामगढ़ प्रखंड में मोहम्मद जावेद खान न्यायिक दंडाधिकारी, रानेश्वर प्रखंड में मोहित चौधरी अनुमंडलीय न्यायिक दंडाधिकारी, गोपीकंदर प्रखंड में आदित्य न्यायिक दंडाधिकारी तथा काठीकुंड प्रखंड में नेहा झा न्यायिक दंडाधिकारी, दुमका शामिल हुये। आयोजित कार्यक्रम के दौरान ब्लॉक एवं अंचल, स्वास्थ्य और बाल विकास परियोजना, कार्यालय के कर्मी सहित जे एस पी एल के काफ़ी संख्या मे महिलायें तथा लाभुक उपस्थित थे ।

कांग्रेस ने लक्ष्य विधानसभा चुनाव 2024 जनसंवाद अभियान के तहत लगाया चौपाल,केंद्रीय मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव हुये शामिल

संवाददाता विश्रामपुर (पलामू) : कांग्रेस द्वारा लक्ष्य विधानसभा चुनाव 2024 जनसंवाद अभियान के तहत देर शाम आठ बजे विश्रामपुर विस क्षेत्र के बी मोड़ चौक पर चौपाल लगाय गया। जिसमे बतौर मुख्य अतिथि झारखंड सरकार के वित मंत्री सह कांग्रेस विधायक दल के नेता डॉ रामेश्वर उरांव,विशिष्ठ अतिथि कांग्रेस के प्कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष मानस सिन्हा,पूर्व मंत्री चंद्रशेखर दुबे उर्फ ददई दुबे,पूर्व मंत्री के एन त्रिपाठी व प्रदेश उपाध्यक्ष भीम कुमार सहित कई दिग्गज कांग्रेसी नेता शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष रवींद्र शुक्ला गुड्डू ने किया। संचालन वरीय जिला उपाध्यक्ष संतोष कुमार चौबे ने किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं ने लोगों से सीधा संवाद स्थापित करने का प्रयास किया। जनसंवाद के दौरान नेताओं ने कार्यक्रताओं और आम लोगों की बातें सुनी। स्थानीय समस्याओं से रूबरू हुए। मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव ने कार्यक्रताओं से आह्वान किया कि गांवों में जाकर जानता के दुख दर्द को साझा करें और उनकी समस्याओं को सूचीबद्ध करें,सरकार की उपलब्धियां लोगों तक पहुंचाते हुए केंद्र सरकार के दोहरी नीति व

नाकामी को उजागर करें.उन्होंने कहा कि कांग्रेस गठबंधन की सरकार ने राज्य के हर वर्ग के लिए कई कल्याणकारी योजना चला रखी है। जिससे प्रदेश का हर परिवार लाभान्वित हो रहा है। झारखंड की जनता ईमानदार है। जो उनका काम व राज्य का विकास करेगा वे उसी को अपना समर्थन देंगे। श्री उरांव ने कहा कि भाजपा अन्य राज्यों के लोगों को बुलाकर जनता को गुमराह करने के मुहीम पर लगी हुई है। कार्यक्रताओं को उनकी इस विभाजनकारी मुहिम को जनता के सहयोग से ध्वस्त करना है। मौके पर कांग्रेस नेत्री बिमला कुमारी,ऋषिकेश सिंह,सत्यनारायण सिंह,प्रदेश महासचिव विजय कुमार चौबे,वरीय कांग्रेसी नेता अमृत शुक्ला,कांग्रेस ओबीसी मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष सुधीर कुमार चंद्रवंशी,जिलाध्यक्ष जैश रंजन पाठक उर्फ बिट्टू पाठक,प्रभात दुबे उर्फ बड़ू दुबे,प्रदेश नेत्री पूर्णिमा पांडेय,अधिवक्ता सुधीर चौबे,सत्यनारायण तिवारी,रिंकू सिंह,प्रो.नंदलाल शुक्ला,सतीश चौबे उर्फ बालजी चौबे,शिक्षाविद रवींद्र चौबे,आलोक चौबे,विजय पासवान,शैलेंद्र चौबे,नागेंद्र नाथ चौबे,जितेंद्र कमलापुरी,सचितानंद शुक्ला,अजय साहू,बीस सूत्री अध्यक्ष रामचन्द्र दीक्षित,अशोक सिंह,सुनील पांडेय,डॉ इलियास अंसारी,अजब नारायण शुक्ला,अरुण शुक्ला,डॉ रानी कुमारी,ललित चौबे डबलू,इम्तियाज खान,सुरेंद्र दुबे सहित कई कांग्रेसी नेता कार्यकर्ता व आम लोग मौजूद थे।

खिजरी के कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विधायक राजेश कच्छप को भारी मतों से विजय बनाने का लिया संकल्प लिया

नामकुम(मोहसीन आलम):नामकुम प्रखण्ड के रिंग रोड रामपुर में खिजरी विधानसभा में संवाद आपके साथ का कार्यक्रम का आयोजन किया गया।जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व राज्यसभा सांसद प्रदीप कुमार बालमुचू एवं राकेश किरण महतो जिला अध्यक्ष उपस्थित थे। कार्यक्रम में उपस्थित पूर्व राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू ने कहा कि आने वाले समय में वर्तमान लोकप्रिय विधायक राजेश कच्छप बहुत ही अच्छा कार्य कर रहे हैं। मैं इनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर साथ चलने का काम करुंगा। हमारी गठबंधन की हेमन्त सोरेन राज्य में अच्छा काम कर रहे हैं। आपके विधायक राजेश कच्छप ने भी खिजरी में विकास की कार्य किया है। ऐसे नौजवान विधायक को पुनःविधानसभा चुनाव में भारी मतों से जीत हासिल करना है। खिजरी विधायक राजेश कच्छप ने कहा कि बीजेपी कितनों भी ताकत लगा ले खिजरी में कांग्रेस पार्टी ही फतह लहरायेगा। संवाद आपके साथ कार्यक्रम में उपस्थित दयामनी बारला ने कहा कि ये दमनकारी भाजपा पार्टी को कभी भी झारखण्ड में सरकार बनाने नहीं देंगे। असम के मुख्यमंत्री झारखण्ड में आकर बड़ी बड़ी बातें करता है जो झारखण्ड के मूल निवासी को असम में आदिवासियों को कोई भी काम नहीं किया है। पूर्व मंत्री गीताश्री उरांव ने कहा कि बीजेपी झारखण्ड में सरकार बना कर यहां के खनिज संपदा को देश के अरबपतियों के हाथों देना चाहती है। हमारे सम्पत्ति को लुटकर अपनी तिजोरियां भरना चाहती है। खिजरी विधानसभा में संवाद आपके साथ कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने कहा खिजरी विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस पार्टी विधानसभा के उम्मीदवार वर्तमान विधायक राजेश कच्छप को भारी मतों से विजय दिलायेंगे और पुनः झारखण्ड प्रदेश में गठबंधन की सरकार बनेगी। मौके पर अशोक कुमार मिश्र, मेरी तिर्की, नीतू देवी, विजय टोप्पो, सतीश पंडा, तुलसी खरवार, एतवा उरांव, राजेन्द्र मुण्डा, सुरेश साहु,अनीता सिंह,सरिता देवी,माधो कच्छप,रोशन कुजूर, मीनू सिंह, रंजन यादव, प्रमुख दीपा उरांव, सिलाश टुटी, महादेव मुण्डा एवं अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री झारखंड सरकार को पूर्व सांसद रामटहल चौधरी ने मांग पत्र भेजा, प्रखंड व अंचलों में कर्मचारी एवं पदाधिकारी कि कमी क़ो दूर की जायेः रामटहल चौधरी

ओरमांझी (मोहसिनआलम):झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन क़ो रांची के पूर्व सांसद रामटहल चौधरी ने मांग पत्र के माध्यम से मांग किया हे कि प्रखंड और अंचलों में एवं सभी विभागों में कर्मचारी एवं पदाधिकारी की कमी जल्द दूर किया जाये,उन्होंने पत्र के माध्यम से बताया है कि 1 अक्टूबर को मैं ओरमांझी प्रखंड और अंचल कार्यालय गया था,जहां जाने पर पता चला कि प्रखंड एवं अंचल कार्यालय में कर्मचारियों की घोर अभाव है ओरमांझी के पूरे 18 पंचायत में महज दो अंचल कर्मचारी हैं,वीएलडब्लू एक भी नहीं है,पंचायत सेवक कई पंचायतों में नहीं है, हर विभाग का सुपरवाइजरों की कमी हैं, इसी तरह पूरे रांची जिले एवं पूरे झारखंड में यही स्थिति है, और विद्यालयों एंव महाविद्यालय में शिक्षकों की भी कमी है, जिसे मुख्यमंत्री भी जानते हैं और बराबर पदों को भरने की घोषणा करते रहे हैं, परंतु अभी तक यह पूरा नहीं हुआ है, काम का बोझ हर विभाग में बढ़ा हैं,उसके हिसाब से कर्मचारी

पदाधिकारी नहीं है.मुख्यमंत्री होने के नाते आप ने बहुत से जन सुविधा के लिए अच्छे कार्य कर रहे हैं उसी तरह जिला स्तर से प्रखंड स्तर तक जितने रिक्त स्थान है हर विभाग में उसको भरने का काम करें ताकि आम जनता को हो रही परेशानी ना हो सके, वहीं पूर्व सांसद ने मांग किया है कि जिस तरह अन्य कार्य तेजी से आपने किया है, उसी तर्ज पर इस कार्य में प्राथमिकता लाकर रिक्त स्थानों को भरने का काम करेंगे, जिससे आम जनता को लाभ हो और परेशानी नहीं होगी, इससे आपकी और सरकार की प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी, गढ़वा को एडवांस लाइफ सपोर्ट एंबुलेंस प्रदान किया गया

रांचीः कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व पहल के तहत इंडियन बैंक, अंचल कार्यालय, राँची द्वारा इंडियन बैंक के निदेशक श्री बाल मुकुंद सहाय के कर कमलों से भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी, गढ़वा को एडवांस लाइफ सपोर्ट एंबुलेंस प्रदान किया गया। यह समारोह क्षेत्र महाप्रबंधक श्री राकेश सहगल, अंचल प्रबंधक श्री रामस्वरुप सरकार एवं डॉ. जे.पी. सिंह सचिव (इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, गढ़वा) की गरिमामयी उपस्थिती में सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम के दौरान राँची अंचल के उप महाप्रबंधक श्री विजेंद्र सिंह मलिक, सहायक महाप्रबंधक श्री प्रभाकर कुमार, समस्त मुख्य प्रबंधकगण, गढ़वा शाखा के सहायक शाखा प्रबंधक एवं समस्त स्टाफ सदस्य उपस्थित रहें।

सीएम साहब शिक्षकों, अभ्यर्थियों एवं विद्यार्थियों के समस्याओं का समाधान करें:अमीन अहमद

रांचीः झारखंड राज्य उर्दू शिक्षक संघ के केंद्रीय महासचिव अमीन अहमद ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से आग्रह किया है कि झारखंड के शिक्षकों, अभ्यर्थियों एवं विद्यार्थियों के हित की रक्षा की जाए। उन्होंने प्रमुख दो समस्याओं का उल्लेख करते हुए समाधान चाहा है।

पहली समस्या का उल्लेख करते हुए कहा है कि अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी एवं जामिया मिल्लिया इस्लामिया विश्वविद्यालय समेत राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश जांच परीक्षा में झारखण्ड के अभ्यर्थियों के लिए कोई भी परीक्षा केन्द्र निर्धारित नहीं है। अब तक झारखण्ड के अभ्यर्थियों को बिहार या पश्चिम बंगाल जाकर जांच परीक्षा देना पड़ता है, जबकि नियमानुसार विश्वविद्यालय को सभी राज्यों की राजधानी में कम से कम एक केन्द्र उस राज्य के अभ्यर्थियों के हित में बनाया जाना चाहिए। झारखण्ड राज्य को बिहार से अलग हुए दो दशक से अधिक का समय बीत गया है, परंतु अब तक झारखण्ड में प्रवेश जांच परीक्षा केन्द्र नहीं बनाया गया है। जिससे झारखण्ड के अभ्यर्थियों को मानसिक एवं आर्थिक परेशानी उठानी पड़ती है।

मुख्यमंत्री से आग्रह किया गया है कि उपरोक्त विश्वविद्यालय की प्रवेश जांच परीक्षा का केन्द्र झारखण्ड की राजधानी रांची में बनाए जाने का आदेश देने की कृपा करें ताकि अपने राज्य में परीक्षा केंद्र बन सके और झारखंड के अभ्यर्थियों के साथ भी न्याय हो सके।

दूसरी समस्या पर कहा गया है कि शुक्रवार (जुमा) के दिन मुस्लिम समुदाय सामूहिक नमाज अदा करतें हैं. ये नमाज हर मुसलमान को अदा करना अनिवार्य है। राज्य के मुस्लिम कर्मियों, शिक्षकों, अध्ययनरत विद्यार्थियों तथा अन्य सरकारी कर्मचारियों के लिए जुमा की नमाज अदा करने के लिए दो घंटे का समय 12:00 बजे से 2:00 बजे अपराहन तक की छूट दिए जाने का प्रावधान है। सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार बिहार सरकार में पूर्व से यह सुविधा बहाल है। इसका आदेश पत्र झारखण्ड सरकार द्वारा भी जारी किए जाने की आवश्यकता है। परन्तु अब तक राज्य सरकार द्वारा आदेश पत्र जारी नहीं किया गया है।

इस संदर्भ में संघ के केंद्रीय महासचिव अमीन अहमद एवं प्रवक्ता शहज़ाद अनवर ने मांग करते हुए राज्य सरकार से आग्रह किया है कि झारखंड राज्य में भी उक्त परीक्षा केंद्र बनाया जाय तथा शुक्रवार के विशेष नमाज के लिए निर्देश जारी की जाय।

निःशुल्क श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा भंडारे मे 1500 से अधिक श्रद्धालुओ ने अन्नपूर्णा भंडारे का प्रसाद किया ग्रहण

कोयलांचल संवाद संवाददाता, रांची : संत शिरोमणी श्री श्री 1008 स्वामी सदानंद जी महाराज के द्वारा संचालित रांची की सुप्रसिद्ध समाजिक एव धार्मिक संस्था एम॰ आर॰ एस॰श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट एव स्वामी सदानंद प्रणामी चैरिटेबल ट्रस्ट (रजि॰) दिल्ली शाखा रांची शहर की जानी मानी समाजिक संस्था है।

गुरू महाराज के जनसेवा को समर्पित जीवन के स्वर्णिम 52 वर्ष पुरे होने के उपलक्ष्य में रांची शहर के पुंदाग स्थित संस्था के निर्माणाधीन श्री कृष्ण प्रणामी मंदिर के प्रांगण मे संस्था के अध्यक्ष डुंगरमल संतोष देवी अग्रवाल एव उनके परिवार के सौजन्य से शारदीय नवरात्री की चतुर्थी के उपलक्ष्य में अनील,मनोज,अनुप अग्रवाल सह पत्नी शोभा, वंदना,सीमा एवं परिवार के सदस्यों

ने श्री कृष्ण प्रणामी संस्था के वरिष्ठ सदस्य पुरणमल सर्राफ, सज्जन पाडिया,बिष्णु सोनी के द्वारा वहाँ के जरूरतमंद ग्रामीणों एवं मंदिर के आस पास के रहने वाले श्रद्धालुओ ने मंदिर परिसर मे आये हुए भक्त प्रेमीयो,राहगीरों एवं सदगुरु कृपा अपना घर आश्रम (सत्य-प्रेम सभागार) में रह रहे निराश्रित मंदबुद्धि मानव उनकी देखभाल कर ने वाले सेवादार सेवा साथीयों और आये हुए बच्चों के बीच 170 वें निःशुल्क श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा भंडारे के प्रसाद का विधिवत उद्घाटन कर वितरण कार्य शुरू किया गया।

संस्था के सदस्यो ने श्री राज श्यामा जी (राधा-कृष्ण) एव गुरू महाराज की फोटो पर चंदन वंदन कर वहा उपस्थित महिलाओ और पुरूष श्रद्धालुओ को चंदन टिका कर के भजन संकीर्तन कर मंदिर मे उपस्थित ब्राह्मणों को भोजन कराकर आज की 170 वीं निःशुल्क श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा भंडारे के प्रसाद का वितरण शुरू किया। आज के भंडारे मे संस्था ने पुड़ी,आलु चना टमाटर मिश्रित सब्जी, भेजिटेबल पुलाव,केसरिया खीर का वितरण किया।

जैसे ही संस्था के निर्माणाधीन श्री कृष्ण प्रणामी मंदिर मे अन्नपूर्णा भंडारे के प्रसाद का विधिवत वितरण कार्यक्रम शुरू हुआ वहा उपस्थित श्रद्धालुओ ने और संस्था के सदस्यों ने श्री प्राणनाथ प्यारे की जय। श्री राज श्यामा जी की जय। गुरू जी महाराज की जय। के जय जयकारो से पूरा का पूरा मंदिर परिसर गुंजमान हो रहा था। रविवार दिनांक 06 अक्टूबर 2024 को सुबह से ही भंडारे का प्रसाद ग्रहण करने के लिए श्रद्धालुओ में उत्साह बना हुआ था कोई कमी नही थी। दोपहर 12 बजे से ही मंदिर परिसर मे श्रद्धालुओ का प्रसाद ग्रहण करने के लिए आना शुरू हो गया था।आज भी लगभग 1500 से ज्यादा श्रद्धालुओ, राहगीरों एव जरूरतमंदों ने श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा भोजन भंडारे के प्रसाद मे पुड़ी,आलु चना टमाटर मिश्रित सब्जी भेजिटेबल पुलाव,केसरिया खीर का वितरण कर सेवा की गई। अन्नपूर्णा भोजन सेवा का आयोजन डुंगरमल संतोष देवी अग्रवाल एवं उनके परिवार के सौजन्य से रविवार दिनांक 06 अक्टूबर 24 को किया गया।

पूर्व सीएम चंपाई की अचानक बिगड़ी तबियत, टीएमएच में एडमिट

रांचीः पूर्व सीएम चंपाई सोरेन की तबीयत अचानक बिगड़ जाने के कारण उन्हें रविवार को टीएमएच(टाटा मेडिकल कॉलेज) में एडमिट कराया गया है. जानकारी के मुताबिक, अब चंपाई सोरेन का स्वास्थ्य बेहतर हो रहा है. डॉक्टरों के अनुसार चंपाई सोरेन का शुगर लेवल बढ़ने और प्रेशर के कारण उनकी तबियत बिगड़ी थी. वे जल्द ही ठीक हो जाएंगे. बताते चलें कि रविवार को चंपाई सोरेन को साहेबगंज के भोगनाडीह में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लेना था. खुद चंपाई सोरेन ने ट्वीट कर बताया कि स्वास्थ्य संबंधित परेशानियों की वजह से आज वीर भूमि भोगनाडीह में आयोजित "मांझी परगना महासम्मेलन" में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल रहूंगा. कहा कि डॉक्टरों के अनुसार, चिंता की कोई खास बात नहीं है. मैं शीघ्र पूर्णतः स्वस्थ होकर, आप सभी के बीच वापस आऊंगा.

घोटालेबाजों को बचाने के लिए कोर्ट चली जाती है राज्य सरकारः बाबूलाल मरांडी

रांचीः भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार के खिलाफ निशाना साधा है. कहा कि राज्य सरकार घोटालेबाजों को बचाने में जुटी है. सरकार का काम है चोरों को पकड़ना, गड़बड़ी की जांच कराना, दोषियों को कोर्ट से सजा दिलवाना. लेकिन ठीक उसके उलट हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक में सरकारी पैसे से नामी वकीलों की टीम रखकर घोटाले की जांच नहीं होने दे रही है. घोटालेबाज़ों को बचाने के लिये बार-बार कोर्ट के शरण में जाकर जांच को लटकाने-भटकाने का काम कर रही है. उन्होंने सीएम पर तंज कसते हुए कहा कि कोयला चोरी की जांच होने दीजिये. सच सामने आ जायेगा.

रांची : इश्तियाक अहमद बने हजारीबाग के डीडीसी

रांचीः राज्य सरकार ने झारखंड प्रशासनिक सेवा के अफसरों का तबादला कर दिया है. पदस्थापन की प्रतीक्षारत इश्तियाक अहमद को हजारीबाग का उप विकास आयुक्त-सह-मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी बनाया है. कृषि विभाग में संयुक्त सचिव के पद पर पदस्थापित अमरेंद्र कुमार सिन्हा को चतरा के उप विकास आयुक्त-सह-मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी की जिम्मेवारी सौंपी गई है. धनबाद नगर निगम के नगर आयुक्त पद पर पदस्थापित रविराज शर्मा को वाणिज्य कर विभाग में संयुक्त सचिव के पद पर पदस्थापित किया गया है. भू-राजस्व विभाग के उपसचिव भगीरथ प्रसाद को स्थानांतरित करते हुए अपर उपायुक्त, पूर्वी सिंहभूम की जिम्मेवारी सौंपी गई है. कार्मिक ने इसका आदेश जारी कर दिया.

मंत्री बन्ना गुप्ता पर यौन शोषण के आरोप को लेकर फेक एफआईआर कॉपी वायरल

रांची : झारखंड सरकार के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता पर यौन शोषण को लेकर एक फर्जी एफआईआर की कॉपी वायरल हो रही है. रांची पुलिस ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर वायरल एफआईआर कॉपी को फेक बताया है. रांची पुलिस ने कहा कि कई व्हॉटसएप ग्रुप में मंत्री बन्ना गुप्ता से संबंधित झूठी प्राथमिकी दर्ज किया हुआ पत्र व्हॉटसएप में प्रसारित किया गया है. इस संदर्भ में तथाकथित आवेदिका तमाड़ थाना क्षेत्र के सलगाडीह गांव की रहने वाली पूजा महतो का छदम नाम का उपयोग किया गया है. साथ ही सिटी एसपी कार्यालय को संबोधित एक आवेदन और कार्यालय से संबंधित मिलता-जुलता फर्जी मोहर का आवेदन पत्र का उपयोग किया गया है. बन्ना गुप्ता के खिलाफ यौन शोषण से संबंधित आरोप लगाते हुए एक झूठा आवेदन व्हॉटसएप में प्रसारित किया जा रहा है. इस संदर्भ में सिटी एसपी के रीडर अमित राई के लिखित प्रतिवेदन के आधार पर तथाकथित प्रभात और अन्य अज्ञात के खिलाफ कोतवाली थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी गयी है.

रांची पुलिस ने जानलेवा हमला करने के आरोपी को किया गिरफ्तार

रांचीः पुलिस ने जानलेवा हमला करने के आरोपी को गिरफ्तार किया है. जिले के मांडर थाना क्षेत्र के रहने वाले अमरजीत कुमार सिंह ने थाना में दिए आवेदन में कहा कि इनके मित्र आनन्द एक्का को अधनु पाहन ने अवैध हथियार के बट से मारकर जख्मी कर दिया है. जिसके बाद पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए अधनु पाहन को गिरफ्तार किया. गिरफ्तार अभियुक्त द्वारा घटना में अपनी संलिप्ता स्वीकार किया गया. इनकी निशानदेही पर कांड में प्रयुक्त एक देशी पिस्तौल को बरामद किया गया. जिसके बाद उसे जेल भेज दिया गया. अधनु पाहन का पूर्व से आपराधिक इतिहास रहा है, उसके खिलाफ चान्हो और मांडर थाना में पूर्व से मामला दर्ज है.

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने विजिथान का आयोजन किया

रांचीः यूनियन बैंक ऑफ इंडिया , अंचल कार्यालय रांची द्वारा खेल प्राधिकरण झारखंड के प्रांगण में स्पोर्ट्स अथॉरिटी सतर्कता जागरूकता के प्रचार प्रसार हेतु विजिथान का आयोजन किया गया । इस अवसर पर श्री बैजनाथ सिंह, अंचल प्रमुख महोदय ने उपस्थित लोगों को भ्रष्टाचार के विरुद्ध सतर्कता एवं सत्यनिष्ठा की शपथ दिलायी । इस कार्यक्रम में खेल प्राधिकरण , राँची , झारखंड के कोच , खिलाड़ी तथा आम जन ने अपनी सहभागिता दर्ज की । अंचल प्रमुख ने अपने संबोधन में कहा कि हमें किसी भी तरह के भ्रष्टाचार के विरुद्ध सख्त आवाज उठानी चाहिए एवं देश को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने में अपना योगदान देना चाहिए. उन्होंने लोगों को ईमानदारी से अपने जीवन में आगे बढ़ने का आह्वान किया. इस अवसर पर श्री बैजनाथ सिंह , महाप्रबंधक ,अंचल प्रमुख कार्यालय के साथ उप अंचल प्रमुख श्री विजय कुमार रॉय ,एवं श्री शशिकांत , अंचलांतर्गत सभी क्षेत्रीय कार्यालय (राँची, धनबाद , पटना , समस्तीपुर एवं भागलपुर) के क्षेत्र प्रमुख , उप क्षेत्र प्रमुख एवं यूनियन बैंक के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारियों ने हिस्सा लिया ।

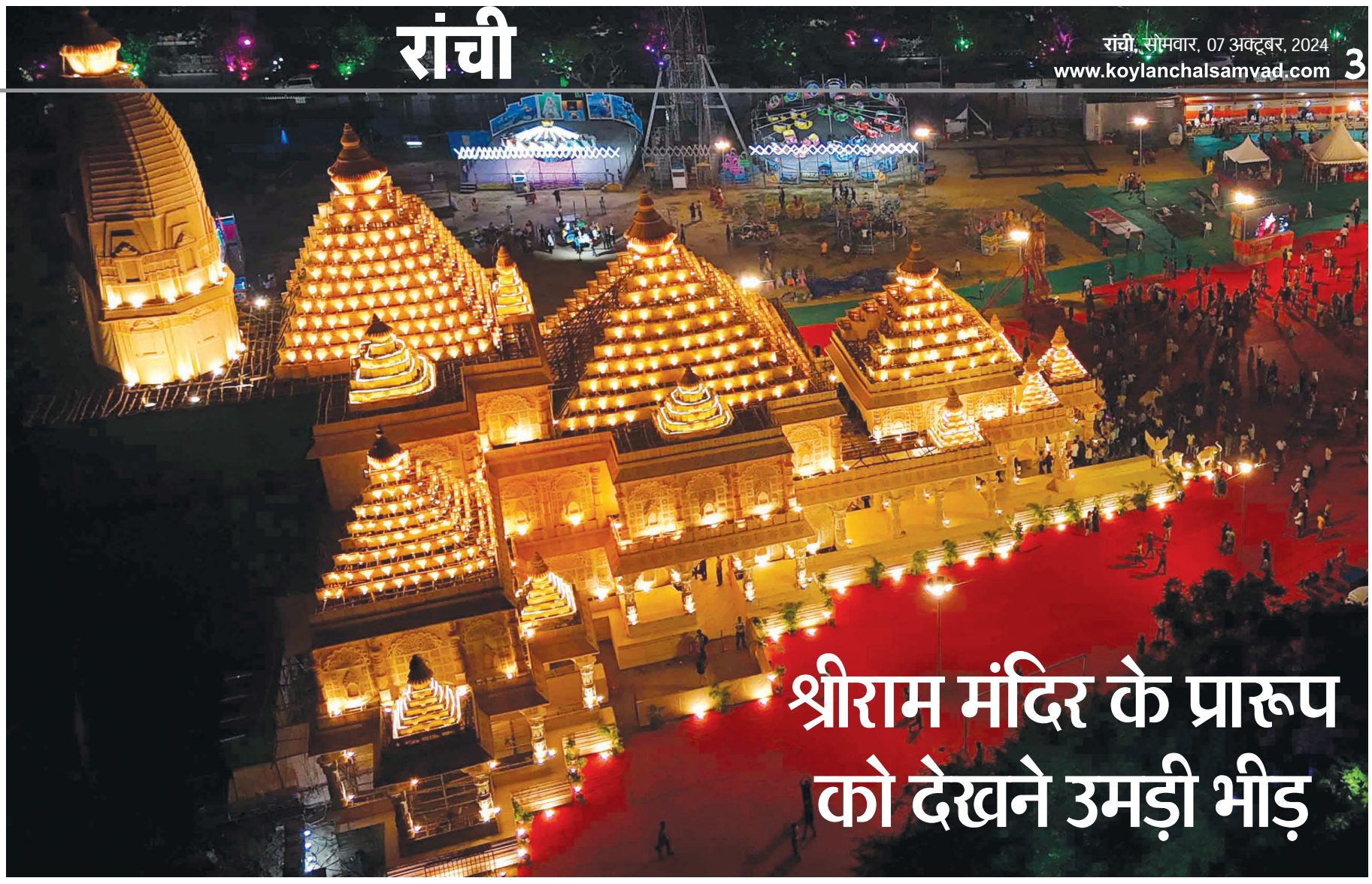

श्रीराम मंदिर के प्रारूप को देखने उमड़ी भीड़

रांची । श्रीराम लाल पूजा समिति के सानिध्य में पुरानी विधानसभा मैदान में दुर्गा पूजा पंडाल में मां के दर्शन के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। पंडाल का प्रारूप श्री राम लला मंदिर, अयोध्या का है। पंडाल 12 अक्टूबर तक भक्तों के लिए खुला है।
युवा दस्ताश्री दुर्गा पूजा महोत्सव को सफल बनाने के लिए सभी क्षेत्रीय प्रभारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में होने वाली कठिनाइयों की जानकारी दी। मुख्य रूप से यातायात व बिजली व्यवस्था के कारण होने वाली परेशानियों से अवगत कराया। शिविर में डीआईजी अनूप बिरथर ने युवा दस्ता के सदस्यों से कहा कि युवा दस्ता जिला प्रशासन व दर्शनार्थियों के बीच समन्वय बनाकर काम करेंगे। राजीव रंजन मिश्रा ने कहा कि सदस्य पूजा पंडाल में तैनात रहेंगे और दर्शनार्थियों की सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे। सभी दर्शनार्थियों से बच्चों व बुजुर्गों के पॉकेट में नाम पता और मोबाइल नंबर डालने की अपील की गई है। अध्यक्षता राजेश गुप्ता व संचालन पीयूष आनंद ने किया। धन्यवाद ज्ञापन ज्योति शंकर साहु ने दिया। कार्यक्रम में एसडीओ उत्कर्ष कुमार, रामधन बर्मन, समाजसेवी शंकर दुबे व उपेंद्र रजक उपस्थित थे। पंडाल का पट खुलते ही भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। सुबह 10 बजे तक देर रात तक पूजा पंडाल में भीड़ लगी रही। भक्तों में इस पंडाल को लेकर काफी उत्साह है। समिति को झारखंड सरकार, प्रशासन व एचईसी का भी पूर्ण सहयोग मिल रहा है। पूरे मैदान परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। 50 से ज्यादा प्राइवेट सिक्योरिटी पंडाल में अपनी सेवा दे रहे है। पूरे पंडाल में वाई-फाई की सुरक्षा व्यवस्था रखी गई है। वहीं बैंकों ने भी अपने एटीएम और एक्सचेंज की व्यवस्था रखी है। समिति ने प्रशासन से महिला-पुरुष पुलिस बल के सहयोग व फायर एंबुलेंस की अपील की है।

सीएम आज करेंगे रंग-बिरंगी कलाकृतियों से बना हरमू पंच मंदिर पंडाल का लोकार्पण

रांची| हरमू पंच मंदिर पूजा समिति के सौजन्य से इस वर्ष रांगेर खेला (रंगों के शेड्स) की थीम पर आधारित पंडाल का निर्माण किया गया है। पूरे पंडाल में अलग-अलग रंग नजर आ रहे हैं। फाइबर की बनी कलाकृतियों में रंगों का मिश्रण और विद्युत सज्जा आकर्षण का केंद्र है। पंडाल खुलने से पहले ही भक्तों की भीड़ देखी जा रही है। अध्यक्ष मनोज पांडे ने बताया कि पंडाल की ऊंचाई 55 और चौड़ाई 70 फीट है। सोमवार को सीएम हेमंत सोरेन पंडाल का लोकार्पण करेंगे।

एसडीओ और डीएसपी ने दुर्गा पूजा पंडाल का किया निरीक्षण

रांचीः रांची सदर एसडीओ उत्कर्ष कुमार और कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोए ने दुर्गा पूजा पंडाल का निरीक्षण किया. दोनों अधिकारियों ने बकरी बाजार, आरआर स्पोर्टिंग क्लब, राजस्थान मित्र मंडल, बड़ा तालाब, ओसीसी पूजा पंडाल का निरीक्षण किया. साथ ही कई दिशा निर्देश दिए. गौरतलब है कि झारखंड में दुर्गा पूजा लेकर सभी जिलों में सुरक्षा बलों की तैनाती कर दी गई है. पुलिस मुख्यालय ने सुरक्षा के पुख्ता व्यवस्था करने के लिए झारखंड के 24 जिलों में करीब 10 हजार अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किए हैं. रांची, हजारीबाग और जमशेदपुर में बम निरोधक दस्ते की टीम को भी तैनात किया गया है. सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों को मुख्यालय के द्वारा निर्देश दिया गया है कि वह शहर की निगरानी के लिए इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस पर विशेष फोकस करें.

झारखंड पुलिस की अपील, सीबीआई ऑफिसर के नाम से धोखाधड़ी वाले कॉल से रहें सावधान

रांची : देश में साइबर क्राइम तेजी से बढ़ रहा है. अक्सर ऐसे मामले सामने आते हैं, जिसमें कॉल करने वाला खुद को सीबीआई अधिकारी बताता है और आपको या आपके परिवार के सदस्य को किसी मामले में फंसाने की धमकी देता है. इसको लेकर झारखंड पुलिस ने लोगों को सावधान किया है. झारखंड पुलिस ने कहा कि क्या आपको किसी 'सीबीआई अधिकारी' या किसी सरकारी अधिकारी से संवेदनशील जानकारी मांगने वाला कॉल आया है? यह एक घोटाला है, इसके झांसे में न आयें. किसी के साथ इस तरह की घटना होती है तो साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर भी कॉल कर सकते हैं. इसके अलावा आप साइबर क्राइम पोर्टल पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज कर सकते हैं.

डरा-धमकाकर पैसे ठगने की कोशिश करते हैं साइबर अपराधी

साइबर अपराधी खुद को सीबीआई या किसी और सरकारी एजेंसी का अधिकारी बताकर आपको फोन करते हैं. वे लोगों को कहते हैं कि आप किसी कानूनी पचड़े में फंस गये हैं और आपको गिरफ्तार किया जा सकता है. यह एक तरह का साइबर फ्रॉड है, जिसमें साइबर अपराधी लोगों को डरा-धमकाकर उनसे पैसे ठगने की कोशिश करते हैं. वे यह भी कह सकते हैं कि आपके नाम से कोई पार्सल आया है, जिसमें गैरकानूनी चीज मिली है. इसके बाद वे आपसे पैसे मांगते हैं और कहते हैं कि अगर आप पैसे नहीं देंगे तो आपके खिलाफ केस दर्ज किया जायेगा.

झारखंड में दो महीने बाद गैर सेवा के छह अफसर बनेंगे आइएएस

रांचीः झारखंड में गैर प्रशासनिक सेवा के छह अफसरों को जल्द ही आइएएस संवर्ग में प्रोन्नति मिलेगी. राज्य सरकार ने गैर सेवा के 18 अफसरों के नामों की सूची संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) को भेज दी है. नियमतः एक पद के विरुद्ध तीन नाम भेजने का प्रावधान है. इन अफसरों को 2023 की रिक्ति के विरुद्ध आइएएस संवर्ग में प्रोन्नति दी जाएगी. जानकारी के अनुसार, दिसंबर के अंत तक इन अफसरों को प्रोन्नति देने की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी.

गैर प्रशासनिक सेवा से फिलहाल चार आईएएस कार्यरत

झारखंड कैडर में गैर प्रशासनिक सेवा से आईएएस कैडर में प्रोन्नति पाए सिर्फ चार आईएएस ही कार्यरत हैं. इसमें मनोज कुमार, प्रभात कुमार, अजय नाथ झा और अक्षय कुमार सिंह के नाम शामिल हैं. वहीं राज्य प्रशासनिक सेवा से आईएएस कैडर में प्रोन्नति पाए 36 अफसर कार्यरत हैं. वहीं डायरेक्ट आईएएस अफसरों की संख्या 138 है. वहीं राज्य में 44 आईएएस अफसरों की कमी है. राज्य में आईएएस संवर्ग के लिए 224 पद स्वीकृत हैं. इसमें वर्तमान में 180 अफसर ही कार्यरत हैं.

सरला बिरला स्कूल में फैशन फ्यूचरिस्टा व साउंडस्केप प्रतियोगिता का आयोजन

रांची : सरला बिरला पब्लिक स्कूल छात्रों के लिए फैशन फ्यूचरिस्टा और साउंडस्केप प्रतियोगिता आयोजित की गयी. प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों को पर्यावरण संरक्षण और रचनात्मक जीवनशैली के प्रति प्रेरित करना था. फैशन फ्यूचरिस्टा में छात्रों ने इको-फ्रेंडली यानी पर्यावरण के अनुकूल चीजों का इस्तेमाल करके अपने प्रॉप्स और कपड़े खुद बनाये. उन्होंने अपनी कला और कल्पना का प्रदर्शन करते हुए इस प्रतियोगिता को खास बना दिया. साउंडस्केप में छात्रों बीटबॉक्सिंग की और रोजमर्रा प्रयोग की जाने वाली घरेलू वस्तुओं से संगीत बनाया. प्रिंसिपल परमजीत कौर ने छात्रों की प्रशंसा की. उन्होंने कहा कि आपने जीवन में पर्यावरण की रक्षा और रचनात्मक जीवनशैली को समझा और इसे अपनाने के लिए रचनात्मक विचारों के साथ सामने आये, जो आज के समय की बहुत बड़ी जरुरत है.

वैश्य मोर्चा ने आयोजित किया चेतावनी महाधरना

रांचीः झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा द्वारा अपनी लंबित मांगों को लेकर आज 6 अक्टूबर को रांची के मोरहाबादी मैदान स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के प्रतिमा के समक्ष एक दिवसीय चेतावनी महाधरना का आयोजन किया गया. इस चेतावनी महाधरना में विभिन्न जिलों से आये वैश्य मोर्चा के केंद्रीय पदाधिकारी, जिला अध्यक्ष और प्रमुख सदस्य शामिल हुए. धरना कार्यक्रम में प्रस्ताव पारित कर घोषणा की गयी कि 8 अक्टूबर को कैबिनेट की बैठक में वैश्य मोर्चा की मांगों पर विचार नहीं किया गया तो आगामी विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ गठबंधन के खिलाफ अभियान चलाने पर विचार करेगी. कल 7 अक्टूबर को एक बार फिर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, महामहिम राज्यपाल सहित राज्य के मंत्रियों को मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा जायेगा. वैश्य मोर्चा का यह चेतावनी धरना कार्यक्रम ओबीसी को 27% आरक्षण देने, शून्य जिलों में आरक्षण की व्यवस्था लागू करने, जाति आधारित जनगणना, वैश्य आयोग का गठन, छोटे दुकानदारों की 10 लाख रुपये तक की ऋण माफी, वैश्यों की लूटी गयी जमीन वापसी, वैश्यों को झूठे केस में फंसाने, प्रताड़ित करने आदि मुद्दों को लेकर आयोजित किया गया था. इस कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु ने किया.

धरना को संबोधित करते हुए केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु ने कहा कि दर्जनों बार धरना-प्रदर्शन करके, और प्रतिनिधि मंडल मिल कर मांग-पत्र सौंपा गया है, लेकिन अफसोस की बात है कि अब तक वैश्य समाज को सभी सरकारों ने उपेक्षित करने, हाशिए पर डालने का काम किया है. श्री साहु ने कहा कि सत्तारूढ़ गठबंधन ने अपने चुनावी घोषणा पत्र में कहा था कि सत्ता में आने के बाद वे लागू करेंगे. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को 31 जुलाई को वैश्य मोर्चा का उच्च स्तरीय प्रतिनिधि मंडल ने ज्ञापन सौंप कर उन्हें अपने वायदे को याद भी दिलाया था. एक बार फिर आज इस धरना कार्यक्रम के माध्यम से वैश्य मोर्चा मांग करना चाहती है कि 8 अक्टूबर को होने वाली कैबिनेट की बैठक में हमारी मांगों पर विचार किया जाये. अन्यथा वैश्य मोर्चा आने वाले विधानसभा चुनाव में अपनी रणनीति बनाएगी और ठोस निर्णय लेगी.

इस चेतावनी महाधरना में समाजसेवी आदित्य विक्रम जायसवाल, वैश्य मोर्चा के कार्यकारी अध्यक्ष हीरानाथ साहु, वरीय उपाध्यक्ष मोहन साव, रामसेवक प्रसाद, सुरेश साहु, संजीव चौधरी, केंद्रीय उपाध्यक्ष सह हाइकोर्ट के अधिवक्ता योगेन्द्र प्रसाद, सहदेव चौधरी, परशुराम प्रसाद, उप प्रधान महासचिव उपेन्द्र प्रसाद, अशोक गुप्ता, केंद्रीय महासचिव कपिल प्रसाद साहु, केंद्रीय सचिव दिलीप प्रसाद, रामाशंकर राजन, संगठन महासचिव कृष्णा साहु, संगठन सचिव अनिल वैश्य, जगदीश साहु, मीडिया प्रभारी राहुल कुमार साहु, केंद्रीय सदस्य नरेश साहु, राजेन्द्र साहु, महावीर साहु, जिला अध्यक्ष रोहित कुमार साहु, युवा मोर्चा अध्यक्ष हलधर साहु, सचिव आदित्य पोद्दार, छात्र मोर्चा अध्यक्ष युवराज साहु, अविनाश कुमार, नीलू साहु आदि अनेकों सदस्य उपस्थित थे.

9 आइएएस इधर से उधर, राहुल कुमार सिन्हा बने निदेशक खान

रांची : राज्य सरकार ने नौ आइएएस अफसरों का तबादला के साथ पदस्थापन भी कर दिया है. रांची डीसी रहे राहुल कुमार सिन्हा को निदेश खान बनाया गया है. साथ ही जेएसएमडीसी के एमडी का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है. वहीं दक्षिणी छोटानागपुर के प्रमंडलीय आयुक्त के पद पर पदस्थापित अंजनी कुमार मिश्रा को अपने कार्यों के साथ विशेष सचिव, राजस्व के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त कर दिया गया है.

जानें कौन कहां गये

– सुमन कैथरीन किस्पोट्टा : विशेष सचिव, कार्मिक
– राहुल कुमार सिन्हा : निदेशक, खान, अप्र जेएसएमडीसी
– शशि प्रकाश झा : विशेष सचिव, राजस्व, निबंधन
– मृत्युंजय कुमार बरणवाल : सीईओ, झारखंड राज्य आजीविका संवर्धन अप्र मनरेगा आयुक्त
– शशि रंजन : राज्य परियोजना निदेशक, सर्व शिक्षा अभियान
– किरण कुमारी पासी : निदेशक, समाज कल्याण,
– आदित्य रंजन : निदेशक, पशुपालन
– गरिमा सिंह : संयुक्त सचिव, योजना एवं विकास विभाग
-प्रेरणा दीक्षित : प्रबंध निदेशक, जियाडा

दरभंगा में बीपीएससी शिक्षिका की फंदे से लटकी मिली लाशःसुसाइड नोट में मां को लिखा मैसेज

दरभंगा. दरभंगा में रविवार को कुशेश्वरस्थान पूर्वी प्रखंड के तिलकेश्वर थाना क्षेत्र के उत्क्रमित मध्य विद्यालय सुघराइन की सहायक शिक्षिका ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। शिक्षिका का शव कमरे में फांसी के फंदे से लटका हुआ मिला है। वहीं, मौके से सुसाइड नोट बरामद किया गया है। मृतका की पहचान गोपालगंज की बीपीएससी शिक्षिका निक्की कुमारी के रूप में की गई। वो सुघराइन गांव में ही रेंट पर रहती थी। हालांकि पंखे से लटकी हुई लाश देखने के बाद लोग अनुमान लगा रहे हैं कि दुपट्टा से बांधकर उसे लटकाया गया है। लोग आशंका जाहिर कर रहे हैं कि यह हत्या हो सकती है। निक्की कुमारी के कमरे से बरामद हुए सुसाइड नोट में लिखा है कि 'मैं अपनी मर्जी से जान दे रही हूं, मुझे माफ़ करना मां'। वहीं, मामले के संबंध में हेड मास्टर ओजेर आलम ने बताया कि शनिवार की शाम 7 बजे मेरी शिक्षिका निक्की की बात हुई थी। उसने बताया कि उसे छुट्टी चाहिए। इस पर हेड मास्टर ने अन्य शिक्षक के छुट्टी पर जाने की बात कही। उसके बाद शिक्षिका ने 9 अक्टूबर के बाद छुट्टी पर जाने की बात बताई थी। इस घटना को लेकर तिलकेश्वर थानाध्यक्ष अंकित चौधरी ने बताया कि सूचना मिली है घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद मौत का खुलासा किया जाएगा। जांच में ही पता चलेगा कि ये आत्म हत्या है या किस वजह से हत्या की गई है।

छत गिरने से एक बच्ची की मौत, 2 घायल

नालंदा. नालंदा जिले के बेन थाना क्षेत्र के सैदपुर गांव में रविवार को जर्जर मकान का छत गिरने से तीन बच्चे दब गए। इस हादसे में एक 6 वर्षीय बच्ची की मौत हो गई। जबकि दो अन्य बच्चे घायल हो गए हैं। घायल बच्चों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। घटना के संबंध में मृतक बच्ची के चाचा राकेश राम ने बताया कि गांव में एक 30-40 साल पुराना जर्जर मकान था। यह मकान काफी समय से खंडहर जैसा हो चुका था। रविवार को कुछ बच्चे इसी जर्जर मकान के पास खेल रहे थे। तभी अचानक मकान का छत गिर गया। जिस दौरान 6 वर्षीय दुर्गा कुमारी की मौत हो गई। मृतक बच्ची के परिजनों ने आरोप लगाया है कि उन्होंने कई बार मकान मालिक से इस जर्जर मकान को हटाने की मांग की थी, लेकिन कोई पहल नहीं हुई। उन्होंने कहा कि अगर समय रहते इस मकान को हटा दिया गया होता तो यह हादसा नहीं होता। वहीं, घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। बेन थानाध्यक्ष राजीव रंजन कुमार ने बताया कि आवेदन मिलने पर अग्रिम कार्यवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

ट्रक से लाया जा रहा 70 कार्टून विदेश शराब बरामद

मुजफ्फरपुर. मुजफ्फरपुर में ट्रक से लदे चावल की बोरी की बीच बड़ी मात्रा में विदेशी शराब को उत्पाद विभाग की टीम ने जब्त कर लिया है। शराब धंधेबाज पुलिस की नजरों से बचने के लिए ट्रक पर लदे चावल के बीच शराब छुपाकर यूपी से पारू थाना क्षेत्र के दामोदरपुर गांव में तस्करी कर रहा था। इस दौरान उत्पाद विभाग की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर रेड मार कर ट्रक सहित शराब को जब्त किया। शराब कारोबारी की गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी तेज कर दी गई है। जब्त शराब की अनुमानित कीमत 7 लाख रुपए आंकी जा रही है। टीम ने मध निषेध की धारा कांड दर्ज कर लिया है। उत्पाद अधीक्षक शेखर दुबे ने बताया कि रात में सूचना प्राप्त हुई की, जिले के पारू थाना क्षेत्र के दामोदरपुर गांव में ट्रक से शराब आने वाला है। उस शराब को विभिन्न क्षेत्रों में तस्कर करने वाला है। सूचना के सत्यापन के बाद एक टीम बनाया गया। इसके बाद मौके पर पहुंचकर छापेमारी की गई। इस टीम ने ट्रक पर लदे चावल के बीच 70 कार्टून विदेशी शराब पाया गया। शराब यूपी निर्मित थी। इसके बाद टीम ने कार्रवाई करते हुए ट्रक सहित शराब को जब्त कर लिया है। शराब धंधेबाज की तलाश जारी है।

संदिग्ध स्थिति में युवक का शव बरामद

मधुबनी. मधुबनी जिला के देवधा थाना क्षेत्र सिमराढी और गाढ़ा के बीच NH 227 ईंट भट्ठा के पास संदिग्ध स्थिति में एक युवक का शव मिला है। स्थानीय लोगों द्वारा शव देखने के बाद इसकी सूचना देवधा थाना पुलिस को दी गई। मौके पर दलबल के साथ पहुंची पुलिस शव को कब्जे में ले ली।घटनास्थल पर मौजूद लोगों से पूछताछ से मृतक युवक की पहचान देवधा थाना क्षेत्र के गाढ़ा गांव निवासी रामनारायण साह के 25 वर्षीय पुत्र रतन साह के रूप में हुई है। जिसके बाद इसकी सूचना परिजनों को दी गई। शव को पोस्टमार्टम के लिए मधुबनी सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस मामले को लेकर जांच पड़ताल कर रही है। मृतक के चाचा अशोक साह ने बताया कि मेरा भतीजा रतन शनिवार की रात 9 बजे बाइक लेकर घर से मेला देखने निकला था। रतन की मां मेला देखने जाने के लिए मना भी कर रही थी लेकिन वो नहीं माना। बोला एक-दो घन्टे में मेला घूम कर आ जायेंगे लेकिन रात में वह घर नहीं आया। उसकी मां को लगा कि कहीं मेला देख रहा है। सुबह में आ जायेगा। वहीं, सुबह में स्थानीय लोग घूमने गए तो देखा कि ईंट भट्ठे के पास रोड के बगल में एक शव रखा हुआ है। जिसके बाद हमलोगों को जानकारी मिली। हमलोग स्थानीय प्रशासन से मांग करते हैं कि घटना की जांच पड़ताल सही ढंग से हो। ताकि घटना का कारण का पता चल सके।

पटना में राइफल-शराब के साथ 6 युवक गिरफ्तार

पटना. पटना में पुलिस ने शराब के साथ 6 युवकों को गिरफ्तार किया है। पूरा मामला नदी थाना क्षेत्र के कच्ची दरगाह के आलमपुर स्थित एक घर का है, जहां पुलिस ने छापेमारी करते हुए 315 बोर का राइफल के साथ 92 बोतल शराब बरामद किया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए SDPO-1 निखिल कुमार ने बताया कि रविवार की अहले सुबह गुप्त सूचना मिली कि आलमपुर गांव निवासी वीरेंद्र नायक के पुत्र चंदन कुमार अपने कई साथियों के साथ मिलकर अवैध रूप से शराब का कारोबार कर रहा है। जानकारी मिलते ही पुलिस टीम का गठन कर नदी थाना अध्यक्ष राजू कुमार के नेतृत्व में चंदन कुमार के घर पर छापेमारी की गई। पुलिस को देखते ही कारोबारी शशि भूषण राय के पुत्र सत्य प्रकाश उर्फ सत्या भागने लगा। भागने के क्रम में वह छत पर से कूद गया। जिससे उसके पैर फ्रैक्चर हो गए। आनन-फानन में उसे पुलिस द्वारा फतुहा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे पटना एनएमसीएच के लिए रेफर कर दिया गया। उसके अन्य साथी आलमपुर गांव निवासी अर्जुन राय के तीन बेटे विपिन कुमार, अमन कुमार और रवि कुमार और वीरेंद्र राय और उसके बेटे चंदन कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया है। चंदन कुमार के घर से 315 बोर का एक अवैध राइफल, कार्टन से 750 एमएल की 92 बोतल बरामद की गई। इस संबंध में डीएसपी ने बताया कि मामले में सभी छह लोगों को जेल भेज दिया गया है। वहीं आगे की कार्रवाई की जा रही है।

13 साल की नाबालिग रेप के बाद प्रेग्नेंट,कुवैत भागा आरोपीःशादी का झांसा देकर 4 महीने तक दरिंदगी

पूर्णिया. पूर्णिया में 6 महीने पहले 13 साल की एक नाबालिग लड़की के साथ रेप का मामला सामने आया था। आरोपी ने न सिर्फ रेप किया बल्कि अपनी दरिंदगी पर पर्दा डालने के लिए पीड़िता को शादी का झांसा भी दिया। परिजनों का आरोप है कि शादी का झांसा देकर आरोपी 4 महीने तक नाबालिग के साथ दुष्कर्म करता रहा। जिसके बाद वह प्रेग्नेंट हो गई। दो महीने पहले जब आरोपी को पता चला कि पीड़िता 4 महीने की प्रेग्नेंट है तो उसने अबॉर्शन का दबाव बनाया। पीड़िता ने मना किया तो आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी दी। आरोपी का नाम मो. तौसिम (26) है। जानकारी के मुताबिक, एक हफ्ते पहले वह कुवैत भाग गया। उसके विदेश भागने के बाद दो बार पंचायत भी हुई। पंचायत ने परिवार को मो. तौसिम को विदेश से बुलाने का फरमान सुनाया, लेकिन वो नहीं लौटा। पीड़िता के परिवार का कहना है कि आरोपी के खिलाफ शिकायत लेकर पिछले 29 सितंबर से जलालगढ़ थाने के चक्कर काट रहे हैं, मगर मामला दर्ज नहीं किया जा रहा। जिसके बाद शनिवार को एसपी कार्तिकेय शर्मा को आवेदन सौंपा है। मामला जलालगढ़ थाना क्षेत्र का है। नाबालिग मो. तौसिम के घर बर्तन धोती थी। घर की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण नाबालिग को काम करना पड़ता था। जिसका आरोपी ने फायदा उठाया। पीड़िता की मां ने कहा, 'आर्थिक तंगी के कारण पिछले एक साल से मेरी बेटी पड़ोस के ही मो. तौसिम के घर चूल्हा-चौका और बर्तन धोने का काम कर रही थी। मो. तौसीम की बेटी पर गंदी नजर थी।

रोहतास में एक ही परिवार के 5 बच्चों की मौतःसोन नदी में नहाने गए थे 8 बच्चे

सासाराम (रोहतास). रोहतास में रविवार को बड़ा हादसा हुआ। सोन नदी में डूबने से 5 बच्चों की मौत हो गई। जबकि 2 बच्चों की तलाश की जा रही है। मरने वाले सभी बच्चे एक ही परिवार के थे। इनमें एक लड़की भी है। रविवार को 8 बच्चे नदी में नहाने गए थे। इस दौरान एक बच्चा डूबने लगा, उसे बचाने के दौरान 7 बच्चे डूब गए। वहीं आठवें बच्चे ने आकर घटना की जानकारी लोगों को दी। जिसके बाद लोगों ने उन्हें बचाने की कोशिश की। घटना कैमूर पहाड़ी क्षेत्र के सुदूर तुंबा गांव की है। बताया जा रहा है कि सभी बच्चे गोंड परिवार के थे, जो नहाने के लिए सोन नदी में गए थे। मौके पर एसडीएम सूर्य प्रताप सिंह और एसडीपीओ कैंप कर रहे है। एसडीआरएफ की टीम को बुलाया गया है। मृत बच्चों के चाचा पप्पू गोंड ने कहा कि 'सभी बच्चे नहाने गए थे। फिलहाल 6 बच्चों का शव मिला है। निधि कुमारी का शव नहीं मिला है। मृतकों में 4 लड़के और तीन लड़कियां शामिल है।' स्थानीय लोगों ने बताया कि 8 बच्चे नहाने गए थे। इसमें 7 लड़के और एक लड़की शामिल थी। 7 बच्चों के डूबने की जानकारी 8वें बच्चे ने सभी को दी। शोर मचाने के बाद गांव के लोग पहुंचे और सभी के शव को खोजने में लग गए। फिलहाल जिन 5 बच्चों का शव मिला है। उसमें एक लड़की और 4 लड़के शामिल है। दो लड़के लापता हैं। गोताखोर खोजने में लगे हुए है।

मेरी आंखों के सामने दादा-दादी ने मां को दिया जहरः भोजपुर में महिला की जहर खाने से मौत; बड़े पापा घर से बेदखल करना चाहते थे

आरा(भोजपुर). आरा में रविवार की दोपहर एक महिला को उसके ससुराल वालों ने जबरदस्ती जहर खिला दिया। इसके बाद उसकी हालत गंभीर हो गई। उसे इलाज के लिए शहर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसने दम तोड़ दिया। घटना नवादा थाना क्षेत्र के जगदेव नगर मोहल्ला गली नंबर 5 की है। मृतका की बेटी ईशिता कुमारी ने बताया कि उसके दादा-दादी, बड़े पापा-बड़ी मम्मी और बुआ अक्सर मां के साथ मारपीट करते थे। बराबर गाली-गलौज करते थे। शनिवार को उसकी मां डॉक्टर को दिखाने गई थी। इसको लेकर कल घर में झगड़ा भी हुआ था। रविवार की दोपहर उसके दादा-दादी, चाचा-चाची, बुआ ने उसके साथ फिर गाली-गलौज की। मारपीट भी किया गया। इसके बाद सभी ने मिलकर मेरी मां के मुंह पर जहर फेंक दिया और कहा कि तुम खा लो। नहीं खाओगी तो पीट-पीट कर मार देंगे। इसके बाद मेरी मां ने जहर खा लिया। इससे उनकी हालत काफी गंभीर हो गई। परिजन उन्हें इलाज के लिए पहले आरा सदर अस्पताल लाया गया। जहां से प्राथमिक इलाज करने के बाद उसकी हालत को चिंताजनक देखते हुए पटना रेफर कर दिया गया था। लेकिन परिजन उसे पटना न ले जाकर धरहरा स्थित निजी अस्पताल ले गए। जहां उसकी मौत हो गई।

महिला को 2 बेटी और 1 बेटा है

जानकारी के अनुसार मृतका मूल रूप से बक्सर के बगेन गोला थाना क्षेत्र के भदवर बरारी गांव निवासी चंदन सिंह की पत्नी सोनी देवी(27) है। महिला को 2 बेटा राज, दिव्यांशु और 1 बेटी ईशिता है। महिला की 2012 में भदवर बरारी गांव निवासी चंदन सिंह के साथ शादी हुई थी। 2012 से वह नवादा थाना क्षेत्र के जगदेव नगर मोहल्ला गली नंबर 5 में अपना मकान बनाकर रहती थी। मृतिका का पति आरा शहर में ही प्राइवेट गाड़ी चलाता है। घटना के बाद मृतका के घर में हाहाकार मच गया है। इस घटना के बाद मृतका के परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

मेरी आंखों के सामने मां को दिया जहर

बेटी ईशिता ने बताया कि उनके बड़े पापा-बड़ी मम्मी दादा-दादी को अपनी बातों में कर लिए थे। इसके बाद सभी लोग मिलकर हमलोगों को घर से निकाला चाहते थे। इसे लेकर मेरी मां को हमेशा प्रताड़ित किया जाता था। बराबर हम भाई-बहनों के साथ भी सौतेला व्यवहार किया जाता था। मेरे आंख के सामने ही मेरी मम्मी को जहर दे दिया गया है। कहा गया कि नहीं खाओगी तो पीट-पीटकर मार डालेंगे।

ससुराल वाले मौके से फरार

वहीं, महिला की मौत के बाद परिजन शव को आरा सदर अस्पताल लेकर आए। यहां से घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। सूचना पाकर स्थानीय थाना सदर अस्पताल पहुंची। शव का पोस्टमॉर्टम करवाया गया। महिला के ससुराल वाले मौके से फरार हैं। वहीं, नवादा थाना क्षेत्र के थानाध्यक्ष विपिन बिहारी ने बताया कि घटना की जानकारी मिली है। परिजनों ने अभी मामला दर्ज नहीं करवाया है। बहरहाल पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है। फिलहाल, मृतिका ने जहर क्यों खाया इसकी वजह सामने नहीं आई है, यह अभी पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। मृतिका की बेटी ईशिता कुमारी ने अपने दादा अशोक सिंह, दादी माधुरी देवी, चाचा रीना देवी और बुआ ज्योति सिंह पर बराबर मारपीट और गाली-गलौज करने और जहर देने का आरोप लगाया है।

दुर्गा पूजा को लेकर भागलपुर में निकाला गया फ्लैग मार्चःपूजा पंडालों का किया गया निरीक्षण

भागलपुर. भागलपुर में दुर्गा पूजा को देखते हुए पुलिस प्रशासन पूरी तरह से चौकस है। पुलिस के आलाधिकारियों द्वारा संवेदनशील इलाकों पर विशेष नजर रखी जा रही है। रविवार को DSP 2 राकेश कुमार, नाथनगर, मधुसुदनपुर, ललमठिया, हबीबपुर के थानेदार ने संयुक्त रूप से इलाके में फ्लैग मार्च किया। दुर्गा पूजा को सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाने को लेकर फ्लैग मार्च निकाल लोगों से शांतिपूर्ण माहौल में पर्व को मनाने की अपील की गई। DSP 2 के नेतृत्व में पुलिस बल के जवानों के साथ थाना क्षेत्र में फ्लैग मार्च कर पूजा पंडालों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान शांति सौहार्द के बीच त्योहार मनाने की अपील की गई। फ्लैग मार्च नाथनगर, ललमटिया, हबीबपुर, मधुसुदनपुर, बब्बरगंज, मुजाहिदपुर समेत पूरे थाना क्षेत्र के हर गली मोहल्लों का भ्रमण करते खत्म हुआ। इस दौरान सभी पूजा पंडालों का निरीक्षण भी किया गया। असामाजिक तत्वों और उपद्रवियों को सबक सिखाने की नीयत से निकाले गए फ्लैग मार्च में सशस्त्र जवान सड़क पर कतारबद्ध होकर चल रहे थे। बता दें कि दुर्गा पूजा को लेकर इलाके के असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर पुलिस की पैनी निगाह है। इसके लिए भारी संख्या में पुलिस बलों की ड्यूटी लगाई गई है। वहीं, इलाके में पुलिस गश्त बढ़ा दी गई है। वहीं, संवेदनशील स्थल वाले पूजा पंडालों में सीसीटीवी लगाए गए हैं। पूजा स्थलों के आसपास वाहनों के प्रवेश पर पाबंदी लगा दी गई है। DSP 2 राकेश कुमार ने बताया कि पूजा समिति और आम लोगों से भी अपील की गई है कि असामाजिक तत्वों पर निगाहे रखें। संवेदनशील इलाकों पर विशेष निगरानी की जाए। डीजे पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगी, जो नियम का उल्लंघन करेंगे उसके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। लोगों से अपील की जा रही है कि वह शांति सौहार्द के साथ दुर्गा पूजा मनाएं।

बोलेरो ने मंदिर जा रही महिला को रौंदा, मौतःमुंडेश्वरी धाम जा रहे थे कार सवार, रास्ते में गाड़ी अनियंत्रित होकर ट्रक से टकराई

बक्सर. बक्सर में रविवार सुबह एक बुजुर्ग महिला को बोलेरो ने रौंद दिया। महिला पूजा के लिए मंदिर पैदल जा रही थी। स्थानीय लोगों ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। दरअसल कार सवार सिमरी प्रखंड के नियाजीपुर गांव के निवासी झुना पाठक का परिवार मुंडेश्वरी धाम जा रहा था। इसी दौरान गाड़ी अनियंत्रित हो गई और महिला को कुचलते हुए ट्रक से टकरा गई। मृतका की पहचान चिल्हर गांव निवासी जनार्दन ओझा की 60 वर्षीय पत्नी के रूप में की गई है। घटना आद्यौगिक थाना क्षेत्र अंतर्गत फोरलेन पर अहरौली मोड़ के पास की है। हादसे में बोलेरो में सवार सभी श्रद्धालुओं को भी हल्की चोट लगी है, लेकिन सभी खतरे से बाहर हैं। प्रत्यक्षदर्शी ठेला दुकानदार भरत प्रसाद गुप्ता को भी भारी क्षति पहुंची है। उन्होंने बताया कि अनियंत्रित बोलेरो की चपेट में आने से मैं और मेरा बेटा दोनों बाल-बाल बच गए। पूरा व्यवसाय चौपट हो गया। आखों देखा हाल बताते हुए कहा कि बोलेरो डुमरांव की तरफ से काफी तेज रफ्तार में आ रही थी। अचानक एक ई-रिक्शा से पास लेने के क्रम में अनियंत्रित हो गई। जिसके बाद बोलेरो ने पूजा करने जा रही एक महिला को कुचला दिया।

पटना में लापता 4 साल के बच्चे का शव मिलाःचाचा बोले- हत्या हुई, आसपास के लोगों पर शक

पटना. पटना में रविवार सुबह 4 साल के बच्चे का शव नहर से बरामद किया गया। वो शनिवार सुबह से लापता था। परिवार ने हत्या की आशंका जताते हुए जांच की मांग की है। शव रामकृष्ण नगर के नजदीक पइन से बरामद हुआ है। मृतक की पहचान रामकृष्ण नगर निवासी स्व. रितेश कुमार के बेटेहेनरी कुमार (04) के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को जब्त कर पोस्टमॉर्टम के लिए एनएमसीएच भेज दिया है। जांच के लिए घटनास्थल पर FSL टीम को बुलाया गया है। बच्चे की लाश स्कूल यूनिफॉर्म में मिली है। वो शनिवार को अपने नए घर में खेल रहा था और अचानक लापता हो गया। जिस नहर से लाश मिली है, वो घर से 10 मीटर दूर है। चाचा ने कहा कि हेनरी का शव देखकर लगता है कि उसकी हत्या हुई है। मेरी किसी से दुश्मनी नहीं है, लेकिन आसपास के लोगों पर शक है। किसके मन में क्या चल रहा है, क्या पता।

दो दिन में नए घर का गृह प्रवेश होना था

शेखपुरा के बड़बीघा निवासी हेनरी के चाचा प्रभात कुमार पटना के एक प्राइवेट स्कूल में टीचर हैं। प्रभात कुमार के छोटे भाई रितेश कुमार की मौत हो चुकी है। रितेश की पत्नी और दो बच्चों का भरण-पोषण प्रभात कुमार ही करते हैं। फिलहाल प्रभात कुमार पटना के रामकृष्ण नगर थाना क्षेत्र के NTPCL कॉलोनी में एक किराए के मकान में रहते हैं। प्रभात कुमार ने बताया कि अपनी थोड़ी-सी जमीन खरीदकर उन्होंने रामकृष्ण नगर थाना के पिपरा गांव में एक मकान बनाया है, जिसका गृह प्रवेश मंगलवार 8 अक्टूबर को करना था। ऑटो वाले ने किया था कॉलः चाचा हेनरी के चाचा प्रभात कुमार ने कहा कि हेनरी के गायब होने के बाद एक ऑटो वाले फोन कर कहा कि रामकृष्ण नगर PNB बैंक के पास हेनरी है। परिजन वहां पहुंचे तो वहां कुछ नहीं मिला। ऑटो वाले ने फिर कॉल कर कहा कि यमुना बिहार के पास आपका बच्चा है। वहां गए लेकिन हेनरी नहीं मिला। इसके बाद हमने बच्चे के लापता होने की जानकारी पुलिस को दी। रात में पुलिस ने ऑटो ड्राइवर को पकड़ा भी था और फिर छोड़ दिया। इसके बाद जब सुबह हम लोग बच्चे को खोजने पहुंचे तो देखा कि बच्चे का शव नहर में उपलाता मिला। शनिवार की सुबह 10:00 बजे हेनरी अपनी दादी सविता देवी, चाची रेखा देवी के साथ अपने नए मकान में गया था। चाचा प्रभात कुमार ने बताया कि हेनरी नीचे कमरे में खेल रहा था। इस बीच उनकी पत्नी और मां पहले तल्ले पर कुछ काम करने चली गई। वापस लौटी तो देखा कि हेनरी वहां नहीं है। काफी खोजबीन के बाद भी हेनरी नहीं मिला तो इसकी सूचना रामकृष्ण नगर थाने को दी गई। वहीं रविवार की सुबह नए मकान के पास छोटी सी नहर से हेनरी का शव बरामद हुआ।

पूर्व मंत्री शाहिद अली खान की बेटी इकरा अली जेडीयू में शामिल, संजय झा ने दिलाई पार्टी सदस्यता

पटना। बिहार सरकार के पूर्व मंत्री शाहिद अली खान की बेटी इकरा अली खान ने नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू का दामन थाम लिया है। रविवार को जदयू प्रदेश कार्यालय में पार्टी के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय कुमार झा और प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा की मौजूदगी में उन्होंने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस मौके पर संजय झा ने कहा कि इकरा अली के आने से खासकर सीतामढ़ी के क्षेत्र में पार्टी को काफी मजबूती मिलेगी। इस मौके पर इकरा अली ने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में जेडीयू समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चली है। पूरे देश में महिलाओं के लिए सबसे ज्यादा काम जनता दल यूनाइटेड ने किया है। हमारी पार्टी के अध्यक्ष और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार को मजबूत और सुरक्षित बनाया है।

उन्होने कहा कि 20 साल पहले जब मैं अपने पिता के साथ इस पार्टी के दफ्तर में आई थी, और आज मेरे लिए ये बड़ा अवसर हैं, कि मैं इस पार्टी का हिस्सा बनने जा रही हूं। राजनीति में आना मेरे लिए अवसर नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी और संकल्प है। बिहार के विकास के लिए अब जेडीयू के साथ काम करना है। बिहार सरकार के पूर्व मंत्री शाहिद अली खान की बेटी इकरा अली खान ने नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू का दामन थाम लिया है। रविवार को जदयू प्रदेश कार्यालय में पार्टी के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय कुमार झा और प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा की मौजूदगी में उन्होंने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस मौके पर संजय झा ने कहा कि इकरा अली के आने से खासकर सीतामढ़ी के क्षेत्र में पार्टी को काफी मजबूती मिलेगी। इस मौके पर इकरा अली ने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में जेडीयू समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चली है। पूरे देश में महिलाओं के लिए सबसे ज्यादा काम जनता दल यूनाइटेड ने किया है। हमारी पार्टी के अध्यक्ष और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार को मजबूत और सुरक्षित बनाया है। उन्होने कहा कि 20 साल पहले जब मैं अपने पिता के साथ इस पार्टी के दफ्तर में आई थी, और आज मेरे लिए ये बड़ा अवसर हैं, कि मैं इस पार्टी का हिस्सा बनने जा रही हूं। राजनीति में आना मेरे लिए अवसर नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी और संकल्प है। बिहार के विकास के लिए अब जेडीयू के साथ काम करना है।

वाटर टैंक में दम घुटने से 1 की मौतःपूर्णिया में सफाई के लिए 2 साल से बंद टैंक में घुसे थे 5 मजदूर, 4 की हालत गंभीर

पूर्णिया. पूर्णिया में रविवार को बड़ा हादसा हो गया। वाटर टैंक में दम घुटने से एक मजदूर की मौत हो गई। 4 मजदूरों की हालत गंभीर है। टैंक 2 साल से बंद था। अंदर बारिश का गंदा पानी भरा हुआ था। जिसके कारण अंदर जहरीला गैस बना हुआ था। घर के वाटर टैंक की सफाई करने के लिए सभी मजदूर आए थे। अंदर जाते ही सभी की तबीयत बिगड़ गई। घर वालों और स्थानीय लोगों की सूझबूझ से वाटर टैंक में फंसे मजदूरों को बाहर निकाला गया। उन्हें पूर्णिया जीएमसीएच में एडमिट कराया गया। एक को निकालने में देरी हो गई। जिस वजह से उसकी मौत हो गई। मामला मुफस्सिल थाना क्षेत्र के दीवानगंज कदम टोली से जुड़ा है।

मजदूर बिना सेफ्टी के टैंक में गए थे मृतक की पहचान मुफस्सिल थाना क्षेत्र के दीवानगंज निवासी राजा महलदार (28) के रूप में हुई है। जबकि घायलों में मिट्ठू मंडल, भरत मंडल, छोटू मंडल और सुनील मंडल शामिल हैं। सभी दीवानगंज के ही रहने वाले हैं। सूचना मिलते ही मुफस्सिल थानाअध्यक्ष ब्रजेश कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस के मुताबिक मजदूर बगैर सेफ्टी के ही वाटर टैंक में चले गए थे। जहरीला गैस से हादसा हुआ। फिलहाल शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। मृतक के परिजन मंटू महलदार ने बताया कि मेरे घर पर आज वाटर टैंक की सफाई का काम होना था। इसी को लेकर बगल के गांव से 4 मजदूर वाटर टैंक की सफाई के लिए पहुंचे थे। मेरे रिश्तेदार राजा महलदार भी ये काम जानते थे। जिस वजह से वाटर टैंक की साफ-सफाई के दौरान वे भी पहुंचे थे। वाटर टैंक की शटरिंग खोलने में परेशानी हो रही थी। उन्होंने किसी तरह शटरिंग खोला। पहले मजदूर अंदर गए, वे जहरीले गैस से बेसुध हो गए। अंदर से कोई हलचल न होने पर राजा महलदार वाटर टैंक में उतरे। मगर वे भी अंदर ही रह गए। ये देख वहां खड़े बाकी के दो मजदूर भी टैंक में उतरे। जहरीले गैस से उनकी भी तबीयत बिगड़ने लगी। कुछ ही मिनट में घर वाले और आसपास के लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। बाहर से रस्सी फेंक किसी तरह 4 मजदूरों बाहर निकला। मगर राजा महलदार अंदर ही फंसे रह गए। जिस वजह से उनकी मौत हो गई। स्थानीय और परिजनों की मदद से सभी को जीएमसीएच पूर्णिया लाया गया। जहां राजा महलदार को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया, जबकि बाकी के 4 मजदूरों की हालत गंभीर बनी हुई है। मुफस्सिल थाना अध्यक्ष बृजेश कुमार ने बताया कि सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए जीएमसीएच पूर्णिया भेज दिया गया है।

रावण के सिर से पहली बार होगा कोल्ड फायरःबक्सर में इस साल सबसे अलग तरीके से होगा दहन

बक्सर. बक्सर जिले में शारदीय नवरात्री के साथ दशहरा में रावण वध को लेकर भी तैयारी चल रही है। बक्सर जिले में रावण का पुतला बनाने मिश्रवलिया निवासी जितेंद्र शर्मा अपने परिवार के साथ भयानक रावण और मेघनाद के पुतले को अंतिम रूप देने की तैयारी में जुटे हुए हैं। उन्होंने बताया कि इस बार का रावण हर साल से काफी अलग दिखेगा। किला मैदान में दहन होने वाले रावण और मेघनाथ की लंबाई 5 फीट कम होगी। इस बार जिला मुख्यालय के अलावा विभिन्न शहर और गांवों के रामलीला कमेटी द्वारा रावण बनाने का ऑर्डर एक महीने पहले से ही मिला हुआ है। जिसे किला मैदान के अलावा चुन्नी, अखौरीपुर गोला, चौसा, मिश्रवालिया में दहन किया जाएगा। रावण का पुतला बना रहे कारीगर जितेंद्र शर्मा ने बताया गया की हर साल से इस बार के रावण में काफी चेंजिंग किया गया है। ऐसा पहली बार होगा कि पहले रावण के 10 सिर और उसके मुकुट से कोल्ड फायर होगा। उसके बाद पटाखे की गूंज के साथ धूं-धूंकर रावण का पुतला जलने लगेगा। कोल्ड फायर यानी कि रावण के सिर और मुकुट से इलेक्ट्रिक शॉर्ट से आग का फवारा एक मिनट तक निकलेगा। वहीं, इस साल पुतले में कई तरीके का बदलाव भी किया गया है। इस साल रावण और मेघनाथ की हाइट पांच फीट कम बनाया जा रहा है। पुतले की ड्रेस की बात करें तो कई वर्षों से लगातार रावण का ड्रेस नीचे पाजामा और ऊपर घाघरा टाइप का कुर्ता हुआ करता था लेकिन इस बार रावण का पुतला धोती में होगा। इतना ही नहीं हमेशा रावण के हाथ मे तलवार होता था लेकिन इस बार का रावण तीर धनुष से किला मैदान में राम जी के साथ युद्ध करेगा। रावण-मेघनाथ के पुतले की लम्बाई को लेकर बताया गया कि किला मैदान में रावण दहन के लिए जो जगह बनाया गया हुआ है, वहां पुतला खड़ा करने में दिक्कत होता है। क्रेन नहीं मिलता है तो बड़ा पुतला सही से खड़ा नही हो पाता है।40 -45 फीट का रहेगा तो जल्दी खड़ा हो जायेगा और पुतला सही से सीधा भी रहता है। इसको बनाने में लगने वाली लागत को लेकर बताया कि सभी पुतले को तैयार करने में 40 से 50 हजार रुपए का खर्च आता है। रावण का पुतले बनाने में 20 हजार रुपए के आसपास का लागत लगता है। वहीं, बाकि पुतले तैयार करने में 5 से 8 हजार रुपए का ख़र्च आता है। जिसमें बक्सर के पुतला निर्माण में 26 बांस, दो किलो जुट के सूते, तीन किलो लोहे का तार, 15 किलो पेपर, दो किलो रंगीन पेपर, 90 मीटर कपडे और पेंट का प्रयोग किया गया है। पटाखा रामलीला कमेटी तय करेगी। लगभग सभी पुतले बनकर तैयार हैं। जिसे एक साथ भेजने के लिए चार ट्रैक्टर की जरूरत पड़ती है।

रावण बनाने का पेशा नहीं शौक है

जितेंद्र शर्मा ने बताया कि पुतला बनाने का पेशा नहीं है। इस काम के लिए साल में केवल एक महीने का समय देता हूं। बाकि समय मैं AC बनाने का काम करता हूं। पुतला बनाने के काम में मेरे बच्चे और पत्नी का मदद करते हैं। जिस दिन रावण खड़ा करना होता है, उस दिन आठ लोगों को अपने साथ रखता हूं। साथ काम करने वाले लोगों को एक हजार रुपए प्रति आदमी देता हूं। हालांकि इस साल पुतले बनाने में हर साल की अपेक्षा पांच हजार रुपए ज्यादा का खर्च आया है। मैं इस कार्य को पिछले 6 सालों से कर रहा हूं। पहले केवल अपने गांव के लिए रावण बनाने के काम करता था लेकिन धीरे-धीरे कई गांवों से ऑर्डर मिलने लगे। इस बार जिला मुख्यालय के अलावा 5 जगहों का ऑर्डर मिला हुआ है। जिसका अंतिम रूप देने में जुटे हुए हैं। निर्माण किए जाने वाले सभी पुतले दिल्ली मॉडल के हैं।

हिंडाल्को, जेएसडब्ल्यू स्टील झारखंड में तांबा खदान प्राप्त करने की दौड़ में शामिल

नई दिल्ली (ईएमएस)। आदित्य बिड़ला समूह की कंपनी हिंडाल्को इंडस्ट्रीज और सज्जन जिंदल की अगुवाई वाली जेएसडब्ल्यू स्टील झारखंड में दो तांबे की खदानों को हासिल करने की दौड़ में शामिल हो गई हैं। इन खानों को इसी महीने बिक्री के लिए रखा जाएगा। दोनों खदानों की कुल क्षमता सालाना 30 लाख टन की है। सूत्रों ने कहा कि हिंडाल्को इंडस्ट्रीज और जेएसडब्ल्यू स्टील झारखंड में सार्वजनिक क्षेत्र की हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड की दो तांबा खदानों के अधिग्रहण की दौड़ में हैं। दोनों खदानों की नीलामी अक्टूबर में ही होने की संभावना है। इनमें से एक ब्लॉक नया है, जबकि दूसरा पिछले 20 साल से बंद है। हिंदुस्तान कॉपर ने पहले राखा तांबा खान को फिर से खोलने और उसका विस्तार करने और चापरी में भूमिगत खदान के विकास और संचालन के लिए खान डेवलपर-सह-परिचालक (एमडीओ) की नियुक्ति के लिए आवेदन आमंत्रित किए थे। हिंदुस्तान कॉपर ने अपनी हालिया रिपोर्ट में कहा था कि राखा खनन पट्टा 2021 में समाप्त हो गया। खनन पट्टे के विस्तार का कार्य झारखंड सरकार के साथ प्रगति पर है, इसके अलावा खनन पट्टे के तहत शेष वन क्षेत्र पर चरण एक की वन मंजूरी देने के लिए आवेदन को परियोजना जांच समिति द्वारा स्वीकार कर लिया गया है। राज्य वन विभाग के विभिन्न अधिकारियों द्वारा स्थल का निरीक्षण पूरा हो चुका है। हिंदुस्तान कॉपर के एक वरिष्ठ अधिकारी ने हाल मे कहा था कि कंपनी खदान उत्पादन क्षमता को बढ़ाकर 1.22 करोड़ टन सालाना करने के लिए विस्तार परियोजनाओं को लागू कर रही है। इस कदम से तांबे के घरेलू उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा और आयात पर निर्भरता कम होगी।

'स्वच्छ भारत अभियान' के तहत अब व्यापक स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन पर रहेगा जोरः सचिव

स्वच्छ भारत अभियान की 10वीं वर्षगांठ के अवसर पर सरकार अब अपने प्रयासों का विस्तार करने की योजना बना रही है, जिसमें न केवल खुले में शौच को खत्म करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा, बल्कि अधिक व्यापक स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन रणनीतियों को भी केंद्र में रखा जाएगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। स्वच्छ भारत अभियान खुले में शौच को समाप्त करने, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में सुधार लाने तथा खुले में शौच से मुक्त गांव बनाने के लिए 2014 में सरकार द्वारा शुरू किया गया एक देशव्यापी अभियान है। जल शक्ति मंत्रालय के पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की सचिव विनी महाजन ने अभियान की भविष्य की रणनीति के बारे में पूछे जाने पर कहा कि अब इन प्रयासों का का विस्तार करने की योजना बनाई जा रही है। उन्होंने कहा, स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत देश को खुले में शौच से मुक्त करने के लिए हुई थी क्योंकि यह स्वीकार किया गया कि यह प्रथा एक बड़ा अभिशाप है जिसे हमें समाप्त करना होगा। हालांकि, इस लक्ष्य में प्रगति हुई है, लेकिन अभी भी उन परिवारों की पहचान करने की आवश्यकता है जिनके पास शौचालय नहीं हैं और यह सुनिश्चित करना है कि उन्हें शौचालय मिले। मौजूदा शौचालयों को चालू रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। महाजन ने विशिष्ट जरूरतों के अनुरूप कार्य करने के महत्व पर बल दिया, जैसे कि दिव्यांगों के लिए सुलभ शौचालय का निर्माण। उन्होंने इस संबंध में राज्य सरकारों के साथ जारी विचार-विमर्श को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, व्यवहार में बदलाव अभियान का एक महत्वपूर्ण घटक है। जब पूरी सरकार इन बिंदुओं पर जोर देने के लिए एक साथ काम करती है, तो हम महत्वपूर्ण बदलाव देखते हैं, जिसकी पुष्टि हमारे स्वतंत्र आकलन से होती है कि यह सतत तरीके से हो रहा है।

स्त्री-2 कोरियोग्राफर जानी मास्टर से नेशनल अवॉर्ड वापस लिया गयाःअसिस्टेंट ने यौन शोषण का आरोप लगाया था

नाबालिग असिस्टेंट से रेप के आरोपी जानी मास्टर से बेस्ट कोरियोग्राफर का नेशनल अवॉर्ड छीन लिया गया है। मिनिस्ट्री ऑफ इन्फॉर्मेशन एंड ब्रॉडकास्टिंग ने रविवार को इसकी जानकारी दी। जानी के खिलाफ उनकी असिस्टेंट रही लड़की ने 15 सितंबर को तेलंगाना के साइबराबाद रायदुर्गम पुलिस स्टेशन में FIR दर्ज करवाई थी। जानी मास्टर को साल 2022 में रिलीज हुई धनुष की फिल्म 'तिरुचित्रम्बालम' के गाने 'मेघम करुकथा' का डांस कोरियोग्राफ करने के लिए नेशनल अवॉर्ड दिया गया था। इस गाने को उन्होंने सतीश कृष्णन के साथ कोरियोग्राफ किया था। उन्होंने स्त्री-2 के गाने 'आई नहीं' और पुष्पा के गाने 'श्रीवल्ली' को भी कोरियाग्राफ किया है। जानी मास्टर के खिलाफ केस दर्ज कराने वाली लड़की का आरोप कि उन्होंने चेन्नई, मुंबई और हैदराबाद में अलग-अलग प्रोजेक्ट्स की शूटिंग के दौरान उसका यौन शोषण किया। साथ ही हैदराबाद स्थित अपने घर पर भी उसे कई बार एब्यूज किया। लड़की ने अपनी शिकायत में बताया कि साल 2017 में एक इवेंट में उसकी मुलाकात जानी मास्टर से हुई थी। दो साल बाद जानी ने उसे अपनी असिस्टेंट कोरियोग्राफर की जॉब ऑफर की, जो उसने मंजूर कर ली। इसके बाद मुंबई में हुए एक शो के दौरान जानी ने होटल में उसे सेक्शुअली हैरेस किया। लड़की का आरोप है कि इसके बाद जानी लगातार डरा-धमकाकर उसका शोषण करते रहे। वे उस पर लगातार शादी का दबाव बना रहे थे। इतना ही नहीं, वे एक बार उसे अपने घर भी ले गए जहां जानी और उनकी पत्नी (आयशा) ने उसके साथ मारपीट की।

उत्तर प्रदेश को एफडीआई लाने में करेगा मदद आईएफसी; कृषि, सोलर और इन्फ्रा क्षेत्रों का होगा विकास

अंतर्राष्ट्रीय वित्त निगम (आईएफसी) उत्तर प्रदेश में कृषि क्षेत्र, सौर ऊर्जा और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए आर्थिक सहयोग करेगी। इसके अलावा आईएफसी प्रत्यक्ष विदेशी निवेश लाने में भी मदद करेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश सरकार और अंतर्राष्ट्रीय वित्त निगम (आईएफसी) के बीच हुई बैठक में प्रदेश में बुनियादी ढांचे, सार्वजनिक-निजी भागीदारी और कृषि क्षेत्र में निवेश पर विस्तृत चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश के विकास की असीम सामर्थ्य व अनंत संभावनाओं पर विस्तृत विमर्श के साथ ही प्रदेश के समग्र विकास के लिए पारस्परिक सहयोग पर वार्ता की। इस मौके पर मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने कहा कि, आईएफसी के साथ सहभागिता से प्रदेश में एडी-टेक परियोजनाओं के जरिए किसानों की उत्पादकता बढ़ाने और उन्हें नई तकनीकों से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही प्रदेश सरकार द्वारा सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के किनारे विशाल सोलर पार्कों की स्थापना की जा रही है, जो पर्यावरण संरक्षण में भी सहायक होगी। इसके साथ ही, मौसम केंद्रों की स्थापना किसानों को सटीक मौसम जानकारी प्रदान करेगी, जिससे फसल सुरक्षा में मदद मिलेगी।

गोवा में आरएसएस नेता के बयान से विवादःक्रिश्चियन कम्युनिटी ने गिरफ्तारी की मांग की; राहुल बोले- भाजपा तनाव पैदा कर रही

पणजीः गोवा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के पूर्व राज्य यूनिट प्रमुख सुभाष वेलिंगकर के एक बयान के बाद विवाद बढ़ गया है। रविवार को क्रिश्चियन कम्युनिटी ने उनकी गिरफ्तारी की मांग करते हुए प्रदर्शन किया। वेलिंगकर ने तीन दिन पहले कहा था कि- कैथोलिक मिशनरी संत फ्रांसिस जेवियर के अवशेषों का डीएनए टेस्ट कराया जान चाहिए। उन्होंने कहा कि इस संत को "गोयंचो सायब" (गोवा का संरक्षक) नहीं कहा जा सकता।

इस मामले पर राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा गोवा में सांप्रदायिक तनाव पैदा कर रही है। एक पूर्व आरएसएस नेता ने ईसाइयों को उकसाने वाला बयान दिया है और संघ संगठनों ने मुसलमानों के आर्थिक बहिष्कार का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि पूरे देश में संघ परिवार की ऐसी कई कार्रवाई बिना किसी रोक-टोक के जारी हैं, जिन्हें ऊपर से समर्थन मिल रहा है। यहां भाजपा लोगों को बांटने की राजनीति कर रही है।

पुलिस ने पांच प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया

इस बयान को लेकर स्थानीय लोगों और कई पार्टियों के नेताओं ने ओल्ड गोवा में प्रदर्शन किया। इससे पहले शनिवार रात को कुछ प्रदर्शनकारियों ने मारगाओ में नेशनल हाइवे को ब्लॉक किया और पुलिस से भी झड़प की। पुलिस ने पांच लोगों को हिरासत में लिया था।

गोवा के आर्चडायोसिस ने वेलिंगकर के कमेंट की निंदा की

आर्चडायोसिस गोवा की सोशल वर्क विंग काउंसिल फॉर सोशल जस्टिस एंड पीस ने बयान जारी कर कहा कि गोवा की पूरी कैथोलिक कम्युनिटी वेलिंगकर के अपमानजनक और घटिया बयान की निंदा करती है। वेलिंगकर के बयान ने सिर्फ कैथोलिक समुदाय बल्कि उन लोगों की भावनाओं को भी ठेस पहुंचाई है, जो सेंट फ्रांसिस में श्रद्धा रखते हैं। संस्था ने प्रदर्शनकारी लोगों से अपील की कि वे शांति और सांप्रदायिक सौहार्द के लिए संयम बनाए रखें। साथ ही संस्था ने संबंधित अथॉरिटीज से वेलिंगकर के खिलाफ एक्शन लेने की मांग की।

अदालत ने वेलिंगकर को अंतरिम जमानत देने से इनकार किया

वेलिंगकर के बयानों को लेकर उनके खिलाफ धार्मिक भावनाएं आहत करने के 12 से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं। हालांकि, अब तक पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार नहीं किया है। शनिवार को उन्होंने एक स्थानीय अदालत में अग्रिम जमानत की याचिका दायर की, लेकिन अदालत ने उन्हें गिरफ्तारी से अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया। इस मामले की सुनवाई सोमवार को होगी।

2016 में वेलिंगकर को संघ से निकाला गया था

सुभाष वेलिंगकर को 2016 में आरएसएस से निकाला गया था। उन्होंने प्राथमिक शिक्षा में पढ़ाई को लेकर भाजपा की नीतियों के खिलाफ विरोध दर्ज कराया था। 2022 में भी वेलिंगकर ने कहा था कि सेंट फ्रांसिस जेवियर गोयंचो साहब नहीं हो सकते हैं। उस वक्त वेलिंगकर ने ये भी कहा था कि हम 'द गोवा फाइल्स' नाम से एक कैंपेन लॉन्च करेंगे और ये जागरूकता फैलाएंगे कि भगवान परशुराम गोवा के संरक्षक गोयंचो साहब हैं।

भागवत बोले- हिंदुओं को एकजुट रहना होगाःकहा- भारत हिंदू राष्ट्र, मतभेद को भुलाना होगा; मोदी भी कह चुके- बंटेंगे तो नुकसान होगा

बारांः राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने हिंदुओं से एकजुट होने का आह्वान किया। उन्होंने कहा- हिंदू समाज मतभेद और विवाद मिटाकर एक साथ आएं। संघ प्रमुख शनिवार शाम को राजस्थान के बारां में स्वयंसेवकों को संबोधित कर रहे थे। शनिवार को ही मोदी ने महाराष्ट्र में कहा था- हम बंटेंगे तो बांटने वाले महफिल सजाएंगे, जश्न मनाएंगे। अगस्त में यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा था- हम बंटेंगे तो कटेंगे। एक रहेंगे-नेक रहेंगे।

भागवत बोले- भाषा, जाति और प्रांत का भेद मिटाना जरूरी

भागवत ने कहा- हिंदू समाज को भाषा, जाति और प्रांत के मतभेद और विवाद मिटाकर अपनी सुरक्षा के लिए एकजुट होना होगा। समाज ऐसा हो जहां संगठन, सद्भावना और आत्मीयता का व्यवहार हो। समाज में आचरण का अनुशासन, राज्य के प्रति कर्तव्य और भाषा, जाति और क्षेत्रीय विवादों को खत्म करके अपनी सुरक्षा के लिए एकजुट होना चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा कि हिंदू हर किसी को अपना मानते हैं और सभी को गले लगाते हैं। इस दौरान आरएसएस प्रमुख ने 3 हजार 827 स्वयंसेवकों को संबोधित किया। आरएसएस का काम करने का तरीका विचार आधारित है। मोहन भागत ने स्वयंसेवकों से समुदायों के अंदर संपर्क बनाए रखने का आग्रह किया।

मोदी ने कहा था - हम बंटेंगे तो बांटने वाले महफिल सजाएंगे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार (5 अक्टूबर) को महाराष्ट्र के ठाणे में कहा था- कांग्रेस और उनके सहयोगियों का एक ही मिशन है- बांटो और सत्ता में रहो। वह जानती है उसका वोट बैंक एक रहेगा। हम बंटेंगे तो बांटने वाले महफिल सजाएंगे, जश्न मनाएंगे। कांग्रेस को अर्बन नक्सल गैंग चला रहे हैं। वह देश ध्येय निष्ठ होने का गुण आवश्यक है। मैं और मेरा परिवार मात्र से समाज नहीं बनता, बल्कि हमें समाज की सर्वांगीण चिंता से अपने जीवन में भगवान को प्राप्त करना है। विश्व में भारत की प्रतिष्ठा अपने देश के सबल होने से है। सबल राष्ट्र के प्रवासियों की सुरक्षा भी तब ही होती है, जब उनका राष्ट्र सबल है। वरना निर्बल राष्ट्र के प्रवासियों को देश छोड़ने के आदेश दे दिए जाते हैं। भारत का बड़ा होना प्रत्येक नागरिक के लिए भी उतना ही आवश्यक है।

मोहन भागवत ने कहा कि भारत एक हिंदू राष्ट्र है। हिंदू समाज को विरोधियों के साथ खड़ी है।'

आगरा में यूपी सीएम योगी बोले थे- बंटेंगे तो कटेंगे

यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने 26 अगस्त को आगरा में कहा था- राष्ट्र से बढ़कर कुछ नहीं। राष्ट्र तभी सशक्त होगा, जब हम एक होंगे। बांग्लादेश में देख रहे हैं न, वो गलतियां यहां नहीं होनी चाहिए...बटेंगे तो कटेंगे। एक रहेंगे-नेक रहेंगे। सुरक्षित रहेंगे और समृद्धि की पराकाष्ठा तक पहुंचेंगे। उन्होंने कहा कि समाज को सशक्त बनाकर समुदाय की कमियों को दूर करने की कोशिश की जानी चाहिए। भागवत ने कहा हमारा ध्यान न्याय, स्वास्थ्य, शिक्षा, और आत्मनिर्भरता पर होना चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा कि स्वयंसेवकों को हमेशा सक्रिय रहना चाहिए और परिवारों में सद्भाव, पर्यावरण जागरूकता, स्वदेशी मूल्यों और नागरिकों की चेतना को बढ़ावा देना चाहिए, जो एक समाज के लिए बुनियादी चीजे हैं।

कांग्रेस ने आठ रेलवे सेवाओं के विलय का फैसला 'वापस' लेने के लिए की सरकार आलोचना

कांग्रेस ने आठ रेलवे सेवाओं का विलय कर एक नई सेवा बनाने का फैसला कथित तौर पर वापस लेने पर रविवार को केंद्र सरकार की आलोचना की और आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहले घोषणा करो, फिर सोचो की मानसिकता देश की संस्थाओं के लिए खतरा बनी हुई है। फैसला वापस लेने के कथित कदम पर सरकार की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक मीडिया रिपोर्ट का हवाला दिया, जिसमें दावा किया गया था कि आठ सेवाओं को एक ही सिविल सेवा में विलय करने के लगभग पांच साल बाद, रेल मंत्रालय ने अब फैसला किया है कि भर्ती दो अलग-अलग परीक्षाओं – गैर-तकनीकी पदों के लिए सिविल सेवा परीक्षा (सीएसई) और तकनीकी पदों के लिए इंजीनियरिंग सेवा परीक्षा (ईएसई) – के माध्यम से की जाएंगी।

रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, असल में यह रेलवे में सुधार का नहीं बल्कि रेलवे को बिगाड़ने का मामला था। उन्होंने कहा, पांच साल पहले प्रधानमंत्री की सरकार ने आठ रेलवे सेवाओं को भारतीय रेलवे प्रबंधन सेवा (आईआरएमएस) में विलय कर दिया और इंजीनियरिंग सेवा परीक्षा के माध्यम से भर्ती बंद कर दी। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि पांच अक्टूबर 2024 को सरकार ने अपना यह फैसला वापस ले लिया और अब दो अलग-अलग परीक्षाओं – एक सिविल सेवा और दूसरी इंजीनियरिंग सेवाओं के लिए – के माध्यम से भर्ती जारी रखेगी।

रमेश ने कहा, फैसला वापस लेना इस चिंता से प्रेरित था कि सेवा में आने वाले बहुत से अधिकारी सामान्य कौशल (पृष्ठभूमि) से थे और उनमें आवश्यक तकनीकी और इंजीनियरिंग कौशल की कमी थी।

कांग्रेस-एनसी अलायंस में आने को तैयार पीडपीः फारूक बोले- जम्मू-कश्मीर के एग्जिट पोल्स में इसी गठबंधन की सरकार

श्रीनगरः जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के एग्जिट पोल जारी होने के बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रेसिडेंट फारूक अब्दुल्ला ने खुशी जताई है कि एनसी और कांग्रेस मिलकर सरकार बनाते दिख रहे हैं। उन्होंने कहा कि पीडपी हमसे जुड़ने के लिए तैयार है, ये बेहद अच्छी बात है। दरअसल, एग्जिट पोल सामने आने के बाद पीडपी नेता जुहैब यूसुफ मीर ने बयान दिया कि भाजपा को सत्ता से बाहर रखने के लिए वे नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस के साथ गठबंधन करने को तैयार हैं। पीडपी नेता के इस बयान को लेकर फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि उन्हें बधाई हो। उनकी सोच अच्छी है, हम सभी एक राह पर हैं। नफरत को हमें खत्म करना है और जम्मू-कश्मीर को इकट्ठा रखना है।

शनिवार को जारी हुए एग्जिट पोल्स में एनसी-कांग्रेस की सरकार बनती नजर आ रही है। 10 पोल में से 5 नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस गठबंधन की सरकार बना रहे हैं, जबकि 5 में वह बहुमत से 10 से 15 सीटें दूर दिख रही है। पार्टी को 40 सीटें

मिलने का अनुमान है। भाजपा 30 सीटें ला सकती है। पीडपी और अन्य की 10-10 सीटें आएंगी।

एग्जिट पोल पर फारूक बोले थे- 8 अक्टूबर को नतीजे सामने आ जाएंगे

फारूक अब्दुल्ला ने शनिवार को एग्जिट पोल पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया था। उन्होंने कहा था कि 8 अक्टूबर को सारे नतीजे आपके सामने होंगे, बक्से खुलेंगे और हमें पता चल जाएगा कि कौन कहां खड़ा है, लेकिन मैं इतना जरूर जानता हूं कि कांग्रेस-एनसी गठबंधन बहुमत से सरकार बनाएगा।

लाल चौक विधानसभा सीट से पीडीपी उम्मीदवार जुहैब यूसुफ मीर ने शनिवार को कहा था कि हमारी नजर में एग्जिट पोल का कोई मतलब नहीं है, ये सिर्फ टाइम पास चीज है, लेकिन हम जानते हैं कि हमारी पार्टी जम्मू-कश्मीर में बनने वाली सेक्युलर सरकार का अहम हिस्सा बनेगी। हमने पहले भी कहा था कि कश्मीर की पहचान बचाने के लिए हम कोई भी कदम उठाने को तैयार हैं। ये बेहद जरूरी है कि हम एक सेक्युलर सरकार बनाएं जो भाजपा के खिलाफ हो, उसके साथ नहीं।

जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडपी चीफ महबूबा मुफ्ती ने 24 अगस्त को पार्टी का घोषणा पत्र जारी किया था। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस से समर्थन के सवाल पर कहा- दोनों पार्टियों के बीच गठबंधन सीट बंटवारे पर हो रहा है, न कि एजेंडे पर। अगर दोनों दल हमारी पार्टी का एजेंडा मानेंगे तो हम गठबंधन को तैयार हैं। हमारा सिर्फ एक ही एजेंडा है- जम्मू-कश्मीर की समस्या का समाधान।

कोलकाता में कॉलेज प्रशासन ने 10 डॉक्टरों को किया निष्कासित

कोलकाता,(ईएमएस)। पश्चिम बंगाल के आरजी कर मेडिकल कॉलेज के ट्रेनी डॉक्टर से रेप व हत्या मामले में फंसे विवादित प्रिंसिपल संदीप घोष के खिलाफ चल रही सीबीआई जांच के चलते कॉलेज प्रशासन ने एक अधिसूचना जारी कर दस डॉक्टरों को निष्कासित करने का फैसला लिया है। निष्कासित डॉक्टरों में इंटर्न, हाउस स्टाफ और सीनियर रेजिडेंट शामिल हैं, जो सभी संदीप घोष के करीबी माने जाते हैं।

सीबीआई संदीप के खिलाफ दो मामलों की जांच कर रही है। एक जूनियर डॉक्टर के रेप और हत्या मामले और दूसरा गंभीर वित्तीय अनियमितताओं का मामले की। इन दस निष्कासित डॉक्टरों में से एक हाउस स्टाफ आशीष पांडे है, जिसे वित्तीय अनियमितताओं के आरोप में सीबीआई ने हिरासत में लिया है। निष्कासित डॉक्टरों की सूची में आयुषी थापा एकमात्र महिला डॉक्टर हैं, जबकि सौरव पाल, अभिषेक सेन, निरजन बागची, सारिफ हसन, नीलाग्नि देबनाथ, अमरेंद्र सिंह, सतपाल सिंह और तनवीर अहमद काजी शामिल हैं। अधिसूचना में आरोप लगाया गया है कि इन डॉक्टरों ने जूनियर छात्रों को परीक्षा में फेल करने, छात्रावास से निकालने की धमकी दी थी। यौन उत्पीड़न और शारीरिक हिंसा की घटनाओं में संलिप्तता दिखाई और कुछ छात्रों को विशेष राजनीतिक दल में शामिल होने के लिए मजबूर किया।

केजरीवाल ने कहाः हिम्मत है तो मोदी नवंबर में दिल्ली चुनाव कराएं

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चुनौती दी है। उन्होंने कहा कि हिम्मत है तो नवंबर में महाराष्ट्र और झारखंड के साथ दिल्ली में भी विधानसभा चुनाव करके दिखाएं। हम चुनाव लडने के लिए तैयार है। नहीं तो मान लें कि वे हार गए, डर गए। केजरीवाल ने कहा कि अगर प्रधानमंत्री दिल्ली चुनाव से पहले एनडीए शासित 22 राज्यों में मुफ्त बिजली देने की घोषणा करेंगे तो मैं भाजपा के लिए प्रचार करूंगा। केजरीवाल ने दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम में जनता की अदालत कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ये बातें कहीं।

केजरीवाल ने कहा कि मैंने कल टीवी पर एग्जिट पोल देखा। हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में भाजपा की डबल इंजन सरकारें खत्म हो रही हैं। पहला इंजन जून में फेल हुआ था, जब उन्हें 240 सीटें मिलीं। झारखंड और महाराष्ट्र में भी यही होगा। तब दूसरा इंजन भी फेल हो जाएगा। डबल इंजन सरकार का मतलब महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार है। दिल्ली में चुनाव आने वाले हैं। दिल्ली में आकर ये (भाजपा) कहेंगे कि डबल इंजन सरकार बना लो। आप तब पूछना कि 10 साल हरियाणा में डबल इंजन सरकार रही। उन्होंने ऐसा क्या किया है कि लोग उनके नेताओं को अपने गांवों में नहीं जाने दे रहे हैं। केजरीवाल ने कहा कि यूपी में पिछले 7 साल से डबल इंजन की सरकार है। लोकसभा चुनाव में उनकी सीटें आधी हो गईं। मणिपुर में भी 7 साल से डबल इंजन की सरकार है। मणिपुर दो साल से जल रहा है।

दिल्ली को एलजी राज से मुक्त कराएंगे

केजरीवाल ने कहा कि भाजपा गरीब विरोधी है। उन्होंने दिल्ली में बस मार्शलों, डेटा एंट्री ऑपरेटरों को हटा दिया। होम गार्डों का वेतन रोक दिया। दिल्ली में लोकतंत्र नहीं है, एलजी राज है। हम दिल्ली को एलजी राज से मुक्त कराएंगे और पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाएंगे। पूर्व सीएम ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने दिल्ली को 6 रेवड़ियां दीं- बिजली, पानी, महिलाओं के लिए बस यात्रा, बुजुर्गों को तीर्थयात्रा, स्वास्थ्य और शिक्षा।

महाकुंभ-2025: गंगा-यमुना में उद्योग नहीं फैला सकेंगे कचरा, लागू होगा जीरो डिस्चार्ज; सीएम योगी ने दिए कई और निर्देश

अगले साल जनवरी से शुरू हो रहे महाकुंभ के दौरान उत्तर प्रदेश में बिजनौर से लेकर बलिया प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों को अपना अपशिष्ट नदी में प्रवाहित नहीं करने दिया जाएगा। कुंभ मेले के लिए हो रही सभी तैयारियों को 10 दिसंबर तक पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। इस दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रयागराज में 7000 शटल बस सेवा शुरू की जाएगी। रविवार को तैयारियों का जायजा लेने प्रयागराज पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि महाकुंभ में गंगा-यमुना अविरल और निर्मल होंगी और इसके लिए बिजनौर से बलिया तक जीरो डिस्चार्ज लागू किया जाएगा।

महाकुंभ-2025 की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक के दौरान योगी मेले के प्रतीक चिह्न, वेबसाइट और मोबाइल ऐप का लोकार्पण भी किया।

मुख्यमंत्री ने महाकुंभ से जुड़ी तैयारियों के लिए डेडलाइन तय करते हुए निर्देश दिया कि 10 दिसंबर तक सारे काम पूरे कर लिए जाएं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वर्ष 2019 में कुंभ का सफल आयोजन कर यूपी ने मानक स्थापित किया है, इसलिए इस बार अपेक्षाएं और अधिक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2019 में मेला क्षेत्र 3200 हेक्टेयर में फैला था जबकि इस बार 4000 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल में इसका विस्तार होगा।

सीएम योगी ने निर्देश दिया कि महाकुंभ को देखते हुए 7000 से अधिक बसें लगाई जाएंगी। यहां डेढ़ लाख से अधिक शौचालय स्थापित किए जाएंगे। स्वच्छता पर जोर देते हुए उन्होंने ने निर्देश दिया कि 10 हजार कर्मचारियों की तैनाती कर यहां की सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखा जाए। अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि स्टील ब्रिज दिसंबर के पहले सप्ताह तक तैयार कर लें। यह कानपुर, लखनऊ, बाराबंकी और अयोध्या से प्रयागराज तक के आगमन को सुलभ बनाएगा।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि एयरपोर्ट से मेला क्षेत्र तक वीवीआईपी कॉरिडोर बनाएं, लेकिन विशेष स्नान पर्वों पर कोई वीआईपी मूवमेंट न हो। सुरक्षा के नजरिए से मेला क्षेत्र में तीन पुलिस लाइन, तीन महिला थाना और 10 पुलिस चौकी स्थापित करें। सुरक्षा के लिहाज से मुख्यमंत्री योगी का क्राउड मैनेजमेंट, फायर सर्विस, हेल्प डेस्क, पार्किंग, सीसीटीवी पर जोर रहा।

उन्होंने कहा कि यहां एंटी ड्रोन सिस्टम भी लगेगा। सिक्योरिटी मॉडल एआई टूल से तैयार किए जाएं। उन्होंने प्रयागराज में होम स्टे की संभावना को प्रोत्साहित करने पर जोर देते हुए कहा कि इस योजना से स्थानीय लोगों को रोजगार से जोड़ा जाए। इससे उनकी अतिरिक्त आय भी होगी।

मुख्यमंत्री योगी ने निर्देश दिया कि सुरक्षा के लिए नए जीआरपी थानों की आवश्यकता है। चौकसी बढ़ाने के लिए रेलवे-यूपी पुलिस के बीच बेहतर समन्वय स्थापित हो। सुरक्षा की दृष्टि से किराएदारों, रेस्टोरेंट कर्मियों और ई-रिक्शा चालकों के वेरिफिकेशन भी करा लिए जाएं।

सम्पादकीय

कोयलांचल संवाद 6

रांची, सोमवार, 07 अक्टूबर, 2024

www.koylanchalsamvad.com

शाकाहार महंगा और मांसाहार सस्ता

देश में महंगाई किसी कीमत पर रुकने का नाम नहीं ले रही है। यह लगातार तेज रफ्तार में बढ़ती ही जा रही है। इस महंगाई का सबसे ज्यादा असर गरीबों और शाकाहारी मध्यम वर्ग पर देखने को मिल रहा है। हालात यह हैं कि निम्न वर्ग कुपोषण का शिकार होता चला जा रहा है वही मध्यम वर्ग को अब पोषण आहार नहीं मिल पा रहा है। दूध, सब्जी, दाल, तेल और अन्य दैनिक उपयोग में आने वाली शाकाहारी खाद्य सामग्री दिनों-दिन महंगी होती जा रही है। एक तरफ महंगाई सातवें आसमान पर पहुंचने को तैयार है लेकिन जनता चुप है। इसे देख ऐसा प्रतीत होता है कि आमजन किसी जादूई छड़ी के इंतजार में है, जिसके मिलते ही महंगाई गायब हो जाएगी। सरकारें भी इस पर कुछ कहने को तैयार नहीं हैं। हद है कि बिजली के दाम बढ़ गए। दूध के दाम बढ़ गए। स्कूलों की फीस बढ़ गई। खाद्य पदार्थों के निरंतर दाम बढ़ ही रहे हैं। यह तो सभी मानते हैं कि एक बार जो दाम बढ़ गए फिर वह कभी नीचे नहीं आते हैं। साल 2014 में जब कच्चा तेल अंतरराष्ट्रीय बाजार में 104 डालर प्रति बैरल पर पहुंच गया था तब देश में पेट्रोल 70 रूपये प्रति लीटर मिल रहा था। 450 रुपए की रसोई गैस सिलेंडर मिल रहे थे। तब सभी लोगों को महंगाई बढ़ी हुई लग रही थी। देशभर में महंगाई के खिलाफ आंदोलन हो रहे थे। आज जबकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल का दाम 70 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया है, तब भी 100 से 110 रुपए प्रति लीटर पेट्रोल बिक रहा है। आमजन के मन में तो सवाल यही है कि आखिर अंतर्राष्ट्रीय बाजार में जब तेल के दाम घट गए तो फिर देश में क्यों नहीं घट रहे हैं? वर्तमान में भारत में पेट्रोल और डीजल के दाम साल 2014 जैसे ही हो जाते तो गनीमत थी, लेकिन इस पर कोई कुछ कहता नजर नहीं आ रहा है। इसके विपरीत गरीब, मजदूर, मध्यम वर्ग से लेकर अमीर सभी को पेट्रोल-डीजल एक ही बढ़े हुए रेट में ही खरीदना पड़ रहा है। यही नहीं जो दूध 35 रूपये प्रति लीटर मिल रहा था, वह 65 और 70 रूपये के आस-पास पहुंच गया है। खाने का तेल 200 रूपये लीटर के आसपास हो गया है कोई भी सब्जी 50-60 रुपए प्रति किलो से कम नहीं मिलती है। दालों के रेट बेतहाशा बढ गए हैं, जिसके कारण अब दो टाइम का खाना भी निम्न और मध्यम वर्ग को जुटा पाना मुश्किल हो रहा है।

हाल ही में जो सर्वे सामने आया है उसमें बताया गया है कि भारत में शाकाहार की थाली मांसाहार से महंगी हो गई है। सारी दुनिया में सबसे ज्यादा कीमत पर मांसाहार ही बिकता है, लेकिन भारत में यह उलटी गंगा बहाने जैसी स्थिति हो गई है। वह भी तब जबकि कथित तौर पर भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने के लिए बड़े-बड़े समाजिक व धार्मिक संगठन काम कर रहे हैं। सरकार भी उन्हें कथित सहयोग कर रही है। इसके बाद भी खाद्य पदार्थ विशेष रूप से शाकाहारी खाद्य पदार्थ दिनों दिन बड़ी तेजी के साथ महंगे होते चले जा रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक सितंबर 2024 में भारत में शाकाहारी थाली की कीमत सालाना आधार पर 11फीसदी बढ़कर 31.3 रुपए हो गई है, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह कीमत 28.1 रुपए थी। वहीं, मांसाहारी थाली की कीमत में सालाना आधार पर 2 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। सितंबर 2024 में मांसाहारी थाली की कीमत घटकर 59.3 रुपए हो गई, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 60.7 रुपए थी। सरकार के सामने जब तक आम जनता अपनी लड़ाई स्वयं नहीं लड़ेगी तब तक उसे महंगाई और अराजकता से निजात नहीं मिलने वाली है। केंद्र एवं राज्यों में जो सत्ता पर बैठे हुए राजनेता हैं उनका मानना है कि बच्चा जब रोता है तभी मां दूध पिलाती है। आम जनता को यदि कोई तकलीफ होगी तो वह सड़कों पर उतरकर सामने आएगी। वर्तमान में केंद्र और राज्य सरकारों के समक्ष महंगाई और बेरोजगारी कोई मुद्दा नहीं है। सरकार आए दिन टैक्स और अन्य शुल्क बढ़ा रही है। जनता उसको चुप-चाप चुका रही है। इसका मतलब है कि जनता स्वयं चाहती है कि उसका स्टेटस सिंबल बढ़े, यदि वह महंगे खाद्य पदार्थ खाता है तो उसका स्टेटस भी बढ़ता है। सरकार ने आम जनता के स्टेटस को बढ़ाने के लिए यह सारे प्रयास किए हैं। यह अलग बात है कि मांसाहारी थाली सस्ती हो गई है और शाकाहारी थाली महंगी हो गई है। शाकाहारी थाली महंगी होने के कारण ही शाकाहारियों का स्टेटस लगातार बढ़ता चला जा रहा है।

हरियाणा में बैकफुट पर बीजेपी !

हरियाणा में चुनाव प्रचार थम गया है। आखिरी दो दिन नरेंद्र मोदी और अमित शाह के चुनाव प्रचार में नहीं जाने को लेकर ढेर सारे सवाल खड़े हो रहे हैं। जबकि दूसरी तरफ राहुल गांधी ने अपनी बहन प्रियंका गांधी के साथ अंतिम चार दिन हरियाणा में ही डेरा जमाए रखा। लोग पूछ रहे हैं कि क्या भारतीय जनता पार्टी डेरा सच्चा सौदा के प्रमुख और बलात्कार एवं हत्या के केस में सजायाफ्ता राम रहीम को पैरोल पर रिहा करवाकर चुनाव जीतना चाहती है? आखिर जो भाजपा राम के भरोसे चुनाव नहीं जीत सकी, वह राम रहीम के भरोसे कैसे चुनाव जीत सकती है? वस्तुतः राहुल गांधी ने हरियाणा कांग्रेस के चुनाव प्रचार को अपने हाथ में लेकर भाजपा और खासकर नरेंद्र मोदी को बैकफुट पर जाने के लिए मजबूर कर दिया है। भाजपा के पिछले दस साल के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है कि नरेंद्र मोदी चुनाव के आखिरी दो दिन प्रचार करने के लिए नहीं गए। नरेंद्र मोदी चुनावी प्रचार के लिए खासे मशहूर हैं। लोकसभा और विधानसभा तो क्या, नगरपालिका के चुनाव में भी वह प्रचार करने में संकोच नहीं करते हैं। जब तक चुनाव प्रचार चलता है, वे कतई प्रधानमंत्री नहीं लगते, बल्कि नितांत भाजपा के नेता और आरएसएस के खांटी प्रचारक सरीखा व्यवहार करते हैं। लेकिन हरियाणा चुनाव में उन्होंने चुनाव प्रचार की अंतिम तारीख से दो दिन पहले ही मैदान छोड़ दिया। जो नरेंद्र मोदी अंतिम कोशिश तक चुनाव जीतने के लिए लड़ते रहे हैं, वे हरियाणा का कुरुक्षेत्र छोड़कर अन्यत्र व्यस्त हैं। यह भी अपने आप में अनूठा उदाहरण है। अब सवाल यह है कि मोदी और शाह द्वारा बनाई गई दूरी के कारण और इसके मायने क्या हैं? क्या मोदी और शाह ने हरियाणा में हार को देखते हुए आत्मसमर्पण कर दिया है? दरअसल, भाजपा के पास हरियाणा में ना तो कोई चेहरा है और ना ही एजेंडा। मनोहर लाल खट्टर हों या नायब सिंह सैनी, कोई भी जीत की गारंटी नहीं है। बीजेपी के सबसे बड़े ब्रांड नरेंद्र मोदी भी अब जीत की गारंटी नहीं रहे हैं। कांग्रेस का किसान, जवान, पहलवान के साथ भारतीय संविधान का एजेंडा इतना भारी हो गया है कि नरेंद्र मोदी का हिंदुत्व कार्ड फीका पड़ गया। इसीलिए नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने हरियाणा का मैदान छोड़कर दिल्ली दरबार में रहना मुनासिब समझा। एक सवाल यह भी है कि राहुल गांधी चुनाव प्रचार के आखिरी चार दिन हरियाणा में ही क्यों जमे रहे। दरअसल, हरियाणा कांग्रेस में अंतर-विरोध की खबरें आ रही थीं। भूपेंद्र सिंह हुड्डा के खिलाफ कुमारी शैलजा की नाराजगी की चर्चा के कारण हरियाणा में 20.17 प्रतिशत दलित मतदाताओं को भ्रमित करने की कोशिश बीजेपी कर रही थी। जबकि लोकसभा चुनाव में दलितों के वोटों के कारण ही कांग्रेस पार्टी भारतीय जनता पार्टी को पांच सीटें हराने में कामयाब रही। इसके पीछे संविधान बचाने की राहुल गांधी की मुहिम थी। फिलहाल, राहुल गांधी ने इस बात को महसूस कर लिया है कि हरियाणा में स्थानीय क्षत्रपों के बीच मनमुटाव और तनाव की खबरें कांग्रेस को नुकसान पहुंचा सकती हैं। इसलिए राहुल गांधी ने आखिरी चार दिन विजय संकल्प रैली में लगाए। प्रियंका गांधी उनके साथ रहीं। इसका सबसे बड़ा फायदा कांग्रेस पार्टी को यह हुआ कि चेहरों की लड़ाई राहुल गांधी के आने से खत्म हो गई। पिछले दो साल में राहुल गांधी ने अटूट परिश्रम, निष्ठा और निर्भय नैतिकता से जन सामान्य में जो विश्वसनीयता हासिल की है, इसका सीधा फायदा हरियाणा चुनाव में कांग्रेस को मिलता हुआ दिख रहा है। राहुल गांधी ने राष्ट्रीय मुद्दों के साथ हरियाणा के स्थानीय मुद्दों को भी बड़े पैमाने पर उठाया है। हरियाणा के स्थानीय मुद्दों में बेरोजगारी, किसानों को एमएसपी, महिला पहलवानों का अपमान तथा बढ़ती हुई नशाखोरी की लत को राहुल गांधी ने बेहद आक्रामक अंदाज में उठाया। इन समस्याओं के लिए राहुल गांधी ने नरेंद्र मोदी को खूब घेरा। नरेंद्र मोदी ने अपने कॉरपोरेट मित्रों को फायदा पहुंचाने के लिए स्थानीय रोजगार छीन लिया। यहां तक कि जो छोटे-मोटे लघु और मध्यम उद्योग थे, लगभग खत्म हो गए। दिल्ली से सटा हुआ हरियाणा का गुड़गांव; बेंगलुरु और हैदराबाद की तरह ही आईटी का हब है। बहुत सारी देशी-विदेशी कंपनियों के बड़े ऑफिस हैं। लेकिन हरियाणा के नौजवानों के लिए रोजगार लगातार घटता चला गया। इस वजह से नौकरी की तलाश में नौजवानों को डंकी बनकर अमेरिका और यूरोप मजबूर होकर जाना पड़ा। अमित मान के जरिए राहुल गांधी ने बेरोजगारी के दंश और यातना भरी यात्रा को बेहद मार्मिक अंदाज में लोगों के सामने पेश किया। अमेरिका में अमित मान से मुलाकात और फिर करनाल में उसके परिवार से मिलने का वीडियो को जारी करते हुए राहुल गांधी ने बेरोजगार परिवारों के घरों की स्थितियों का भावुकतापूर्ण वर्णन किया। यह राहुल गांधी का नया अंदाज है। वह ऐसी घटनाओं को सामने लाकर पूरे समाज के सच को बयां कर रहे हैं। यह लोगों से सीधा कनेक्ट करने का बेहतरीन तरीका है। इसी तरह से हरियाणा के करीब एक दर्जन जिलों में बढ़ती नशाखोरी की लत को मोदी और अडानी से जोड़ते हुए राहुल गांधी ने इस समस्या को बेपर्दा किया।

नवरात्र में घर पर ध्यान-क्रिया योग कर दिव्य प्रकाश खुद को आलोकित करें: स्वामी अमरानन्द

> उन्होंने बड़े ही सुंदर ढंग से परमहंस योगानन्द जी के द्वारा बताई गई हं-सः तकनीक को गहराइयों में बताया और उसके प्रभावों की विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि आत्म-नियंत्रण से सारी बुराइयों को भष्मीभूत किया जा सकता है। इससे सभी प्रकार को दोषों पर नियंत्रण किया जा सकता है। आप अपनी इच्छाशक्ति को अच्छाइयों से बढ़ाएं तथा बुराइयों को दूर भगाएं। उन्होंने अंत में कहा कि ईश्वर के दिव्य प्रेम, दिव्य शांति और दिव्य आनन्द को ध्यान व क्रिया योग की गहराइयों से बहुत ही आसानी से प्राप्त किया जा सकता है। प्राणायाम के निरन्तर अभ्यास से आप पायेंगे कि आप दिव्यता की ओर बढ़ रहे हैं और क्रिया योग इसमें आपकी महत्वपूर्ण सहायता कर रहा है।

कृष्ण बिहारी मिश्र

कौन कहता तू है काली, हे मां जगदम्बे
लाखों रवि चंद्र तेरी काया से हैं चमकते, हे मां जगदम्बे...

नवरात्र चल रहा है। आज चौथा दिन मां कुष्माण्डा का है। मां कुष्माण्डा के हाथों में ऐसे तो कई अस्त्र-शस्त्र विद्यमान है। लेकिन उनके एक हाथ में दिव्य प्रकाश भी होता है। जिन दिव्य प्रकाशों से वे अपने भक्तों के अंदर रहनेवाली सारी अविद्याओं को नष्ट कर, उनमें प्रकाश ही प्रकाश भर देती है। दरअसल नवरात्र एक ऐसा अवसर है, जिसमें अगर आप घर पर ही रहकर ध्यान या क्रिया योग का गहराइयों के साथ निरन्तर प्रयास करते हैं तो आपके सारे शरीर के अंदर विद्यमान सारे चक्र खुल जाते हैं और आप डिवाइन मदर के दिव्य प्रकाश से स्वयं को आलोकित कर लेते हैं। ये बातें आज योगदा सत्संग आश्रम में आयोजित रविवारीय सत्संग को संबोधित करते हुए योगदा संन्यासी स्वामी अमरानन्द गिरि ने योगदा भक्तों से कही।

उन्होंने कहा कि नवरात्र सारे अहंकारों और बुरी आदतों पर विजय पाने का सुंदर अवसर है। इन दिनों किया जानेवाला उपवास भी हमारे शरीर के अंदर की सारी गंदगियों को दूर करने में सहायक होता है। इससे आप प्रतिदिन एक नई दिव्य चेतना से युक्त होते हैं। ये दिव्य चेतना हमें निरन्तर उस दिव्य प्रकाश की ओर ले जाने में सहायक सिद्ध होती है। जिस दिव्य प्रकाश को पाने के लिए योगियो का समूह निरन्तर लगा रहता है।

स्वामी अमरानन्द गिरि ने यह भी कहा कि हमेशा याद रखें कि माया के प्रलोभन से हमें हमेशा बचने की आवश्यकता है। आत्म संयम पर ध्यान देना है। गुरुजी यानी प्रेमावतार परमहंस योगानन्द जी के बताये मार्गों, उनके द्वारा दिये गये विशेष तकनीकों का हमेशा ध्यान करना है, क्रिया योग को अपनाकर अपने आपको दिव्य रास्ते पर ले चलना है। यह हम सबके लिए जरुरी है। उन्होंने कहा कि माया हमेशा अपनी ओर खींचने की कोशिश करेगी। लेकिन हमें इससे बचने की जरुरत है।

उन्होंने कहा कि हमारे गुरुओं ने हमें अपने शत्रुओं से भी प्रेम करना सिखाया है। उनसे घृणा करना नहीं सिखाया। काम, क्रोध, मद, लोभ हमारे अंदर रहनेवाले

शत्रु है। जिस पर निरन्तर विजय पाने की आवश्यकता है। अपने हृदय में हमेशा शांति, सद्भाव, करुणा, दयालुता को स्थान दीजिये। हमेशा मुस्कुराते रहिये। तब और ज्यादा मुस्कुराइये, जब आप संकट या विपरीत परिस्थितियों में हो। हमेशा रचनात्मक कार्यों में खुद को लगाइये। आपके द्वारा किये जा रहे प्रेम में समानता का भाव होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि आपका व्यवहार भी काफी मायने रखता है और उस व्यवहार में आपका प्रेम काफी महत्वपूर्ण स्थान रखता है। प्रेम से आप दुनिया को बदल सकते हैं। प्रेम से दुनिया को जीत सकते हैं। गुरुजी परमहंस योगानन्द ने तो यहां तक कह दिया कि सिर्फ प्रेम ही उनका स्थान ले सकता है। इसलिए उक्त प्रेम को समझने की जरुरत है।

उन्होंने बड़े ही सुंदर ढंग से परमहंस योगानन्द जी के द्वारा बताई गई हं-सः तकनीक को गहराइयों में बताया और उसके प्रभावों की विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि आत्म-नियंत्रण से सारी बुराइयों को भष्मीभूत किया जा सकता है। इससे सभी प्रकार को दोषों पर नियंत्रण किया जा सकता है। आप अपनी इच्छाशक्ति को अच्छाइयों से बढ़ाएं तथा बुराइयों को दूर भगाएं। उन्होंने अंत में कहा कि ईश्वर के दिव्य प्रेम, दिव्य शांति और दिव्य आनन्द को ध्यान व क्रिया योग की गहराइयों से बहुत ही आसानी से प्राप्त किया जा सकता है। प्राणायाम के निरन्तर अभ्यास से आप पायेंगे कि आप दिव्यता की ओर बढ़ रहे हैं और क्रिया योग इसमें आपकी महत्वपूर्ण सहायता कर रहा है। इसलिए नवरात्र के इस महत्वपूर्ण अवसर का लाभ उठाने में विलम्ब न करें। आप देखेंगे कि आपके निरन्तर प्राणायाम के अभ्यास ने आपको आपके अंदर की सारी बुराइयों पर विजय प्राप्त करवा दी।

दवा के नाम पर मरीजों की जिन्दगी से खिलवाड़

> आम लोगों के मन में सवाल बाकी है कि यदि ये दवाएं मानकों पर खरी नहीं उतरती तो इनके नकारात्मक प्रभाव किस हद तक हमारी सेहत के साथ खिलबाड़ करते हैं। जो लोग घटिया दवाइयां बेच रहे थे क्या उनके खिलाफ कोई कार्रवाई की पहल भी हुई है? फिलहाल इस बाबत कोई जानकारी आधिकारिक रूप से सामने नहीं आई है। निस्संदेह, यह शर्मनाक है और तंत्र की विफलता को उजागर करता है कि शारीरिक कष्टों से मुक्त होने के लिये लोग जो दवाएं खरीदते हैं, वे घटिया हैं? बहुत संभव है ऐसी घटिया दवाओं के नकारात्मक प्रभाव भी सामने आते हों। महत्वपूर्ण पहलू यह है कि देश में करीब 220 मिलियन लोग हाई ब्लड प्रेशर से पीड़ित हैं।

कुमार कृष्णन

दवा के नाम पर इंसानी जिन्दगी के साथ लगातार खिलबाड़ किया जा रहा है। हालिया उदाहरण है कि बुखार, दर्द, उच्च रक्तचाप, मधुमेह आदि से मुक्ति दिलाने का दावा करने वाली 53 दवाइयां जांच में गुणवत्ता के मानकों पर खरी नहीं उतरी हैं। परीक्षण में असफल होने वाली दवाओं में रक्तचाप यानी ब्लड प्रेशर,शर्करा यानी डायबिटीज, एसिड रिफलक्स और विटामिन की दवाइयां भी शामिल हैं। इसके अलावा केंद्रीय औषधि नियामक ने जिन दवाओं को गुणवत्ता के मानकों के अनुकुल नहीं बताया हैं उसमें बुखार उतारने वाली पैरासिटामोल/,दर्द निवारक डिक्लोफेनेक,एंटीफंगल मेडिसिन फ्लुकोनाजोल जैसी देश की कई बड़ी दवा कंपनियों की दवाएं भी शामिल हैं। इन 53 दवाओं में से परीक्षण में नाकाम की सूची में अभी केवल 48 दवाओं का ही नाम सामने आया है। क्योंकि इसमें से पांच दवाइयां जो मानक फेल हुई हैं उनकी निर्माता कंपनी का कहना है कि ये दवाएं उनकी नहीं है। बल्कि उनके नाम से नकली दवा को बाजार में बेचा जा रहा है। जो दवाएं फेल की गई हैं उनमें सनफार्मा द्वारा निर्मित पैन्टोसिड टैबलेट भी है,जिसका इस्तेमाल प्रायः एसिडिटी रोकथाम के लिए किया जाता है।इटेस्ट में फेल हो गई ये सभी दवाओं को सेवन को सेहत के लिए नुकसानदायक भी बताया गया है। अजीबोगरीब विडंबना है कि काफी समय से सरकारों की नाक के नीचे ये दवाइयां धड़ल्ले से बिकती रही हैं।केंद्रीय औषधि नियामक के इस परीक्षण ने लोगों के स्वास्थ्य की चिंता को और बढ़ा दिया है, क्योंकि एक तरफ दवाएं मानकों पर खरी नहीं उतरी हैं और दूसरी तरफ नकली दवाओं के बाजार में आने की भी खबर है। जांच तो केवल पांच दवाओं का नाम सामने आया है, हो सकता है नकली दवाओं के इस खतरनाक कारोबार में और दवाओं को भी बेचा जा रहा हो। स्वास्थ्य मंत्रालय नकली और परीक्षण में फेल होने वाली दवाओं की बिक्री और इन दवाओं को बनाने वालों पर कितनी सख्त कार्रवाई करेगा, इस बारे में अभी कुछ कहा नहीं जा सकता,यह तो आनेवाल वक्त ही बताएगा। फिलहाल स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा दोहरी जवाबदेही निभा रहे हैं। वे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का दायित्व भी निभा रहे हैं, उन पर भाजपा के सदस्यता अभियान को

सफल बनाने का जिम्मा है। हालांकि तीन दिन पहले आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन-आरोग्य योजना के छह बरस पूरे होने पर नड्डा ने नरेन्द्र मोदी की इस पहल की तारीफ करते हुए कहा था कि यह योजना दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य सेवा पहलों में से एक बन गई है। यह सभी नागरिकों, विशेष रूप से सबसे कमजोर लोगों के लिए समान स्वास्थ्य सेवा पहुंच प्रदान करने के लिए इस सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। केंद्रीय औषधि नियामक के दवाओं के परीक्षण और उसके नतीजे से यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। वर्ना सेहत सुधारने के नाम पर नकली और असफल दवाओं का सेवन लोगों को और बीमार बना ही रहा था। चिंता की बात यह है कि असफल दवाओं में कई ऐसी दवाएं हैं, जिनका इस्तेमाल सबसे अधिक होता है।

आम लोगों के मन में सवाल बाकी है कि यदि ये दवाएं मानकों पर खरी नहीं उतरती तो इनके नकारात्मक प्रभाव किस हद तक हमारी सेहत के साथ खिलबाड़ करते हैं। जो लोग घटिया दवाइयां बेच रहे थे क्या उनके खिलाफ कोई कार्रवाई की पहल भी हुई है? फिलहाल इस बाबत कोई जानकारी आधिकारिक रूप से सामने नहीं आई है। निस्संदेह, यह शर्मनाक है और तंत्र की विफलता को उजागर करता है कि शारीरिक कष्टों से मुक्त होने के लिये लोग जो दवाएं खरीदते हैं, वे घटिया हैं? बहुत संभव है ऐसी घटिया दवाओं के नकारात्मक प्रभाव भी सामने आते हों। महत्वपूर्ण पहलू यह है कि देश में करीब 220 मिलियन लोग हाई ब्लड प्रेशर से पीड़ित हैं। दरअसल, एक ही गोली को कई दवाओं से मिलाकर बनाने को फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन ड्रग्स यानी एफडीसी कहा जाता है। बहरहाल, सामान्य रोगों में उपयोग की जाने वाली तथा जीवनरक्षक दवाओं की गुणवत्ता में कमी का पाया जाना, मरीजों के जीवन से खिलवाड़ ही है। जिसके लिये नियामक विभागों की जवाबदेही तय करके घटिया दवा बेचने वाले दोषियों को दंडित किया जाना चाहिए।

ब्रह्म की शक्ति अज्ञेय व अवर्णनीय है

संजय गोस्वामी

ब्रह्म अज्ञेय व अवर्णनीय है। कर्त्ता के २ भाग हैं- एक रूप में केवल द्रष्टा हैं, अन्य रूप में विश्व के सञ्चालक। इनको साक्षी और भोक्ता सुपर्ण रूप कहते हैं। व्यक्ति शरीर में इनको आत्मा और जीव कहते हैं। ब्रह्म की शक्तियां ७ ऋषि रूप में हैं, जिनके समन्वय को पक्षी रूप में व्यक्त करते हैं। इसके चित्र को सुपर्ण चिति कहते हैं। सृष्टि के ४ मूल बल चौकोर शरीर हैं, २ पक्ष समरूपता है, नियन्त्रक या तेज सिर है, विषमता पुच्छ है। इनसे अग्नि (पदार्थ पिण्ड) का चयन होता है, जिससे विभिन्न निर्माण होते हैं। द्वा सुपर्णा सयुजा सखाया, समानं वृक्षं परिषस्वजाते। तयोरन्यः पिप्पलं स्वाद्वत्ति, अनश्नन्नन्यो अभिचाकशीति॥ (मुण्डक उप. ३/१/१, श्वेताश्वतर उप. ४/६, ऋक्, १/१६४/२०, अथर्व, ९/९/२०) सुषुम्ना चेतना या ज्ञान का वृक्ष है। उसके मध्य (आज्ञा चक्र) में २ सुपर्ण (हंस, पक्षी) रहते हैं (परिषस्वजाते-पड़ोस में)। उनमें अन्य (एक) पिप्पल (पिब् + फल = जिस फल में आसक्ति हो) को स्वाद सहित खाता है। अन्य (दूसरा) बिना खाये (बिना आसक्ति = अनश्नन्) केवल देखभाल करता है। त इद्धाः सप्त नाना पुरुषानसृजन्त। स एतान् सप्त पुरुषानेकं पुरुषमकुर्वन्-यदूर्ध्वं नाभेस्तौ द्वौ समौब्जन्, यदवाङ् नाभेस्तौ द्वौ। पक्षः पुरुषः, पक्षः पुरुषः। प्रतिष्ठैक आसीत्। अथ या एतेषां पुरुषाणां श्रीः, यो रस आसीत्-तमूर्ध्वं समुदौहन्। तदस्य शिरोऽभवत्। स एवं पुरुषः प्रजापतिरभवत्। स यः सः पुरुषः-प्रजापतिरभवत्, अयमेव सः, योऽयमग्निश्चीयते(कायरूपेण-शरीररूपेण-मूर्त्तिपिण्डरूपेण-भूतपिण्डरूपेण)। स वै सप्तपुरुषो भवति। सप्तपुरुषो ह्ययं, पुरुषः-यच्चत्वार आत्मा, त्रयः पशुपुच्छानि। (शतपथ ब्राह्मण, ६/१/१/२-६) ३. पार्थिव सुपर्ण-पृथ्वी पर सूर्य की गति २ प्रकार की है। वार्षिक गति उत्तरायण (मकर से कर्क रेखा तक) तथा उसके विपरीत दक्षिणायन है। यही सुपर्ण का विस्तार है। मकर रेखा पर सूर्य ३ तारा (तार्क्ष्य, ऋक्ष = तारा, भालू) वाले श्रवण नक्षत्र में रहता है (विक्रमादित्य काल में जब शून्य अयनांश था)। स्वस्ति न इन्द्रो वृद्धश्रवा स्वस्ति नः पूषा विश्ववेदाः। स्वस्ति नस्तार्क्ष्यो अरिष्टनेमिः स्वस्ति नो बृहस्पतिर्दधातु॥ (यजु, २५/१९) यह आकाश के वृत्त (पृथ्वी कक्षा) की ४ दिशा हैं-ज्येष्ठा नक्षत्र का स्वामी इन्द्र, रेवती का पूषा, श्रवण का गोविन्द जो अरिष्ट की नेमि या सीमा (दूर करने वाले) हैं, तथा पुष्य का बृहस्पति। दक्षिण में सूर्य रहने पर हमारे उत्तरी गोलार्ध में सबसे बड़ी रात्रि तथा शीत होता है अतः यह अरिष्टनेमि है। उत्तरी सीमा के कर्क रेखा को केवल नेमि कहते हैं। उत्तर -दक्षिण दिशा में यह सूर्य की धुरी (नेमि) है। पृथ्वी अक्ष का झुकाव २२ से २६ अंश तक घटता बढ़ता है। कर्क रेखा की सीमा या नेमि का स्थान नैमिषारण्य है (कूर्म पुराण, २/४३/७, पद्म १/१, वराह, ११/१०७, वायु, १२५/२७, शिव, ७/१/३/५३)। इक्ष्वाकु काल में मिथिला की सीमा पर कर्क रेखा थी अतः वहां के राजा इक्ष्वाकु पुत्र को निमि कहते थे। उनकी निमि (पलक) नहीं गिरती थी। सूर्य चक्षु है, विषुव रेखा पर वह बन्द रहता है, कर्क, मकर रेखा पर पूरी तरह खुल जाता है। (भागवत पुराण, ९/१३, विष्णु, ४/५ आदि)। आज भी मिथिला में सूर्य के कर्क रेखा पर स्थित होने पर पञ्चाङ्ग आरम्भ होता है। इस सूर्य गति के भी छन्द हैं। यहां गरुड़ संवत्सर रूप है। अथ ह वाऽ एष महासुपर्ण एव स्यात्संवत्सरः। तस्य यान्पुरस्ताद्विषुवतः षण्मासानुपश्यन्ति सोऽन्यतरः पक्षोऽथ यान्षड् उपरिष्टात् सः अन्यतरः। आत्मा विषुवान्। (शतपथ ब्राह्मण, १२/२/३/७) यह वर्गीकरण ब्रह्मा के स्थान पुष्कर (अभी बुखारा) के अनुसार है, जो उज्जैन से १२ अंश पश्चिम है (विष्णु पुराण, २/२८)। वेदाङ्ग ज्योतिष के अनुसार सबसे बड़ा दिन १६ घण्टे का था। सबसे छोटा दिन ८ घण्टे का होगा, उसका आधा। अतः इनको गायत्री (२४ अक्षर) से जगती (४८ अक्षर) तक बांटा गया है। विषुव के उत्तर तथा दक्षिण में १२, २०, २४ अंश के अक्षांश वृत्तों से ये वीथियां बनती थीं। ३४० उत्तर अक्षांश का दिनमान सूर्य की इन रेखाओं पर स्थिति के अनुसार ८ से १६ घण्टा तक होगा। अतः दक्षिण से इन वृत्तों को गायत्री (६ X ४ अक्षर) से जगती छन्द (१२ X ४ अक्षर) तक का नाम दिया गया। इसकी चर्चा ऋग्वेद (१/१६४/१-३, १२, १३, १/११५/३, ७/५३/२, १०/१३०/४), अथर्व वेद (८/५/१९-२०), वायु पुराण, अध्याय २, ब्रह्माण्ड पुराण अध्याय (१/२२), विष्णु पुराण (अ. २/८-१०) आदि में है। इनके आधार पर पं. मधुसूदन ओझा ने आवरणवाद में इसकी व्याख्या की है (श्लोक १२३-१३२)।

नमक सेवन संभलकर करें

आजकल हमारे स्वास्थ्य के गड़बड़ होने में अनचाही सामग्री का सेवन करना। जी हा, जैसे बाजार का नमकीन, चाट, रेडीमेड वेफर्स, पिज्जा, बर्गर आदि खाद्य पदार्थ जो वर्तमान में नियमित रूप से सेवन किया जाता हैं जो हमारे लिए नुक्सानदायक होता हैं पर हम जिव्हा के लालच वश सब खाते हैं। होटल में नियमित खाना खाना आपकी सेहत के लिए हानिकारक के साथ गंभीर बीमारियों को आमंत्रण देना भी हैं। निर्णय आपका हैं। नमक की पर्याप्त मात्रा शरीर के लिए आवश्यक होती है इसलिए वयस्कों को दिन में कम से कम 5 -6 ग्राम नमक खाना चाहिए। यह लगभग एक चम्मच के बराबर होता है।

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए नमक पोषक तत्व का कार्य करता है, लेकिन हाई बीपी से ग्रसित लोगों को डॉक्टर द्वारा नमक से परहेज करने को कहा जाता है। नमक के ज्यादा सेवन को लेकर सबकी धारणाएं अलग अलग हो सकती हैं। दरअसल, नमक एक प्राकृतिक खनिज है, जो सोडियम और क्लोरीन से भरपूर होता है। इसमें सोडियम की मात्रा 40% और क्लोरीन की मात्रा 60% होती है। यह दोनों ही तत्व शरीर के लिए आवश्यक होते हैं। जब शरीर में नमक की कमी हो जाती है, तो ऐसे मरीज को लो ब्लड प्रेशर की समस्या हो सकती है। इसके अतिरिक्त दिल की मांसपेशियां और शरीर का पाचन तंत्र भी गड़बड़ा सकता है।

नमक की सही मात्रा का सेवन है जरूरी

नमक की पर्याप्त मात्रा शरीर के लिए आवश्यक होती है इसलिए वयस्कों को दिन में कम से कम 6 ग्राम नमक खाना चाहिए। यह लगभग एक चम्मच के बराबर होता है। वही 1 से 3 साल के बच्चों को 1 दिन में 2 ग्राम नमक दिया जाना चाहिए और 4 से 6 साल के बच्चों को दिन में 3 ग्राम नमक की आवश्यकता होती है। 7 से 10 साल के बच्चों को 1 दिन में 5 ग्राम नमक खाना चाहिए और 11 साल से अधिक उम्र वालों को दिन में 6 ग्राम नमक जरूर खाना चाहिए।

जिनमें नमक की कमी होती है, उन्हें अक्सर सिरदर्द, पेट में ऐंठन, मांसपेशियों में कमजोरी, चिड़चिड़ापन, दस्त या कब्ज लगना, दिल की धड़कन का तेज होना और शरीर में सुस्ती और थकान महसूस होती है। नमक की कमी होने पर यदि इसका तत्काल इलाज नहीं किया गया, तो रोगी को मस्तिष्क में सूजन या मस्तिष्क को अन्य नुकसान भी हो सकता है। कई मामलों में नमक की कमी मौत का कारण भी बन सकती है।

नमक की कमी से होने वाले रोग

जिन लोगों को नमक की कमी होती है, उन्हें अक्सर मांसपेशियों में ऐंठन, चक्कर आना, चिड़चिड़ापन हो सकता है। अत्यधिक गंभीर स्थिति में मरीज को कोमा और शॉक लगने का भी जोखिम हो सकता है।

नमक की कमी से ऐसे करें बचाव

नमक की कमी होने पर गर्मियों के मौसम में अधिक से अधिक पानी पीना चाहिए। पर्याप्त मात्रा में नमक का सेवन करना चाहिए। इन सभी बातों को यदि ध्यान रखेंगे तो नमक की कमी से होने वाले रोगों का सामना नहीं करना पड़ेगा।

नमक की कमी का ये है इलाज

नमक की कमी दूर करने के लिए सोडियम क्लोराइड का घोल दिया जाता है या सोडियम क्लोराइड की बोतल चढ़ाई जाती है। नमक की कमी को पर्याप्त मात्रा में नमक खाकर और पर्याप्त मात्रा में पानी पीकर दूर किया जा सकता है। सिरदर्द, मतली और दौरा पड़ने जैसे लक्षण महसूस हो रहे हो तो इसके लिए भी डॉक्टर से परामर्श ले

अधिक नमक खाने से सेहत को होते हैं ये नुकसान,

निरोग बने रहने के लिए ध्यान रखें ये बातें

- जरूरत से ज्यादा नमक सेहत को पहुंचा सकता हैं ये नुकसान। सेहतमंद बने रहने के लिए सोडियम जरूरी है, पर इसकी अधिक मात्रा दिल और किडनी के रोगों की गंभीरता बढ़ा सकती है। नमक संभलकर खाएं।
- हमारी सेहत के लिए सोडियम जरूरी है, पर इसकी अधिक मात्रा दिल और किडनी के रोगों की गंभीरता बढ़ा सकती है। यही वजह है कि डॉक्टर भी नमक संभलकर खाने की सलाह देते हैं।
- कम या ज्यादा नमक खाने का स्वाद बिगाड़ सकता है। उसी तरह शरीर की सेहत के लिए भी नमक का बहुत ज्यादा या कम होना अच्छा नहीं रहता। सोडियम का कम सेवन कई तरह से शरीर को लाभ पहुंचाता है लेकिन वहीं अगर शरीर में इसकी अधिकता हो जाए तो ये सेहत को कई तरह के नुकसान भी पहुंचा सकता है।

भोजन में नमक ज्यादा खाने के नुकसान-

- खून में सोडियम की मात्रा अधिक होने से रक्तसंचार काफी तेजी से होता है, जिससे बीपी बढ़ जाता है। लगातार ऐसा रहना हार्ट अटैक की आशंका को बढ़ा देता है।
- नमक पानी को सोखता है। हाई बीपी के मरीज जब ज्यादा नमक खाते हैं तो संतुलन बनाने के लिए नमक पानी को सोखता है, जिससे खून में नमक और पानी की मात्रा बढ़ जाती है तथा धमनियों पर दबाव बढ़ता है। ऐसे में दिल और किडनी को अधिक मेहनत करनी पड़ती है।
- पाचन क्रिया के दौरान जो तत्त्व शरीर के लिए हानिकारक होते हैं, किडनी रक्त से उन्हें छानकर बाहर निकालती है। शरीर में सोडियम की मात्रा बढ़ने से ब्लड में यूरिया बढ़ जाता है। इससे किडनी में संक्रमण की आशंका बढ़ती है और किडनी को मेहनत ज्यादा करनी पड़ती है। इससे किडनी को स्थायी नुकसान भी पहुंच सकता है।
- जिन्हें त्वचा से जुड़ी परेशानियां रहती है, उन्हें भी कम नमक खाना चाहिए। सोडियम की ज्यादा मात्रा से त्वचा में जलन, खुजली, लालीपन व संक्रमण की आशंका बढ़ जाती है।

कच्चा नमक है रोगों का घर

कई बार खाने में नमक कम होने पर हम नमक ऊपर से डाल लेते हैं। भोजन में ऊपर से मिलाया हुआ नमक कच्चा होता है, जो तनाव, सिरदर्द, हाईबीपी के साथ त्वचा की समस्याओं को भी बढ़ाता है। सब्जी पकाते वक्त खाने में डाला गया नमक, कच्चे नमक की तुलना में कम नुकसान करता है।

सेंधा नमक खाएं-

आयुर्वेद में सेंधा नमक को सबसे शुद्ध और हल्का माना गया है। यह नमक शरीर को ठंडा रखता है और पाचन सही रखता है। सेंधा नमक को इम्युनिटी के लिए भी अच्छा माना जाता है। सेंधा नमक शरीर से बढ़े हुए वजन को भी कम करता है। इस नमक में सोडियम कम और पोटैशियम ज्यादा होता है, जो बीपी को काबू रखता है।

ध्यान रखें ये बातें-

- रोजाना 5 ग्राम से अधिक नमक न खाएं।
- भोजन में ऊपर से नमक न मिलाएं।
- घर का बना खाना खाएं। नमक प्रिजर्वेटिव का काम करता है। बाजार के डिब्बाबंद भोजन, आचार और चटनी आदि का सेवन कम करें।
- फल व मेवे बिना नमक मिलाए खाएं।
- नमक के साथ पानी सेवन अनुपातिक होना चाहिए ।

बृहस्पति की पूजा से होती है विद्या और धन की प्राप्ति

इस दिन ब्रह्स्पतेश्वर महादेव जी की भी पूजा होती है। व्रहस्पति वार के व्रत में दिन में एक समय ही बिना नमक का भोजन करना चाहिए। अच्छा होगा भोजन चने की दाल का बना हुआ हो। इस दिन पूजा करने वाले पीले वस्त्र और पीले पुष्प धारण करें। भगवान विष्णु और बृहस्पति गुरू की पीले रंग के फूल, चने की दाल, पीले कपड़े तथा पीले चन्दन से पूजा करनी चाहिए। साथ ही इस व्रत मे केले का पूजन भी करना चाहिए।

बृहस्पति देवता को भगवान विष्णु का ही एक रूप माना जाता है। गुरूवार को भगवान बृहस्पति की पूजा होती है। इसदिन गुरु की पूजा से विद्या और धन दोनों की प्राप्ति होती है। बृहस्पति देवता को बुद्धि और शिक्षा का देवता माना जाता है। बृहस्पति जहां भगवान विष्णु का ही रूप हैं वहीं भगवान विष्णु जी धन की देवी लक्ष्मी के पति भी हैं। अतः गुरूवार को बृहस्पति देव की पूजा करने से धन, विद्या, पुत्र और अन्य मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती है। इससे परिवार में सुख तथा शांति बनी रहती हैं। बहुत से अविवाहित लोग गुरूवार का व्रत जल्दी विवाह करने के लिये भी करते हैं।

इस दिन ब्रह्स्पतेश्वर महादेव जी की भी पूजा होती है। व्रहस्पति वार के व्रत में दिन में एक समय ही बिना नमक का भोजन करना चाहिए। अच्छा होगा भोजन चने की दाल का बना हुआ हो। इस दिन पूजा करने वाले पीले वस्त्र और पीले पुष्प धारण करें। भगवान विष्णु और बृहस्पति गुरू की पीले रंग के फूल, चने की दाल, पीले कपड़े तथा पीले चन्दन से पूजा करनी चाहिए। साथ ही इस व्रत मे केले का पूजन भी करना चाहिए।

गुरूवार को सुबह उठकर बृहस्पति देव का पूजन करना चाहिए। इसके लिए स्नान आदि करके पीले फूल, चने की दाल, मुनक्का, पीली मिठाई, पीले चावल और हल्दी चढ़ा कर भगवान को प्रसन्न करें फिर केले के पेड़ की पूजा करें। बृहस्पतिवार की व्रत का पाठ करें और उनकी आरती करें। कथा पूजन के दौरान किसी से भी बात ना करें। गुरुवार को भगवान बृहस्पति की पूजा का विधान है। इस दिन गुरू भगवान और विष्णु जी की पूजा और व्रत करने से ऋण मुक्ति, शीघ्र विवाह और संपत्ति प्राप्ति होती है। बृहस्पति देव को बुद्धि का कारक भी माना गया है अतः इस पूजा से ज्ञान में भी वृद्धि होती है। इसके अलावा ऐसा भी कहा जाता है कि विष्णु जी की पूजा से मनाकामनायें पूर्ण होती हैं और अच्छा स्वास्थ भी प्राप्त होता है।

ऐसे करें पूजा

इस दिन केले के पेड़ की पूजा करना अच्छा माना जाता है। गुरुवार के दिन पूजा और व्रत रखने वालों को पीले वस्त्र धारण कर के सुबह उठकर बृहस्पति देव का पूजन करना चाहिए। पूजा में पीली वस्तुएं जैसे पीले फूल, चने की दाल, मुनक्का, पीली मिठाई, पीले चावल और हल्दी चढ़ा का प्रयोग किया जाता है। इस व्रत में केले के पेड़ की पूजा की पूजा का सर्वाधिक महत्व होता है। पूजा के बाद बृहस्पतिवार की कथा का श्रद्धा पूर्वक पाठ करना चाहिए। इससे मनोकामना की पूर्ति होती है। इसके लिए कन्याओं को भोजन कराएं, पीली चुनरी या पीला रुमाल भेंट करें। अच्छे स्वास्थ्य और पारिवारिक सुख शांति के लिए विष्णु जी को चने की दाल चढ़ाई जाती है। यदि विवाह में किसी भी प्रकार की समस्या आ रही हो तो गुरुवार का व्रत करना चाहिए और विष्णु जी को जुड़े हुए फल चढ़ायें, साथ ही कर्ज से मुक्त होने के लिए आम लगे हुए आम के बौर से पूजा करें। गुरु ग्रह को सुदृढ़ करने के लिए इन आसान उपायों का पालन करें। सबसे पहले गुरुवार का व्रत रखें। इस दिन पीले वस्त्र पहनें और बिना नमक का पीला ही भोजन करें जैसे बेसन के लड्डू, आम बेसन की रोटी आदि। गुरु बृहस्पति की पूजा करें। इसमें केसरिया चंदन, पीले चावल, पीले फूल व भोग में पीले पकवान या फल अर्पित करें। अंत में वृहस्पति भगवान की आरती करें। गुरु मंत्र - 'ॐ बृं बृहस्पते नम' का जाप कम से कम 108 बार करें।

ऑस्टियोपोरोसिस से बचाता है सीबीएफ-बीटा प्रोटीन

शोधकर्ताओं ने एक ऐसी प्रणाली की पहचान की है जो बताता है कि बुजुर्गों की हड्डियों में कमजोरी क्यों आ जाती है। साथ ही शोधकर्ताओं ने ऐसा तरीका खोज निकाला है, जिसके जरिए बढ़ती उम्र के साथ हड्डियां कमजोर होने के इलाज में काम आ सकता है। शोधकर्ताओं ने पाया कि ऑस्टियोपोरोसिस यानी हड्डी के पतलेपन और डेंसिटी में कमी के कारण हड्डी टूटने का खतरा बढ़ जाता है। यह बुजुर्गों की एक प्रमुख स्वास्थ्य समस्या है। अक्सर ये हालात बोन मैरो में फैट सेल्सर की वृद्धि के साथ पैदा होते हैं। बर्मिघम के अलबामा विश्वविद्यालय के प्रोफेसर यू-पिंग ली के एक अध्ययन में सामने आया है कि सीबीएफ-बीटा नामक एक प्रोटीन हड्डियों के बनने में मददगार कोशिकाओं को शरीर में बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

एक परीक्षण में पाया गया कि युवाओं की तुलना में वृद्ध लोगों की बोन मैरो सेल्स में सीबीएफ-बीटा का स्तर कम पाया गया। इस निष्कर्ष से पता चलता है कि इस प्रणाली में खराबी आने पर, कोशिकाएं हड्डियों को बनाने में मदद करना बंद कर देती हैं और फैट सेल्स को बनाने में मदद करती हैं। ली ने कहा कि सीबीएफ-बीटा नाम के प्रोटीन को बनाए रखना ह्यूमन लाइफ रिलेटिड ऑस्टियोपोरोसिस को रोकने में मदद कर सकता है।शोधकर्ताओं का कहना है कि इस प्रणाली की जानकारी होने से कम से कम साइड इफेक्ट के साथ ह्यूमन बोन मेरो का इलाज किया जा सकता है।

सकारात्मक माहौल, खुशी से बच्चे आगे बढ़ने होते हैं प्रेरित

बच्चे के जन्म के साथ ही माता-पिता खुशी के साथ ही उससे कई उम्मीदें लगाने लगते हैं। अब सवाल यह उठता है कि बच्चे के विकास के लिए किस प्रकार उसका पालन पोषण किया जाये। इसमें सबसे अहम यह है कि उसे प्राकृतिक तरीके से रहने दें। बच्चों के विकास के लिए घर में बेहतर माहौल बनाना जरुरी है। सकारात्मक माहौल, खुशी का अनुभव उसे आगे बढ़ने की ताकत देता है।

बच्चों के पालन-पोषण में एक बड़ी भूमिका निभाता है। आपको सही तरह का माहौल तैयार करना चाहिए, जहां खुशी, प्यार, परवाह और अनुशासन की एक भावना आपके अंदर भी और आपके घर में भी हो। आप अपने बच्चे के लिए सिर्फ इतना कर सकते हैं कि उसे प्यार और सहारा दे सकते हैं। उसके लिए ऐसा प्यार भरा माहौल बनाएं जहां बुद्धि का विकास कुदरती तौर पर हो। एक बच्चा जीवन को बुनियादी रूप में देखता है। इसलिए आप उसके साथ बैठकर जीवन को बिल्कुल नयेपन के साथ देखें, जिस तरह वह देखता है।

बहुत से लोग यह मान लेते हैं कि जैसे ही बच्चा पैदा होता है, शिक्षक बनने का समय शुरू हो जाता है। जब एक बच्चा आपके घर में आता है, तो यह शिक्षक बनने का नहीं, सीखने का समय होता है।जरूरी नहीं है कि आपका बच्चा जीवन में वही करे, जो आपने किया। आपके बच्चे को कुछ ऐसा करना चाहिए, जिसके बारे में सोचने की भी आपकी हिम्मत नहीं हुई। तभी यह दुनिया आगे बढ़ेगी और उपयोगी चीजें घटित होंगी। मानव जाति की एक बुनियादी जिम्मेदारी है, कि वे ऐसा माहौल बनाए जिससे इंसानों की अगली पीढ़ी आपसे और हमसे कम से कम एक कदम आगे हो। यह बहुत ही अहम है कि अगली पीढ़ी थोड़ी और खुशी से, कम डर, कम पक्षपात, कम उलझन, कम नफरत और कम कष्ट के साथ जीवन जिए। हमें इसी लक्ष्य को लेकर चलना चाहिए। अगली पीढ़ी के लिए आपका योगदान यह होना चाहिए कि आप इस दुनिया में कोई बिगड़ैल बच्चा न छोड़ कर जाएं, आप एक ऐसा इंसान छोड़ कर जाएं जो आपसे कम से कम थोड़ा बेहतर हो।

अपने बच्चे की जरूरतों को जानें

कुछ माता-पिता अपने बच्चों को खूब मजबूत बनाने की इच्छा या चाह के चलते उन्हें बहुत ज्यादा कष्ट में डाल देते हैं। वे चाहते हैं कि उनके बच्चे वह बनें जो वे खुद नहीं बन पाए। अपने बच्चों के जरिये अपनी महत्वाकांक्षाएं पूरी करने की कोशिश में कुछ माता-पिता अपने बच्चों के प्रति बहुत सख्त हो जाते हैं। वहीं दूसरे माता-पिता मानते हैं कि वे अपने बच्चों से बहुत प्यार करते हैं और अपने बच्चों को इतना सिर चढ़ा लेते हैं कि उन्हें इस दुनिया में लाचार और बेकार बना देते हैं। यह दोनों ही तरीक सही नहीं हैं। इसका कारण यह है कि सभी बच्चों पर एक ही नियम लागू नहीं होता। हर बच्चा अलग होता है। यह एक खास विवेक है। इस बारे में कोई सटीक रेखा नहीं खींची जा सकती कि कितना करना है और कितना नहीं करना है। अलग-अलग बच्चों को ध्यान, प्यार और सख्ती के अलग-अलग पैमानों की जरूरत पड़ सकती है। एक बच्चा अपने अनुभवों से जीवन के बारे में ज्यादा जानता है। वह जीवन है, वह जीवन को जानता है।

उसे अपने तरीके से रहने दें

अगर माता-पिता अपने बच्चों की वाकई परवाह करते हैं, तो उन्हें अपने बच्चों को इस तरह पालना चाहिए कि बच्चे को माता-पिता की कभी जरूरत न हो। प्यार की प्रक्रिया हमेशा आजाद करने वाली प्रक्रिया होनी चाहिए, उलझाने वाली नहीं। इसलिए जब बच्चा पैदा होता है, तो बच्चे को चारों ओर देखने-परखने, प्रकृति के साथ और खुद अपने साथ समय बिताने दें। प्यार और सहयोग का माहौल बनाएं।

जीवन की ओर देखने में उसकी मदद करें, परिवार या आपकी धन-दौलत या किसी और चीज से उसकी पहचान न बनने दें। एक इंसान के रूप में जीवन की ओर देखने में उसकी मदद करना उसकी खुशहाली और दुनिया की खुशहाली के लिए बहुत जरूरी है। यह आपके बच्चे के लिए सबसे अच्छा निवेश होगा अगर आप अपने बच्चे को प्रोत्साहित करें कि वह अपने बारे में सोचना सीखे, उसके लिए क्या बेहतर है यह जानने के लिए अपनी बुद्धि और समझ का इस्तेमाल करना सीखे। अगर आप ऐसा करते हैं तो आप निश्चिंत रह सकते हैं कि आपका बच्चा सही तरीके से विकसित होगा।

हमलों में अब तक 440 हिजबुल्लाह लड़ाके ढेर, इजराइल और बढ़ाएगा दबाव

येरुशलम,(ईएमएस)। इजराइली सेना आईडीएफ ने हिजबुल्लाह कमांड सेंटर्स को निशाना बना रही है। इसके अलावा हथियारों की धरपकड़ के साथ-साथ टनल्स में भी अभियान चलाया जा रहा है। इजराइली सेना ने कहा है कि ग्राउंड ऑपरेशन शुरू करने से अब तक उसने 440 हिजबुल्लाह आतंकियों को मार दिया गया है।

आईडीएफ चीफ ने एक बयान में कहा कि हिजबुल्लाह पर बनाया गया दबाव जारी रहेगा। दुश्मन को और ज्यादा नुकसान पहुंचाने के लिए दबाव को और बढ़ाया जाएगा। उन्हें किसी तरह की कोई राहत नहीं देने वाले हैं। इजराइली सेना ने बताया है कि उसने हिजबुल्लाह के एक कमांड सेंटर को निशाना बनाया है। यह कमांड सेंटर दक्षिणी लेबनान के बिंट जेबिल में था।

वहीं, हिजबुल्लाह के रॉकेट हमले में उत्तरी अरब गांव में तीन लोग घायल हुए हैं। पुलिस के मुताबिक इन लोगों को नाहरिया के गैलिली मेडिकल सेंटर में ले जाया गया। इसके अलावा कई अन्य जगहों से रॉकेट हमले हुए है। कारमील और डेर अल-असल में रॉकेट्स ने अपार्टमेंट और बिल्डिंग्स को भी नुकसान पहुंचाया है। लेबनान की तरफ से हाएफा बे एरिया में भी रॉकेट दागे गए थे। बता दें कि इजराइल ने शनिवार को बेरुत के दक्षिणी उपनगरों पर 12 हवाई हमले किए। उसने पहली बार उत्तरी लेबनान में एक फलस्तीनी शरणार्थी शिविर को भी निशाना बनाया। फिलस्तीनी चरमपंथी समूह ने एक बयान में कहा कि उत्तरी शहर त्रिपोली के पास बेदावी शरणार्थी शिविर पर हुए हमले में हमास के सैन्य प्रकोष्ठ के एक अधिकारी, उनकी पत्नी और दो बेटियों की मौत हो गई।

बड़ा झटकाः यूक्रेन युद्ध के बीच रुस ने खुद का हाईटैक ड्रोन किया नष्ट

मॉस्को(ईएमएस)। रुस और यूक्रेन की जंग चल रही है। दोनो ही देश एक दूसरे पर हमला कर रहे हैं। उन्हे अत्याधुनिक हथियार और गोला बारुद की जरुरत है। ऐसे में किसी का हाईटैक ड्रोन नष्ट हो जाए तो बड़ी संकटकारी स्थिति मानी जाती है। कुछ इसी तरह का झटका रुस को लगा है। वजह बहुत स्पष्ट नहीं है लेकिन बताया जा रहा है कि खुद रुस ने अपना अत्याधुनिक ड्रोन नष्ट कर दिया है।रिपोर्ट के मुताबिक एक एडवांस्ड रूसी एस-70 ओखोटनिक (हंटर) ड्रोन यूक्रेन में तबाह कर दिया गया। घटना शनिवार की बताई जा रही है। लेकिन सबसे ज्यादा शर्मनाक बात ये है कि इस ड्रोन को यूक्रेन ने नहीं बल्कि रूस के ही एसयू-57 जेट ने मार गिराया। मलबे के विश्लेषण से पता चला यह रूस की अगली पीढ़ी के स्टील्थ ड्रोन का था।

कई चैनलों की ओर से बताया गया कि गलती से रूस ने ही इसे तबाह कर दिया। एक मीडिया रिपोर्ट में कहा गया कि पहले अनुमान लगाया जा रहा था कि यूक्रेनी सेना के हमले में ड्रोन गिरा। लेकिन यूक्रेन की सेना से जुड़े सूत्रों ने बताया कि यह रूस की गलती से ही गिरा है। बताया गया कि यह किसी जेट का नहीं बल्कि एक ड्रोन का मलबा है। क्रैश साइट से ली गई तस्वीरों में लाल सितारे वाला प्रतीक दिख रहा है। यह बताता है कि गिरने वाला एयरक्राफ्ट हंटर ड्रोन है। रूस की युद्ध क्षमताओं में यह महत्वपूर्ण है।इसका एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें आसमान में दो सफेद रेखा दिख रही है जो विमान और ड्रोन के इंजन से निकलने वाला धुआं है। ड्रोन आगे तो जेट पीछे दिख रहा है। तभी पीछे वाले धुएं से एक नई सफेद लाइन बनती हुई दिखती है, जो मिसाइल लॉन्च का संकेत देती है। यह सीधे जाकर ड्रोन को हिट करता है, जिससे आसमान में एक धमाका होता है। दावे के मुताबिक यह घटना फ्रंटलाइन के करीब एक परीक्षण उड़ान के दौरान हुई। तब ऑपरेटरों ने इस पर कंट्रोल खो दिया। इस डर से कि यह यूक्रेनी सेना के हाथ न लग जाए, रूसी कमांडरों ने कथित तौर पर इसे तबाह करने का आदेश दिया।

जकार्ता में इंडोनेशिया में सैन्य परेड के दौरन लोग भी सैन्य वाहन में दिखे।

इस्तांबुल में फिलिस्तान पर इजरायली हमले का विरोध करते हुए लोग।

अमेरिका राष्ट्रपति चुनावः संविधान को बचाने ट्रंप को जिताना ही होगाः एलन मस्क

पेनसिल्वेनिया,(ईएमएस)। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव की तारीख जैसे जैसे करीब आ रही है सियासी पारा भी चढ़ रहा है। वहीं पूर्व राष्ट्रपति और रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने पेंसिल्वेनिया एक चुनावी रैली की। इस रैली में मंच पर ट्रंप के साथ टेस्ला के सीईओ एलन मस्क भी उनके साथ दिखाई दिए।

मंच पर जाकर एलन मस्क ने ट्रंप के लिए समर्थन मांगा। इस चुनावी रैली में हजारों की संख्या में रिपब्लिकन पार्टी के समर्थक शामिल हुए। मंच से मस्क ने लोगों के सामने फाइट-फाइट और वोट-वोट के नारे लगाए। उन्होंने मंच पर आकर कहा कि संविधान को संरक्षित करने के लिए राष्ट्रपति ट्रंप को जीतना होगा। हमारे जीवनकाल का यह सबसे अहम चुनाव है और अमेरिका में लोकतंत्र को बनाए रखने के लिए ट्रंप को जिताना ही होगा। मस्क ने कहा कि डेमोक्रेट पार्टी लोगों से वोट देने के अधिकार को छीनना चाहते हैं।

बता दें कुछ दिन पहले पेंसिल्वेनिया में इसी जगह पर चुनावी रैली के दौरान ट्रंप पर हमला किया गया था।

ट्रंप ने गोलीबारी के बाद जहां से अपना भाषण छोड़ा था वहीं, से शुरू किया। ट्रंप ने जुलाई में हुई हत्या की कोशिश को याद करते हुए कहा कि मैं कभी हार नहीं मानूंगा। मैं कभी झुकूंगा नहीं। मैं कभी टूटूंगा नहीं। मैं कभी झुकूंगा नहीं, मौत के सामने भी नहीं। बता दें कि इस साल पांच नवंबर को अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव होना है जिसको लेकर चुनावी रैलिया आयोजित की जा रही हैं।

पश्चिमी देशों को नेतन्याहू की दो टूक, आपके समर्थन के साथ या उसके बिना जीतेंगे

येरूशलम। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन की आलोचना की है। मैक्रॉन ने एक रेडियो साक्षात्कार में इजरायल को हथियारों की आपूर्ति रोकने का आह्वान किया था और कहा था कि सभी सभ्य देशों को दृढ़ रहना चाहिए। नेतन्याहू ने इसे शर्मनाक करार दिया। सवाल किया कि क्या उनकी तरह ईरान हिजबुल्लाह, हूती, हमास और उसके सहयोगियों पर हथियार प्रतिबंध लगा रहा है? नेतन्याहू ने एक वीडियो संदेश में कहा, मैक्रॉन और अन्य पश्चिमी नेता अब इजरायल के खिलाफ हथियार प्रतिबंध की मांग कर रहे हैं, और जोर देकर कहा कि इजरायल उनके समर्थन के साथ या उसके बिना जीतेगा।उन्होंने कड़े शब्दों में कहा, लेकिन युद्ध जीतने के बाद भी उनकी शर्मिंदगी लंबे समय तक जारी रहेगी। नेतन्याहू ने कहा कि इजरायल आज सभ्यता के दुश्मनों के खिलाफ सात मोर्चों पर अपना बचाव कर रहा है। उन्होंने आगे कहा, क्या ईरान हिजबुल्लाह, हूती, हमास और उसके अन्य सहयोगियों पर हथियार प्रतिबंध लगा रहा है? बिल्कुल नहीं। ये सब साथ खड़े हैं। लेकिन जो देश कथित तौर पर इस आतंकी संगठनों का विरोध करते हैं, वे इजरायल पर हथियार प्रतिबंध लगाने का आह्वान करते हैं। नेतन्याहू ने दावा किया कि इजरायली सेना ने हिजबुल्लाह की मिसाइल और रॉकेट क्षमताओं का एक महत्वपूर्ण हिस्सा नष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा कि इजरायली सेना सीमा के पास लेबनानी समूह की सुरंग प्रणाली को नष्ट कर रही है। हालांकि खतरा पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है, लेकिन हमने संघर्ष का संतुलन बदल दिया है। लगभग एक महीने पहले, जैसे ही हम गाजा में हमास बटालियनों को नष्ट करने के अंत के करीब पहुंचे, हमने उत्तरी इजरायल के निवासियों से किए गए वादे को पूरा करना शुरू कर दिया। 23 सितंबर से, इजरायली सेना ने पूरे लेबनान में हिजबुल्लाह के खिलाफ अपने हवाई हमले तेज कर दिए हैं, जिसके परिणामस्वरूप कई नागरिक हताहत हुए हैं और कई क्षेत्रों से निवासियों को विस्थापित होना पड़ा है। हवाई हमलों में समूह के महासचिव हसन नसरल्लाह सहित प्रमुख हिजबुल्लाह नेताओं को भी निशाना बनाया गया और उनकी हत्या कर दी गई।

सियोल एयरबेस पर उतरते हुए दक्षिण कोरियाई लोग। ये लोग हिंसाग्रस्त लेबनान से निकाले गये हैं।

जयशंकर को इमरान खान ने दिया न्यौता, पाकिस्तान में मचा हड़कंप

इस्लामाबाद(ईएमएस)। भारत के विदेश मंत्री का नाम पाकिस्तान में गूंज रहा है। हर एक राजनैतक दल में जयशंकर के नाम की चर्चा है। इसी बीच वहां के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने उन्हे न्यौता देकर आग में घी का काम कर दिया है। दरअसल एस जयशंकर इस महीने की 15-16 तारीख को पाकिस्तान में होने वाले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शासनाध्यक्ष परिषद की बैठक में शामिल होने जा रहे हैं। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई), ने जयशंकर को विरोध प्रदर्शन में शामिल होने का व्यंग्यात्मक निमंत्रण दिया है, जिससे वहां की सत्तारूढ़ सरकार नाराज हो गई है।

रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भी इस मुद्दे पर कहा कि जयशंकर को निमंत्रण पीटीआई की विश्वसनीयता पर सवाल खड़ा करता है। इन सभी तीखी प्रतिक्रियाओं के बाद, सैफ ने स्पष्ट किया कि उनके बयान को गलत संदर्भ में लिया गया है। सत्तारूढ़ पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के नेता अताउल्लाह तरार और सिंध प्रांत के सूचना मंत्री सरजील मेमन ने इस निमंत्रण पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। तरार ने कहा कि यह बेहद गैरजिम्मेदाराना है और पाकिस्तान की शत्रुता को दर्शाता है। वहीं, मेमन ने इसे पीटीआई की देश विरोधी मानसिकता का प्रमाण बताया और आरोप लगाया कि पीटीआई एससीओ सम्मेलन को विफल करने की कोशिश कर रही है।

खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री के सूचना सलाहकार, मुहम्मद अली सैफ, ने एक टीवी कार्यक्रम में कहा कि पीटीआई जयशंकर को विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के लिए आमंत्रित कर सकती है। उन्होंने कहा कि जयशंकर पाकिस्तान आकर देख सकते हैं कि यहां लोकतंत्र कितना मजबूत है और हर किसी को विरोध प्रदर्शन का अधिकार है। यह बयान व्यंग्य के रूप में दिया गया था, लेकिन सत्तारूढ़ गठबंधन ने इसे गंभीरता से लिया और इसे पाकिस्तान विरोधी कदम करार दिया।पीटीआई वर्तमान में अपने नेता इमरान खान की रिहाई के लिए विरोध प्रदर्शन कर रही है, जो एक साल से अधिक समय से जेल में बंद हैं। पार्टी का आरोप है कि सरकार न्यायपालिका की स्वतंत्रता और संविधान का उल्लंघन कर रही है।

ईरान के पास कौन से हथियार.....जो इजराइल के लिए चुनौती

तेहरान (ईएमएस)। मध्य पूर्व में तनाव चरम पर है। ईरान ने इजरायल पर बड़ा हमला किया था। इसके बाद यहूदी राष्ट्र ने भी बदला लेने की शपथ ली है। इसके बाद आशंका है कि इन दोनों देशों के बीच यदि युद्ध छिड़ता है, तब यह एक बड़े क्षेत्रीय संघर्ष का रूप ले लेगा जोकि पूरे मध्य पूर्व को अपनी चपेट में ले सकता है। इस बीच सवाल खड़े हो रहे हैं कि क्या इजरायल ईरान से कमजोर पड़ रहा है? ईरान कितना ताकतवर है? ईरान के हमलों के बाद क्या इजरायल चुप बैठेगा? क्या ये हमला हिज्बुल्लाह संगठन प्रमुख नसरुल्लाह की मौत का बदला है?

ईरान की एजेंसी ने कहा था कि ईरान के 90 प्रतिशत हमले सफल हुए हैं और निशाने पर लगे हैं। इस बीच जानते हैं कि ईरान के पास कौन से ताकतवर हथियार हैं जो इजरायल के लिए बड़ी चुनौती बन सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के पास कई ताकतवर हथियार हैं, जिसमें अबू महदी मिसाइल, फतह हाइपरसोनिक बैलिस्टिक मिसाइल, मुहाजिर-10 ड्रोन, सेवोम खोरदाद और सैय्यद बख्तरबंद लड़ाकू वाहन शामिल है। ईरान के ये हथियार इजरायल के लिए चुनौती साबित हो सकते हैं। ईरान की अबू महदी मिसाइल समुद्र, जमीन और हवा से लांच की जा सकती है। इस मिसाइल की रेंज एक हजार किमी से अधिक है। यह मिसाइल कई गति सीमाओं पर उड़ान भर सकती है। वहीं ईरान की 1400 किमी रेंज वाली फतह-1 हाइपरसोनिक बैलिस्टिक मिसाइल 13 से 15 मैक तक की रफ्तार पकड़ सकती है। ये मिसाइल उड़ान में पैंतरेबाजी कर सकती है।

इसके साथ ईरान के पास मुहाजिर-10 ड्रोन है जो 24 घंटे तक लगातार उड़ान भर सकता है। इसकी रेंज दो हजार किमी है। यह 210 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से उड़ान भरने में सक्षम है। इतना ही नहीं यह ड्रोन तीन हजार किलोग्राम तक का वॉरहेड ले जा सकता है और सात हजार मीटर की ऊंचाई पर उड़ान भर सकता है। सेवोम खोरदाद, ईरान की एक मध्यम दूरी की वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली है। यह एयर डिफेंस सिस्टम एक साथ 350 किमी तक की दूरी पर 100 लक्ष्यों को ट्रैक करके उनमें से चार को निशाना बना सकता है। ईरान ने अपने एयर डिफेंस की ताकत जून 2019 को अमेरिका को दिखाई थी।

साथ ही ईरान पर सैय्यद एक बख्तरबंद लड़ाकू वाहन है। इस लड़ाकू वाहन को इसतरह से डिजाइन किया गया कि युद्ध के मैदान में दुश्मनों के खिलाफ प्रभावी ढंग से लड़ा जा सके। इसका उद्देश्य सैनिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और दुश्मन पर प्रभावी हमला करना है, इस उच्च सुरक्षा और फायरपावर के साथ विकसित किया गया है। बता दें कि ईरान के पास ताकतवर हथियार हैं जो उसे एक महत्वपूर्ण सैन्य शक्ति बनाती हैं। लेकिन इजरायल भी अपनी सुरक्षा के लिए तत्पर रहता है। इजरायल के पास भी आयरन डोम, डेविड्स स्लिंग और अन्य मिसाइल रक्षा प्रणालियां हैं, जो उसे संभावित हवाई हमलों से बचाने में मदद करती हैं।

ईरानी हमलों का जवाब देना इजराइल का कर्तव्य : नेतन्याहू

तेल अवीव,(ईएमएस)। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने फिर ईरान के मिसाइल हमलों का जवाब देने की बात कही है। उन्होंने तेल अवीव में सैन्य मुख्यालय से बोलते हुए कहा कि दुनिया का कोई भी देश अपने शहरों और नागरिकों पर इस तरह के हमलों को स्वीकार नहीं करेगा और इजराइल भी ऐसा नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि इन हमलों का जवाब देना इजराइल न केवल कर्तव्य है, बल्कि अधिकार भी है।

इससे पहले मंगलवार को ईरान ने करीब 200 बैलिस्टिक मिसाइल इजराइल पर दागे थे। इजराइली डिफेंस सिस्टम ने ज्यादातर मिसाइलों को नष्ट कर दिया था। कुछ मिसाइलें गिरी थीं। ईरानी पत्रकार ने दावा किया था कि इसमें इजराइल को नुकसान हुआ है लेकिन वह छिपा रहा है। हालांकि, कुछ मिसाइलों ने इजरायल में विशेषकर इजराइली एयरबेस को नुकसान पहुंचा था। इजराइली सेना ने कहा कि इस हमले में कोई विमान या महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को नुकसान नहीं हुआ है। नेतन्याहू ने उत्तरी इजराइल के नागरिकों को उनके घरों में वापस भेजने का वादा करते हुए कहा कि करीब एक महीने पहले जैसे ही हम गाजा में हमास के बटालियनों के अंत की ओर बढ़े, हमने उत्तर के लोगों से किया गया वादा पूरा किया। उन्होंने हिजबुल्लाह के नेताओं को खत्म करने का भी दावा किया।

नेतन्याहू ने कहा कि इजराइल ने हिजबुल्लाह के मिसाइल और रॉकेट भंडार का एक बड़ा हिस्सा नष्ट कर दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि इजराइली सैनिक हिजबुल्लाह की ओर से बनाई गई सुरंगों को नष्ट कर रहे हैं, लेकिन इस कार्य को अभी पूरा नहीं किया गया है। इस बीच नेतन्याहू ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों पर भी निशाना साधा, मैक्रों ने इजराइल को हथियार सप्लाई नहीं करने की बात कही थी। नेतन्याहू ने कहा कि राष्ट्रपति को ऐसा बयान देते समय सोचना चाहिए। उन्होंने विश्वास जताया कि चाहे हथियार मिले या न मिले, इजरायल की जीत तय है।

हैरिस के समर्थन में 10 अक्टूबर से ओबामा शुरु करेंगे चुनावी अभियान

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा 10 अक्टूबर से डेमोक्रेटिक उम्मीदवार कमला हैरिस के लिए चुनाव प्रचार कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे और हैरिस को जीत दिलाने लोगों से अपील करेंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ओबामा चुनाव प्रचार के दिन कमला हैरिस को उनके अभियान में मदद करेंगे। ओबामा प्रमुख राज्यों में भाषण देंगे इसकी योजना तैयार कर ली गई है, जिनमें से पहला पेंसिल्वेनिया, हैरिस के अभियान के एक वरिष्ठ सदस्य ने बताया कि हैरिस के कुछ कर्मचारियों सहित डेमोक्रेट चिंतित थे कि उपराष्ट्रपति पर्याप्त अभियान कार्यक्रम आयोजित नहीं कर रहे थे, जिससे उन्हें चुनाव में नुकसान हो सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव 5 नवंबर को होना है। डेमोक्रेटिक पार्टी का प्रतिनिधित्व उपराष्ट्रपति कमला हैरिस करेंगी और रिपब्लिकन पार्टी का प्रतिनिधित्व पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प करेंगे।

इजराइली हमले में मरने वालों की संख्या 21 हुई

गाजा,(ईएमएस)। मध्य गाजा पट्टी के दीर अल बलाह शहर में विस्थापित लोगों की एक मस्जिद पर इजराइल ने हमला कर दिया। इस हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर 21 हो गई है। मीडियो रिपोर्ट में सफ़ा ने पहले 13 लोगों की मौत की सूचना दी थी। इज़राइल रक्षा बलों ने शनिवार रात गाजा पट्टी के दीर अल बलाह शहर में इब्न रुश्द स्कूल और शुहादा अल-अक्सा मस्जिद पर हमला कर दिया। इजराइल का कहना है कि यह फिलिस्तीनी आंदोलन हमास का कमांड सेंटर बना हुआ था।

इमरान हुए 72 के, प्रशंसकों और राजनेताओं ने दी बधाई

इस्लामाबाद,(ईएमएस)। पाकिस्तान के पूर्व पीएम और मशहूर क्रिकेटर खिलाड़ी इमरान खान 72 साल के हो गए हैं। इमरान के समर्थकों ने उन्हें जेल से रिहा करने और 'न्यायपालिका की स्वतंत्रता' की मांग करते हुए एक रैली निकालने के लिए इस्लामाबाद की ओर कूच किया। सोशल मीडिया मंच पर उनके प्रशंसकों और राजनीतिक समर्थकों ने उन्हें जन्मदिन की बधाई देते 'हैप्पी बर्थडे इमरान खान'' कहा। उन्होंने इमरान की क्रिकेट खेलने के दौरान की तस्वीरें और वीडियो भी साझा किए हैं। इमरान खान 18 अगस्त 2018 से नौ अप्रैल 2022 तक पाकिस्तान के पीएम रहे थे क्योंकि उन्हें अविश्वास प्रस्ताव के बाद पद से हटा दिया गया था। उन्हें पिछले साल 5 अगस्त को तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में गिरफ्तार किया था। उसके बाद उनके खिलाफ एक के बाद एक कई मामले दर्ज किए गए और उनमें से कुछ में उन्हें दोषी करार दिया गया। वह एक साल से ज्यादा समय से जेल में बंद हैं। इमरान का जन्मदिन ऐसे समय में मनाया गया है जब उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने इस्लामाबाद के डी चौक और लाहौर के मीनार-ए-पाकिस्तान पर प्रदर्शन करने का फैसला किया है। पीटीआई प्रदर्शन न कर सकें, इसलिए वहां सेना को बुलाया गया।

हेलेन तूफान से अमेरिका में मरने वालों की संख्या 227 पहुंची

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिका में आए हेलेन तूफान से खासी तबाही हुई है, वहीं इसके प्रभाव से मरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर शनिवार को 227 हो गई। इस तूफान का सबसे ज्यादा असर अमेरिका के दक्षिण-पूर्व में देखा गया, जबकि छह राज्यों में अनेक लोगों की मौत हो गई।

अमेरिका में आए हेलेन तूफान के कारण चहुंओर तबाही का मंजर देखने में आया है। इस तूफान के कारण मारे गए लोगों के शवों को तलाशने और निकालने का कार्य एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी जारी है। बताते चलें कि तूफान 'हेलेन' 26 सितंबर को तट पर आया था। इसके बाद तूफान फ्लोरिडा से उत्तर की ओर बढ़ गया था, जहां पर व्यापक पैमाने पर विनाश हुआ है। तूफान के कारण हुई भीषण वर्षा में अनेक मकान या तो ढह गए या फिर पानी के साथ बह गए। अनेक सड़क मार्ग नष्ट हो गए और बिजली एवं मोबाइल फोन सेवाएं ठप प्रायः हो गईं। विभागीय जानकारी में बताया गया कि हेलेन तूफान में मारे गए लोगों की संख्या शुक्रवार को 225 थी, इसके अगले शनिवार को साउथ कैरोलाइना में दो और शव मिलने के बाद यह संख्या 227 पहुंच गई है। फिलहाल यह नहीं बताया जा सका है कि तूफान के कारण कितने लोग लापता हुए हैं, लेकिन तलाशी अभियान जारी है। ऐसे में यह आशंका भी जाहिर नहीं की जा सकती है कि मतकों की संख्या आगे और कितनी बढ़ने वाली है। हेलेन ने 2005 में आए कैटरीना तूफान की याद ताजा करा दी है, जो कि अमेरिका की भूमि पर आने वाले सबसे भयंकर तूफानों में से एक था।

चीनी हैकर्स ने अमेरिकी टेलीकॉम कंपनियों के डेटा में लगाई सेंध

वॉशिंगटन(ईएमएस)। चीनी हैकर्स ने कई अमेरिकी दूरसंचार कंपनियों में सेंध लगा दी है। रिपोर्ट के मुताबिक पिछले कुछ महीनों के अंदर ऐसा किया गया है। अमेरिकी जांचकर्ताओं को संदेह है कि इन हैकर्स ने वायरटेप वारंट रिक्वेस्ट्स की एक्सेस हासिल की है। साइबर सेंधमारी की इस खबर ने अमेरिकी अधिकारियों के होश उड़ा दिए हैं। हैकर्स ने जिस तरह से सेंधमारी को अंजाम दिया है, उसने राष्ट्रीय सुरक्षा की चिंता को बढ़ा दिया है। गौरतलब है कि चीन और अमेरिका के बीच साइबर जासूसी के मामलों को लेकर पहले ही काफी तनाव है। ऐसे में यह नई जानकारी सामने आने के बाद अमेरिका की परेशानी और बढ़नी तय है। अमेरिका स्थित चीनी दूतावास ने कहा है कि उनके देश के हैकर इसमें शामिल नहीं हैं। दूतावास के प्रवक्ता लीयू पेंग्यू ने हैकिंग से जुड़े आरोपों को तथ्यहीन बताया। साथ ही अमेरिका पर साइबर सिक्योरिटी के मामले का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया। फिलहाल इस मामले की जानकारी अमेरिकी कांग्रेस को भी दी जा चुकी है। दोनों हाउस और सीनेट की कमेटियों को हैकिंग कैंपेन से जुड़ी सभी अपडेट्स मुहैया कराई जा रही हैं। एटी एंड टी और लूमेन ने वर्तमान जांच को लेकर किसी भी तरह की टिप्पणी से इनकार किया है। उधर तमाम बड़ी अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियां मामले को लेकर जांच में जुटी हुई हैं। इनमें न्याय विभाग और एफबीआई शामिल है। इन सभी ने भी अपने होंठ सिल रखे हैं और किसी तरह का आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। हालांकि कितना नुकसान हुआ है और कितनी सूचनाएं चोरी हुई हैं, यह अभी जांच का विषय है। हैकर्स ने अमेरिका के बड़े ब्रॉडबैंड और इंटरनेट सर्विसेज को निशाना बनाया है। इसमें एटी एंड टी, वेरिजोन और लूमेन जैसे नाम शामिल हैं। अमेरिकी टेलीकॉम इंडस्ट्री में यह सभी बड़े नाम हैं। वहीं, अमेरिका स्थित चीनी दूतावास ने ऐसी किसी बात से इनकार किया है।अमेरिकी दूरसंचार उद्योग देश के इंटरनेट और फोन संचार की रीढ़ है।

सफलता का रहस्य है समय प्रबंधन

प्रत्येक काम नियत समय पर ही शोभा देता है इत्यादि। ब्रह्म-वाक्य हमें पता होते हुए भी हम व्यर्थ की बुराई-निंदा, टीका-टिप्पणी, आरोप-ताने-लांछन, अनर्गल वार्तालाप इत्यादि में समय नष्ट करते रहते हैं। स्वयं को अनुशासित रखकर इस समय को सार्थक, सदुपयोगी कार्यों में लगाया जा सकता है। इसके लिए प्राथमिकता निर्धारित करनी होगी। हम जो भी, जहां भी हों, हमारा कार्य-क्षेत्र कुछ भी हो, असीमित जिम्मेदारियां, उत्तरदायित्व एवं परेशानियां हो अगर उचित समय-प्रबंधन कर लिया तो कठिन समय सरल हो जाएंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। सम्मान, सराहना मिलेगी। संतोष-सुख का अनुभव भी होगा।

समय प्रबंधन आज के युग की एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है। प्रत्येक वर्ग, प्रत्येक श्रेणी वाला व्यक्ति समयाभाव का रोना रोता है। कार्यालय में काम करने वाला हो या व्यवसायी, गृहिणी हो या विद्यार्थी, अध्यापक हो या दुकानदार, हर व्यक्ति समय की कमी को रोना रोता हुआ पाया जाता है। जिसने समय प्रबंधन सीख लिया, वह जीवन के हर क्षेत्र में प्रगति एवं उन्नति करके सफलता की सीढ़ियां चढ़कर मंजिल एवं लक्ष्य प्राप्त करने में सफल हो सकता है। अनुशासन सर्वप्रथम आवश्यकता है। उसके बिना हमारे पास हमेशा 'समय की कमी' ही रहेगी। समय किसी के लिए रुकता नहीं है। बीता हुआ समय कभी लौटकर नहीं आता। समय डॉक्टर भी है, दवा भी है, इलाज भी है।

प्रत्येक काम नियत समय पर ही शोभा देता है इत्यादि। ब्रह्म-वाक्य हमें पता होते हुए भी हम व्यर्थ की बुराई-निंदा, टीका-टिप्पणी, आरोप-ताने-लांछन, अनर्गल वार्तालाप इत्यादि में समय नष्ट करते रहते हैं। स्वयं को अनुशासित रखकर इस समय को सार्थक, सदुपयोगी कार्यों में लगाया जा सकता है। इसके लिए प्राथमिकता निर्धारित करनी होगी। हम जो भी, जहां भी हों, हमारा कार्य-क्षेत्र कुछ भी हो, असीमित जिम्मेदारियां, उत्तरदायित्व एवं परेशानियां हो अगर उचित समय-प्रबंधन कर लिया तो कठिन समय सरल हो जाएंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। सम्मान, सराहना मिलेगी। संतोष-सुख का अनुभव भी होगा।

व्यस्त रहने से स्वास्थ्य ठीक रहेगा, भूख लगेगी, नींद अच्छी आएगी, हम प्रसन्नचित्त, तरोताजा रहेंगे। चेहरे पर गरिमामय तेज होगा एवं मन में सुकून होगा। समय विभाजन कर हम कम समय में अधिक से अधिक कार्य कर पाएंगे। समय बहुमूल्य है। खोई हुई धन-संपत्ति हम पुनः अर्जित कर सकते हैं किंतु समय नहीं। समय का गणित बहुत सरल है। जितने समय के लिए हमें जीवन जीने के लिए मिला है उसमें से जितना समय बीत गया, उसे घटाने पर शेष समय आ जाएगा। प्रतिक्षण, प्रतिपल यह समय कम होता जा रहा है। इसमें वृद्धि संभव नहीं है। परंतु शेष समय का श्रेष्ठ प्रबंधन संभव है।

दुनिया के विभिन्न देशों में अलग-अलग मुद्रा चलन में है। अलग पैमाने हैं परंतु समय सबके लिए समान है यानी एक दिन में चौबीस घंटे। हर घंटे में एक समान मिनट और सैंकड। दुनिया के अनेक महापुरुष हुए हैं। उनमें से किसी भी महापुरुष के पास भी दिन में चौबीस घंटे से अधिक समय नहीं था परंतु वे अपने निर्धारित समय वाले जीवन में ही समाज, देश एवं समस्त मानव-जाति क्रे लिए इतने अधिक काम कर गए कि इतिहास में उनके नाम स्वर्णाक्षरों में अंकित हो गए हैं।

समय गतिशील है। जितना अधिक हम इसका उपयोग कर पाएंगे उतने ही हम सफल होंगे। ऑफिस जाते समय बस या टेऊन में पुस्तक या समाचार पत्र पढ़ा जा सकता है। आते समय भी कुछ न कुछ सार्थक पढ़ा जा सकता है। सायंकाल भ्रमण के लिए जाते समय मौखिक भगवन्नाम-जप किया जा सकता है। ऑफिस में लंच समय में पत्रें का समय से उत्तर दिया जा सकता है।

किसी के यहां आवश्यक काम से जाने से पूर्व फोन करके उसकी उपलब्धता मालूम करके जाने से उसके नहीं मिलने की संभावना नहीं रहेगी। छुट्टी वाले दिन अलमारी की सफाई, पुराने पत्रें के उत्तर देना, बगीचे के पीछे से सफाई, घर के सभी कमरों के जाले निकलाना, वाश-बेसिन की सफाई इत्यादि कार्यों के लिए समय निकालना संभव है। कांफ्रेंस रुम में मीटिंग चलते समय डाक के कागज देखे जा सकते हैं। कर्मचारियों के छुट्टी वाले आवेदन पत्रें पर हस्ताक्षर किए जा सकते हैं, कोई तकनीकी मैगजीन पढ़ी जा सकती है। रात में सोने से पूर्व किसी साहित्यिक पत्रिका में से एक लेख या एक कहानी नियम से पढ़ ली जाए तो साहित्यिक क्षुधा या स्वतः ही शांत होती रहेगी। इन कार्यों के लिए हमारे पास समयाभाव रहता है परंतु हम पूर्व निर्धारित योजना द्वारा छोटे-छोटे व्यर्थ होने वाले समय का सदुपयोग कर सकते हैं।

जिसने समय-प्रबंधन सीख लिया, उसके जीवन में शानदार उपलब्धि प्राप्त कर ली, इसमें कोई संदेह-शंका नहीं है। हम भी समय-प्रबंधन को अपने जीवन में उतार लें, यही संकल्प हमें करना चाहिए।

उम्र के हिसाब से बदलती है बच्चों की जरुरतें

यह बात बिल्कुल सही है कि एक रात में ही बच्चे में अलग सोने की आदत नहीं विकसित की जा सकती। मां के साथ सोने से बच्चे को खुशनुमा और सुरक्षा का अहसास होता है। इसके लिए आपको शुरुआत करनी होगी। वैसे तो इसके लिए कोई निर्धारित समय नहीं है लेकिन कई बार बच्चे खुद भी इस बात को समझने लगते हैं कि उन्हें अकेला सोना चाहिए।

बच्चों को स्वभाव और जरूरत उम्र के हिसाब से बदलती रहती है। उनकी जरूरतों को समझना अभिभावकों की पहली जिम्मेदारी है। छोटे बच्चों को अपने साथ सुलाना आपकी और बच्चे दोनों की जरूरत है लेकिन जैसे-जैसे बच्चा बड़ा होता जाता है, उसे अलग सुलाने की आदत डालें। 8 ज्यादा से ज्यादा 10 साल की उम्र तक बच्चे में अलग सोने की आदत विकसित करें। इससे वह मजबूत होगा,उससे अंदर का डर निकल जाएगा। आप भी इस जरूरत को समझते हैं लेकिन बच्चो को इसके लिए तैयार नहीं कर पा रहे तो जानें कब करें बच्चे को अलग सुलाने की शुरुआत।

कब और कैसे करें शुरुआत

यह बात बिल्कुल सही है कि एक रात में ही बच्चे में अलग सोने की आदत नहीं विकसित की जा सकती। मां के साथ सोने से बच्चे को खुशनुमा और सुरक्षा का अहसास होता है। इसके लिए आपको शुरुआत करनी होगी। वैसे तो इसके लिए कोई निर्धारित समय नहीं है लेकिन कई बार बच्चे खुद भी इस बात को समझने लगते हैं कि उन्हें अकेला सोना चाहिए। आप 8 साल की उम्र के बाद ऐसी कोशिश कर सकते हैं।

एकदम नहीं धीरे-धीरे करें शुरुआत

बच्चे से इस बारे में बात करें। धीरे-धीरे बीच में एक दिन उसे अकेला सुलाएं। बीच-बीच में उसका ध्यान भी रखें। उसे इस चीज की आदत पड़नी शुरु हो जाएगी।

उसकी पसंद से सजाएं कमरा

बच्चे को सजा हुआ कमरा पसंद होता है। उसकी पसंद के हिसाब से उसका कमरा सजाएं। कमरे में जरूरत का हर सामान मौजूद होना चाहिए। आप कम बजट में क्रिएटिव तरीके से भी उसकी जरूरतों को पूरा कर सकते हैं। इससे कमरे में उसकी मन लगा रहेगा।

अलग सोने के फायदे

अगर बच्चा अकेला सोता है तो उसमें आत्मविश्वास आना शुरु हो जाता है। इसके साथ उसके मन से डर निकलना शुरु हो जाता है। उसे अपने काम खुद करने की आदत पड़ जाती है। इससे भविष्य में उसे लाभ होगा।

पर्सनालिटी पर क्या अच्छा लगेगा ये समझना ही फैशन है

महिलाओं में हमेशा में ये आदत होती है कि वह हमेशा भीड़ से अलग ग्लैमरस और स्टायलिश दिखना चाहती हैं। जब भी हम कहीं जाते हैं तो घर से निकलने से पहले हम ये सोचते हैं कि ऐसा क्या पहने की बाहर जाने के बाद सबकी निगाहें हम पर थम जाएँ। आप की पर्सनालिटी पर क्या अच्छा लगेगा ये समझना ही फैशन है। कुछ फैशन टिप्स का ख्याल रखेंगी तो आप भी स्टाइलिश और ग्लैमरस नजर आयेंगी।

फैशन टिप्स की बात करें तो सबसे पहले अपनी अलमारी पर ध्यान दें। बदलाव लाने के लिए आपको सबसे पहले अपना वार्डरोब देखें और जो भी कपड़े आउट ऑफ फैशन हो गये हो उसे बाहर निकाल दें या किसी जरूरतमंद को दान दे। अगर आप किसी समारोह में जा रहीं हैं या आपको शॉपिंग करनी है तो भी आप अच्छी ड्रेस के साथ ही अच्छे मेकअप और हेयर स्टाइल में निकले। अगर आप शॉपिंग करने गयी हैं तो कपडे खरीदने से पहले आप एक बार ड्रेस को जरुर ट्राई कर लें और वहां मौजूद शीशे की मदद से यह जांच लें कि वह आप पर अच्छी लग रही है या नहीं। यदि आप रोजाना अपने कपड़ों में इस्तरी नही कर पाती हैं पर आप आरामदायक कपडे पहन चाहती हैं तो आप लाइक्रा का चुनाव करें।

अच्छी ड्रेस के साथ अच्छा हेयर स्टाइल भी बेहद जरूरी है। सही हेयर स्टाइल आपके लुक को आकर्षक बनाता है। आप बाज़ार में मौजूद विभिन्न प्रकार के हेयर एक्सेसरीज़ का इस्तेमाल भी कर सकती है। फैशन टिप्स में मेकअप भी अहम योगदान देता है। हमेशा मेकअप ड्रेस और समारोह के अनुसार करें। अत्यधिक मेकअप आपके फैशन को ख़राब कर सकता है। इसके साथ ही सही परफ्यूम भी बेहद जरूरी होता है।

अच्छे कपड़ो के साथ अच्छी खुशबू आपके फैशन को और अच्छा बना देती है।इसीलिए हमेशा सही परफ्यूम का चुनाव करें। कई बार ऐसा होता है कि आपकी अलमारी कपड़ों से भरी होती है पर क्या पहने आपको यह समझ नही आता। अगर आपके साथ भी यह होता है तो अब अलमारी को साफ़ करने का वक़्त आ गया है। आप अपनी अलमारी से अनुपयोगी कपड़ों को निकाल दें। बाज़ार में हमेशा नए-नए स्टाइल के कपड़े आदि आते रहते हैं, जरूरी है कि आप खुद को फैशन टिप्स से अपडेट रखें। अगर आप इन बातों को ध्यान रखेंगी तो हमेशा स्टायलिश नजर आयेंगी।

12वीं पास नहीं हो पाये हैं तो यहां बनायें करियर

अगर आप 12वीं में पास नहीं हो पाए हैं तो निराश होने की जरूरत नहीं है। आपके पास अब भी कई विकल्प हैं। सबसे पहला तो ये है कि अगले साल एक बार फिर मेहनत कर परीक्षा दें। वहीं अगर आप ऐसा नहीं करना चाहते हैं तो कई ऐसे भी कोर्स हैं, जो कि आप 12वीं पास ना होने पर भी कर सकते हैं और उसके बाद अच्छा खासा पैसा भी कमा सकते हैं। ये विकल्प इस प्रकार हैं।

इंजीनियरिंग डिप्लोमा करें

12वीं बोर्ड परीक्षा में असफल होने वाले उम्मीदवार 10वीं कक्षा की मार्कशीट के आधार पर इंजीनियरिंग तकनीकी डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं। इससे आप किसी एक विषय के बारे में जानकारी प्राप्त करते हैं और आपको नौकरी मिलने में आसानी हो जाती है।

अन्य डिप्लोमा कोर्स- आप अन्य फील्ड में डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं। इसके लिए 10वीं पास योग्यता चाहिए और आप इस कोर्स के बाद प्राइवेट सेक्टर में नौकरी प्राप्त कर सकते हैं। इनमें एनिमेशन डिप्लोमा, इंटीरियर डिजाइन मास्टर डिप्लोमा, फैशन डिप्लोमा, आईआईएफए जैसे इंस्टिट्यूट में आपके लिए अच्छे विकल्प हैं। इसके अलावा, एएनटीएस, अमेरिकन एनिमेशन जैसे इंस्टिट्यूट भी ऐसे डिप्लोमा करवाते हैं।

कम्प्यूटर कोर्स

अगर आपको एनिमेशन, फैशन या किसी ऐसी मल्टीमीडिया क्रिएटिव फील्ड या इंजीनियरिंग में नहीं जाना है तो आपके लिए कई कम्प्यूटर कोर्स हैं जिनकी मदद से बेस्ट करियर बनाया जा सकता है। इसमें वीडियो एडिटिंग से लेकर एचटीएमएल, ड्रीमव्यूअर, मोबाइल क्रैश कोर्स, हार्डवेयर और नेटवर्किंग जैसे कई विकल्प शामिल हैं। सरकारी नौकरी- पीएससी भी आपके लिए विकल्प है। सरकार कई ऐसे पदों पर भी भर्ती निकालती है, जहां 10वीं पास भी आवेदन कर सकते हैं।

रिटर्न शॉट लगाते हुए सर्बिया के जोकोविच।

बिजिंग में चीन ओपन टेनिस में खेलती हुई कैरोलिन मुसेवा।

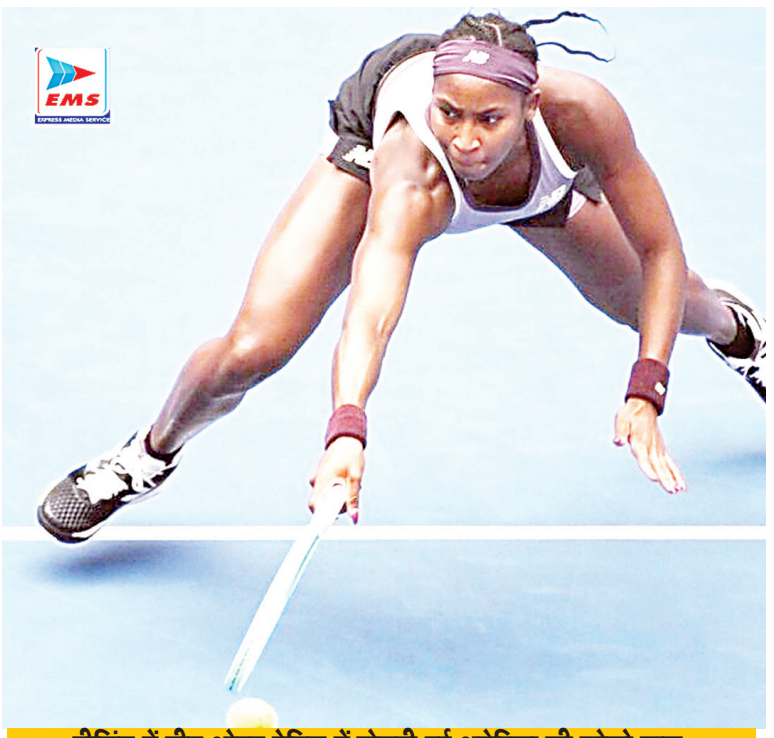

बीजिंग में चीन ओपन टेनिस में खेलती हुई अमेरिका की कोको गाफ.

चीन ओपन : कोको गॉफ फाइनल में पहुंची

बीजिंग (ईएमएस)। अमेरिका की महिला टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ चीन ओपन के फाइनल में पहुंच गयी हैं। गॉफ ने इस मुकाबले के दौरान एक सेट से पीछे होने के बाद शानदार वापसी करते हुए पाउला बडोसा को 4-6, 6-4, 6-2 से हराया। इससे पहले भी गॉफ ने एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए अपने मैच जीते हैं। वापसी कर मैच को अपने नाम किया। गाफ बडोसा के खिलाफ शुरुआती सेट में हारने के बाद दूसरे सेट में भी 1-3 से पीछे हो गयी थी पर इसके बाद उसने कोई गलती नहीं की। गॉफ का सामना अब उसकी टक्कर चीन की झेंग किनवेन या चेक गणराज्य की कैरोलिना मुचोवा से होगा ।

आईएमएल लीग में खेलते नजर आयेंगे सचिन सहित दिग्गज क्रिकेट

गावस्कर होंगे कमिश्नर

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर को इंटरनेशनल मास्टर्स लीग (आईएमएल) के लिए कमिश्नर बनाया गया है। फ्रैंचाइजी आधारित ये टी20 लीग इसी साल शुरु होगी। इसमें छह टीमें शामिल होंगी। ये टूर्नामेंट हर साल खेला जाएगा। इसमें भारत, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, वेस्ट इंडीज, इंग्लैंड और श्रीलंका के दिग्गज खिलाड़ी खेलते हुए दिखेंगे।

इसमें लोगों को एक बार फिर सचिन तेंदुलकर की बल्लेबाजी देखने का अवसर फिर मिलेगा। इस लीग को लेकर गावस्कर बेहद उत्साहित हैं। उनका कहना है कि इससे पूर्व खिलाड़ियों में फिर से ऊर्जा आयेगी। उन्हें एक बार फिर से अपने देश के लिए खेलने का अवसर मिलेगा। ये टूर्नामेंट में अंतरराष्ट्रीय स्तर का ही होगा।

गावस्कर ने सचिन के खेलने को लेकर कहा कि वह हमेशा ही ताजगी से भरे रहते हैं। वह सिर्फ भारतीय नहीं, बल्कि हर क्रिकेट प्रेमी के दिल में बसते हैं। इसलिए उनके फिर से मैदान में उतरने को लेकर बहुत उत्साह और बेसब्री है। वह हर खेल को पूरी लगन से खेलते हैं, तो हम उम्मीद कर सकते हैं कि आगे कुछ रोमांचक पल देखने को मिलेंगे।

गावस्कर ने कहा कि पहले सत्र के लिए केवल तीन स्थल रखे गये हैं पर जैसे-जैसे सीजन आगे बढ़ेंगे, और भी स्थानों पर आईएमएल का आयोजन हो सकेगा। गावस्कर ने कहा कि कमिश्नर के तौर मुझे ये देखना होगा कि लीग बिना किसी परेशानी के सुचारू रूप से चले। खिलाड़ियों को पता है कि उनसे क्या उम्मीद की जाती है और वे पर्याप्त अनुभवी हैं,।

रैना की सिक्सी स्ट्राइक्स टूर्नामेंट में आक्रामक बल्लेबाजी

भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना आजकल अमेरिका में जारी सिक्सी स्ट्राइक्स टूर्नामेंट में अपने आक्रामक बल्लेबाजी से छाये हुए हैं। रैना ने यहां आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए अपनी टीम को जीत भी दिलायी है। इस टूर्नामेंट में वह न्यूयॉर्क लायंस की ओर से खेल रहे हैं। न्यूयॉर्क लायंस और लॉस एंजिलिस वेव्स के बीच खेले गये मुकाबले में रैना ने बांग्लादेश के ऑलराउंडर शाकिब अल हसन की गेंदों की भी जमकर पिटाई की ।रैना ने शाकिब के ओवर में दो छक्के लगा दिया। इसके अलावा चौका भी लगाया । शाकिब के ओवर से कुल 18 रन आए थे। रैना की इस तेज पारी की वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर ने 28 गेंद पर 53 रन बनाए। उनके बल्ले से इस पारी में 6 चौके और 3 छक्के देखने को मिले। रैना के कारण न्यूयॉर्क लायंस 19 रन से जीत दर्ज करने में सफल रही। निर्धारित 10 ओवर में न्यूयॉर्क ने 4 विकेट पर 126 रन ठोक बनाये। रैना ने उपुल थरंगा के साथ मिलकर 89 रन की साझेदारी की। इसके बाद अन्य बल्लेबाजों ने टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया।

पूर्व क्रिकेटर सलिल अंकोला की मां घर में मृत पायीं गयीं

पुणे (ईएमएस)। पूर्व क्रिकेटर सलिल अंकोला की मां माया अंकोल का निधन हो गया है। 77 साल की माया अंकोला घर में मृत पायी गयी। ये मामला संदिग्ध नजर आ रहा है। अब तक जानकारी के अनुसार किसी अज्ञात व्यक्ति के हमले में इस क्रिकेटर की मां की मौत हुई है पॉश डेक्कन इलाके में प्रभात रोड पर अंकोला का घर है। इस मामले की जांच के लिए विशेषज्ञों के साथ पुलिस की टीमें भी पहुंची। घर की नौकरानी ने सबसे पहले माया अंकोला को मृत देखा और उसी के बाद पुलिस वहां पहुंची। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि क्रिकेटर की मां को तत्काल ही अस्पताल ले जाया गया था। मौत के सही कारणों का पता लगाने के लिए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। उसकी रिपोर्ट के बाद ही इस मामले में पक्के तौर पर कुछ कहा जा सकेगा। अब तक की जांच में उनके घर में जबरन किसी के प्रवेश की आशंका नजर नहीं है। इसके अलावा आप-पास रहने वाले लोगों ने घर से कोई आवाज सुनी है। पुलिस अभी सीसीटीवी के आधार पर आरोपी की पहचान करने का प्रयास कर रही है। सबूत एकत्र

करने के लिए फोरेंसिक विशेषज्ञों की एक टीम अंकोला स्थित घर पहुंच गई है और अपराध की जांच के लिए कई टीमों का गठन किया गया है। इस क्रिकेटर के साथ दूसरी बार ये ये हादसा हुआ है। इससे पहले 2013 में उनकी पत्नी ने भी आत्म हत्या कर ली थी

महाराष्ट्र की ओर से खेलने वाले अंकोला ने अपने क्रिकेट करियर की शुरुआत काफी पहले की थी। साल 1989 को उन्हें भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू का मौका मिला। बाद में सलिल ने वनडे में भी डेब्यू किया। वह 1996 के विश्व कप में भारतीय टीम में हिस्सा थे हालांकि उन्हें खेलने का अवसर नहीं मिला था।

सहवाग के जोखिम भरे शॉट को लेकर भडक गए थे जॉन राइट

नई दिल्ली (ईएमएस)। आक्रामक बल्लेबाजी शैली और जोखिम लेने की प्रवृत्ति पूर्व भारतीय ओपनर वीरेंद्र सहवाग हमेशा चर्चा का विषय बनाती रही है। एक बार तो सहवाग के कोच जॉन राइट इतना नाराज हो गए कि उन्होंने सहवाग को मुक्का मार दिया। यह घटना उस समय की है जब सचिन तेंदुलकर भी ड्रेसिंग रूम में मौजूद थे, लेकिन उन्होंने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। सौरव गांगुली ने इस बारे में एक किस्सा साझा किया है, जिसमें बताया गया कि कैसे सहवाग ने एक मैच में अपने जोखिम भरे शॉट के कारण कोच को भड़काया। गांगुली ने कहा, "मुझे याद है कि यह श्रीलंका के खिलाफ एजबेस्टर में हुआ था। उस समय हमारा लक्ष्य 210 रन का था। सहवाग ने अपनी धुआंधार बल्लेबाजी से हमें जीत दिलाई। मैच के बाद, जब मैं ड्रेसिंग रूम में गया, तो माहौल काफी गंभीर था।"गांगुली ने अनिल कुंबले से पूछा कि ऐसा क्यों हुआ, तो कुंबले ने बताया कि जॉन राइट ने सहवाग को कोने में घसीटकर मुक्का मारा। राइट ने सहवाग से कहा, "अब तुम भारत के लिए दोबारा नहीं खेलोगे, क्योंकि उस शॉट के कारण हम हार सकते थे।" गांगुली ने जॉन से पूछा कि क्या सहवाग ने पलटकर कोई प्रतिक्रिया दी, तो राइट ने कहा कि सहवाग ने ऐसा नहीं किया।

जब गांगुली ने सहवाग से बात की, तो उन्होंने इसे हल्के में लिया और कहा, "जाने दो, ऐसा होता रहता है। मैंने एक खराब शॉट खेला।" इसके बाद, गांगुली ने सचिन से इस बारे में पूछा, तो सचिन ने कहा कि वह उस समय चाय का आनंद ले रहे थे और स्थिति को देखकर कुछ नहीं बोले। यह घटना सहवाग के खेल के प्रति उनकी साहसिकता और टीम के माहौल को दर्शाती है। बता दें कि सहवाग के आक्रामक खेल के कारण उन्हें इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे विस्फोटक बल्लेबाजों में से एक माना जाता है। वह पहले गेंद से ही गेंदबाजों पर दबाव बनाने में माहिर थे।

फीफा ने इजरायली फुटबॉल महासंघ को निलंबित करने से इंकार किया

फलस्तीनी फ़ुटबॉल ने की थी मांग

ज्यूरिख (ईएमएस)। विश्व फुटबॉल की शीर्ष संस्था (फीफा) ने इजरायल फुटबॉल महासंघ की सदस्यता समाप्त करने की मांग ठुकरा दी है। इससे पहले फलस्तीन ने मई में हुई फीफा की बैठक में इजरायल की सदस्यता निलंबित करने की मांग की थी। वहीं इस मामले में अब फैसला आया है। फीफा ने यहां आयोजित अपनी शीर्ष परिषद की बैठक के बाद कहा कि इजरायली फुटबॉल महासंघ को निलंबित नहीं किया हालांकि उसने कहा कि फलस्तीन के अधिकारियों द्वारा लगाए गए कथित भेदभाव के आरोपों की जांच की जाएगी।

फीफा ने कहा कि उसका एक सीनियर पैनल फलस्तीन के क्षेत्र में स्थित इजरायली फुटबॉल टीमों की इजरायली प्रतियोगिताओं में भागीदारी की जांच करेगा। वहीं फलस्तीन फ़ुटबॉल महासंघ अधिक समय से फीफा से वेस्ट बैंक की बस्तियों की टीमों को अपनी लीग में शामिल करने के लिए इज़रायली फ़ुटबॉल संस्था के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग कर रहा है।

स्पेन में ला लिगा फुटबफॉल में खेलते हुए रियल मैड्रिड और विलारेल के खिलाड़ी।

रिंकू सिंह ने बनवाया भगवान की योजना वाला टैटू

ग्वालियर (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक क्रिकेटर रिंकू सिंह टैटू के खासे शौकीन हैं। रिंकू ने इस बार जो टैटू बनवाया है। वहीं अन्य से काफी अलग हैं। रिंकू ने कहा मेरी एक प्रसिद्ध कहावत है गॉड प्लान (ईश्वर की योजना)। मैंने अपना टैटू उसी के आधार पर डिजाइन किया है। इसमें भगवान की योजना शब्द एक वृत्त के अंदर लिखा हुआ है, जो सूर्य का प्रतीक है। साथ ही कहा कि टैटू मुख्य रुप से आईपीएल में मेरे 5 छक्कों का प्रतिनिधित्व है। इस मैच से मेरा जीवन बदल दिया। इसलिए मैंने सोचा कि मैं उन्हें टैटू में शामिल करूंगा। रिंकू आईपीएल 2023 के दौरान लगातार लगाए गए 5 छक्कों से सबकी नजरों में आये थे। तब उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए खेलते हुए अंतिम 5 गेंदों पर गुजरात टाइटंस के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज यश दयाल पर 5 छक्के लगाकर अपनी टीम को जीत दिलाई थी। रिंकू ने उस सत्र के 14 मैचों में 149.53 की स्ट्राइक रेट से 474 रन बनाए, जिससे उन्हें भारतीय टीम में बुलाया गया। अगस्त 2023 में आयरलैंड के खिलाफ अपने अंतरराष्ट्रीय पदार्पण के बाद से रिंकू भारत के लिए फिनिशर के रूप में उभरे हैं।

डब्लूटीसी फाइनल के लिए दावेदारी की रेस में हैं भारत, ऑस्ट्रेलिया सहित ये दो टीमें

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम बांग्लादेश के ख़िलाफ़ टेस्ट सीरीज़ में जीत के बाद विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लूटीसी) फाइनल के लिए एक प्रबल दोवेदार के तौर पर उभरी है। इसका कारण है कि भारतीय टीम अभी अंक तालिका में शीर्ष पर बरकरार है। उसके और दूसरे स्थान पर चल रही ऑस्ट्रेलिया के बीच का अंतर भी बढ़ा है हालांकि इसके बाद भी भारतीय टीम का फाइनल में पहुंचना न्यूज़ीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसके प्रदर्शन पर आधारित रहेगा। डब्लूटीसी के फ़ाइनल में जगह बनाने के लिए भारतीय टीम को इन मुकाबलों में जीत दर्ज करनी होगी। डब्लूटीसी चक्र में अभी 26 टेस्ट मैच होने हैं और पहले दो स्थानों के लिए टक्कर बढ़ती जा रही है। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया के अलावा श्रीलंका और दक्षिण अफ़्रीका से भी भारतीय टीम को कड़ी टक्कर मिलेगी।

भारतीय टीम के अभी 74.24 प्रतिशत अंक हैं। वहीं अगर वह न्यूज़ीलैंड से 3 टेस्ट और ऑस्ट्रेलिया से पांच मैच जीतती है तो उसके 85.09 प्रतिशत अंक हो जाएंगे। ऐसे में उसका फाइनल में पहुंचना तय रहेगा। इसके लिए उसे कम से कम चार टेस्ट मैच जीतने होंगे और दो टेस्ट मैच ड्रॉ (56 अंक) कराने होंगे। जिसकी बदौलत वह 67.54 प्रतिशत अंक तक पहुंच जाएंगे।

ऑस्ट्रेलिया

वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम के अभी 62.5 प्रतिशत अंकों के साथ भारत के बाद तालिका में दूसरे स्थान पर है और अगर वह अपने सभी सात मैच जीत जाती है तब उसके खाते में 76.32 प्रतिशत अंक हो सकते हैं। जिन दो टीमों, भारत और श्रीलंका के ख़िलाफ़ उसे दो श्रृंखलाएं खेलनी हैं वे भी फ़ाइनल में पहुंचने के प्रबल दावेदार हैं। पांच जीत उन्हें 65.79 प्रतिशत अंकों तक पहुंचाएगी लेकिन भारत और दक्षिण अफ़्रीका तब भी ऑस्ट्रेलिया से आगे जाने की स्थिति में होंगे।

दक्षिण अफ़्रीका

दक्षिण अफ़्रीका अगर अपने शेष सभी छह टेस्ट जीत लेती है तब वह 69.44 अंकों तक पहुंच सकती है जबकि ऑस्ट्रेलिया चार टेस्ट जीतती है और दो टेस्ट ड्रॉ रहते हैं तो वह 64.04 अंकों तक ही पहुंच सकती है।अगर भारतीय टीम को 56 से कम अंक हासिल होते हैं तब हो सकता है कि वह शीर्ष दो स्थानों में शामिल नहीं रहे। अगर वह चार मैच जीतती है और एक मैच ड्रॉ होता है तब ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ़्रीका भारत से आगे निकल जाएं। ऐस में श्रीलंका भी 67 से अधिक प्रतिशत अंक के साथ अंक तालिका में भारतीय टीम से आगे निकल जाएगी पर इसके लिए उसे दक्षिण अफ़्रीका और ऑस्ट्रेलिया को हराना होगा।

श्रीलंका

श्रीलंकाई टीम के अभी 55.56 प्रतिशत अंक हैं और उसे दक्षिण अफ़्रीका और ऑस्ट्रेलिया से दो-दो टेस्ट खेलने हैं। न्यूज़ीलैंड की टीम को श्रीलंका ने बीती टेस्ट सीरीज में 2-0 से मात दी थी। इस शानदार जीत की वजह से श्रीलंका की टीम को 24 महत्वपूर्ण अंक हासिल हुए हैं। इस कारण से श्रीलंका की टीम भी अब डब्लूटीसी फ़ाइनल में पहुंचने की दावेदार बन गई है। अगर श्रीलंका की टीम धीमी ओवर गति के कारण बिना कोई अंक गंवाये चारों मैच जीत लेती है तो उनके पास 69.23 प्रतिशत अंक हो जाएंगे और तब वे अन्य टीमों के नतीजों पर निर्भर नहीं रहेंगे। हालांकि अगर वह एक मैच हार जाते हैं और तीन में उन्हें जीत मिलती है तब ऐसी स्थिति में उनके पास 61.54 प्रतिशत अंक होंगे लेकिन इसके बावजूद उनके फ़ाइनल में पहुंचने की संभावना बनी रहेगी।

इंग्लैंड

इंग्लैंड टीम के 42.19 प्रतिशत अंक हैं और उसे पाकिस्तान से 3 टेस्ट और न्यूज़ीलैंड से भी इतने ही टेस्ट खेलने हैं। श्रीलंका के ख़िलाफ़ अंतिम टेस्ट में इंग्लैंड की हार ने यह तय कर दिया है कि वह इस चक्र में 60 प्रतिशत अंकों से आगे नहीं जा सकते। अपने शेष सभी छह टेस्ट जीतकर वह 57.95 अंकों तक ही पहुंच सकते हैं। ऐसी स्थिति में भी उन्हें अन्य टीमों के परिणामों पर आधारित रहना होगा।

दिल्ली फ्रेंचाइजी के हॉकी निदेशक बने श्रीजेश

नई दिल्ली (ईएमएस)। भातीय हॉकी टीम के स्टार गोलकीपर रहे पीआर श्रीजेश को आगामी हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के लिए दिल्ली फ्रेंचाइजी का हॉकी निदेशक बनाया गया है। इस लीग के लिए एसजी स्पोर्ट्स, मीडिया एंड एंटरटेनमेंट (एसजीएसई) ने एचआईएल के लिए दिल्ली टीम का अधिग्रहण कर उसे दिल्ली एसजी पाइपर्स नाम दिया है। ये लीग 28 दिसंबर से शुरू होगी तथा दो स्थानों राउरकेला (पुरुष) और रांची (महिला) में आयोजित की जाएगी।

इसमें पुरुषों की प्रतियोगिता में आठ टीमें होंगी जबकि पहली बार आयोजित होने वाली महिला स्पर्धा में छह टीमें भाग लेंगी। ये लीग 28 दिसंबर से एक फरवरी तक खेली जाएगी। खेल की विश्व नियामक संस्था एफआईएच ने एचआईएल को 10 साल की अनुमति दी है। इस लीग के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 13 से 15 अक्टूबर तक यहां होगी। कुल 10 फ्रेंचाइजी मालिक इसमें शामिल होंगे। श्रीजेश लीग में खेल के प्रशासनिक पक्ष से जुड़ रहे हैं। श्रीजेश ने कहा, ''मेरे लिए यह पूरी तरह नया अनुभव होगा। पिछले महीने तक मैं एक सक्रिय खिलाड़ी था पर अब मैं एक अलग भूमिका में रहूंगा।'' उन्होंने कहा, '' अब मैं और नहीं खेलना चाहता बल्कि भारतीय हॉकी के लिए अगली पीढ़ी के विकास में मदद करना चाहता हूं।

शिवम दुबे ने पसंदीदा कप्तान को लेकर दिये अपने जवाब से सभी को प्रभावित किया

मुम्बई (ईएमएस)। ऑलराउंडर शिवम दुबे से एक शो दौरान कहा जब पूछा गया कि उनका पसंदीदा कप्तान कौन है तो शिवम ने एक ऐसा जवाब दिया जिसे सभी ने पसंद किया है। शिवम से महेन्द्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा के के बारे में पूछा गया था। तब उनके जवाब से दर्शकों के साथ ही मेजबान और अन्य क्रिकेटर भी प्रभावित नजर आये

शिवम ने इसके जवाब में कहा , जब मैं चेन्नई के लिए खेलता हूं, तो एमएस धोनी सर्वश्रेष्ठ होते हैं, वहीं जब मैं भारतीय टीम से खेलता हूं तो रोहित शर्मा सर्वश्रेष्ठ होते हैं। शिवम चोटिल होने के कारण बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज से बाहर हैं। उनकी पीठ में चोट लगी थी, जिसके कारण उन्हें पूरी सीरीज से बाहर होना पड़ा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने उनके स्थान पर तिलक वर्मा को शामिल किया है। दुबे अभ्यास सत्र के दौरान चोटिल हो गए थे। चोट के कारण वे ईरानी कप के लिए मुंबई की टीम से भी बाहर हो गए। हालांकि उनकी चोट की गंभीरता स्पष्ट नहीं है, लेकिन टीम प्रबंधन ने उनकी स्थिति को और खराब होने से बचाने के लिए सतर्क रुख अपनाया है।

मांजरेकर बोले, मैं उत्तर भारतीय क्रिकेटरों पर ध्यान नहीं देता

दुबई (ईएमएस)। पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर अपने विवादास्पद बयानों के लिए हमेशा चर्चाओं में रहते हैं। इस बार महिला टी20 विश्वप में मांजरेकर ने भारत और न्यूजीलैंड मैच के दौरान एक अजीब सी टिप्पणी कर दी जिसके बाद से ही वह प्रशंसकों की आलोचना झेल रहे हैं। न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी के दौरान मांजरेकर ने महिला टीम के फील्डिंग कोच मुनीश बाली को लेकर कहा कि मुझे उत्तर भारतीय क्रिकेटरों में कोई रुचि नहीं है। साथ ही कहा कि उत्तर के खिलाड़ियों की तरफ मेरा ज्यादा ध्यान नहीं होता। इसलिए पहचान नहीं पाया। भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप 2024 के पहले मुकाबले में 58 रन से हार का सामना करना पड़ा है। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने स्वीकार किया कि उनकी टीम ने 58 रन की हार के दौरान अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट नहीं खेला।

टी20 विश्व कप : श्रीलंकाइ महिला टीम दूसरे मैच में ऑस्ट्रेलिया से हारी

शारजाह (ईएमएस)। श्रीलंकाई महिला क्रिकेट टीम को टी20 विश्व कप के अपने दूसरे मैच में भी हार का सामन करना पड़ा है। श्रीलंकाई टीम को गत विजेता ऑस्ट्रेलिया टीम ने हराया। है। इस मुकाबले में श्रीलंकाई टीम ने पहले खेलते हुए 20 ओवरों में 7 विकेट खोकर 93 रन बनाए थे। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया टीम ने बेथ मूनी के 43 रनों की बेहतरीन पारी से 6 विकेट से 14.2 ओवर में ही मुकाबला जीत लिया। हर्षिता ने 35 गेंदों पर 23 जबकि निष्काशी ने 40 गेंदों पर 29 रन बनाए। वहीं ऑस्ट्रेलिया की ओर से मेघन ने 4 ओवर में 12 रन देकर 3 विकेट लिए।

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान एलिसा हीली ने जीत पर खुशी जताते हुए कहा कि हां, हमने अच्छी शुरुआत की है और मैं इससे खुश हूं। हमने हालातों के साथ बेहतर तालमेल दिखाय। अब हमारा लक्ष्य अगले मैच में जीत दर्ज करना है। साथ ही कहा कि हम पूरे टूर्नामेंट में कुछ अलग चीजें आजमाएंगे। हमारी बल्लेबाजी लाइनअप अच्छा कर रही है पर गेंदबाज लय में नहीं दिखे। वहीं श्रीलंकाई कप्तान चमारी अथापत्थु ने हार पर निराश होते हुए कहा कि हम पिछले 2 महीनों में अच्छा क्रिकेट खेल रहे थे, यहां तक कि वॉर्मअप में भी हमारा प्रदर्शन अच्छा था पर हम कम टर्न और उछाल वाली इन पिचों पर हमारी खिलाड़ी लंबी पारी नहीं खेल पायीं। मुझे उम्मीद है कि हम अपने अगले गेम में सुधार करेंगे।

आईपीएल में भी कप्तानी करना चाहते हैं सूर्यकुमार

ग्वालियर (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव आने वाले समय में आईपीएल में भी कप्तानी करना चाहते हैं। अभी सूर्या भारतीय टी20 टीम के कप्तान हैं। ऐसे में उनकी फ्रेंचाइजी मुंबई इंडियंस उन्हें हर हाल में बरकरार रखना चाहेगी। आईपीएल के लिए निलामी दिसंबर में होगी। अब देखना है कि मुम्बई उन्हें कप्तानी को अवसर देगी या नहीं। मुम्बई ने पिछले सत्र में हार्दिक पंडया को कप्तान बनाया पर उनका और टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। पिछले आईपीएल के बाद से सूर्यकुमार सबकी नजरों में हैं। ऐस में मुंबई इंडियंस उन्हें कोई अहम भूमिका देना चाहेगी सूर्यकुमार ने कहा कि मैं किसी भी नई भूमिका के लिए तैयार रहूंगा। सूर्या ने श्रीलंका के खिलाफ कप्तानी करने से पहले ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हुई सीरीज में भी कप्तानी की थी। वहीं सूर्यकुमार ने कहा कि बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज में युवाओं का अवसर मिला है। ऐसे में इन खिलाड़ियों के पास अपने को साबित करने का अच्छ अवसर मिलेगा।

अमान की कप्तानी में भारतीय अंडर-19 टीम का शानदार प्रदर्शन, कठिन हालातों से यहां तक पहुंचे

मुम्बई (ईएमएस)। कप्तान मोहम्मद अमान की कप्तानी में भारतीय अंडर 19 ने ऑट्रिलिया को हराकर सीरीज जीती है। अमान की कप्तानी में टीम इंडिया ने सभी तीन मुकाबले जीते थे। वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कप्तानी करने से पहले एशिया कप में भारतीय अंडर-19 टीम में शामिल हैं। अमान की कप्तानी में टीम इंडिया ने सभी तीन मुकाबले जीते थे। वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कप्तानी करने से पहले एशिया कप के लिए अंडर-19 टीम का हिस्सा भी रहे है। अमान का क्रिकेटर बनने का सफर बेहद कठिन रह। अमान के माता पिता का निधान हो गया है। इसके बा भी वह क्रिकेटर बनने का जुनुन जारी रखे हैं। वह 14 साल के थे तो उनकी मां सायबा का निधन 2020 में कोविड-19 महामारी के दौरान हुआ था। . इसके ठीक दो साल बाद 2022 में उनके पिता मेहताब का भी निधन हो गया। अमान का क्रिकेट करियर घरेलू टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन के साथ शुरु हुआ। उन्होंने वीनू मांकड़ ट्रॉफी में उत्तर प्रदेश अंडर-19 टीम के लिए अच्छ प्रदर्शन किया था। उन्होंने आठ पारियों में 363 रन बनाए थे। इसमें चार अर्धशतक भी शामिल थे। उनके लगातार प्रदर्शन ने उन्हें टूर्नामेंट के सबसे बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक बना दिया.

इंटर स्कूल क्लाइंबिग स्पर्धा में इन्दौर ओवरऑल चैंपियन

इन्दौर (ईएमएस) आल इंडिया आइपीएससी इंटर स्कूल स्पोर्ट्स क्लाइंबिग स्पर्धा में मेजबान इंदौर के खिलाड़ियों ने जोरदार प्रदर्शन करते हुए ओवरआल चैंपियनशिप जीत शहर का मान बढ़ाया। स्पर्धा में देश के विभिन्न राज्यों से आए खिलाड़ियों ने अपनी चुनौती पेश की थी। जिसमें एमरल्ड हाइट्स की टीम ओवरआल चैंपियन बनी जबकि अजमेर के मेयो कालेज की टीम दूसरे स्थान पर रही। पुरस्कार वितरण खेल अधिकारी अकरम खान एवं ज्यूरी प्रमुख प्राजक्ता गोडे के आतिथ्य में हुआ। बालक और बालिका वर्ग में खेली गई स्पर्धा में खिलाड़ियों को खड़ी दीवार कर चढ़कर टारगेट पांइट पर पहुंच लक्ष्य हासिल करना होता है। अंडर-19 वर्ष बालक वर्ग के बोल्डरिंग इवेंट में एमरल्ड हाइट्स स्कूल के आरव जैन ने पहला स्थान प्राप्त किया। मेजबान स्कूल के ही धैर्य सोनी को दूसरा स्थान मिला जबकि देहरादून के वेलम बायज स्कूल के संस्कार जायसवाल को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ।

भारतीय शेयर बाजार से जमकर हुई मुनाफा वसूली...पिछले हफ्ते 5 दिनों में भारतीय निवेशकों को 16.5 करोड़ का नुकसान

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय शेयर बाजार एक बार फिर 1992 के हर्षद मेहता घोटाले की याद ताजा कर रहा है। भारतीय शेयर बाजार से जमकर मुनाफा वसूली हो रही है। पिछले 10 सालों से भारतीय शेयर बाजार बड़ी तेजी के साथ हवा में उड़ रहा था, लेकिन अब शेयर बाजार में मुनाफाखोरी और बिकवाली का दौर शुरू हो गया है। जिसके कारण शेयर बाजार में हडक़ंप मचा हुआ है। पिछले हफ्ते के 5 दिनों में सरकार और वित्तीय संस्थाओं ने शेयर बाजार की गिरावट को रोकने के लिए हर संभव प्रयास किए हैं, लेकिन कोई भी प्रयास सफल साबित नहीं हो पा रहे हैं।

भारत में खरीदो चीन में बेचो

पिछले 2 साल से विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार में बड़ा खेल कर रहे थे। यह भारत में शेयर खरीदते थे और चीन के बाजार में जाकर बेचकर भारी मुनाफा कमा रहे थे। चीन की सरकार ने अब अपनी आर्थिक नीति को बदल दिया है। चीन के शेयर बाजार में स्टीम्यूलस पैकेज का ऐलान किया है। इस परिवर्तन से चीन के शेयर मार्केट में काफी तेजी देखने को मिल रही है। चीन के शेयर बाजार में पिछले एक सप्ताह में लगभग 25 फीसदी की तेजी देखने को मिली है। वहीं भारत में निफ्टी और बीएसई दोनों में भारी गिरावट देखने को मिल रही है। 88000 का अंक छूने के बाद भारतीय शेयर बाजार 81793 पर आकर शुक्रवार को बंद हुआ।

चीन के बाजार में लौटी रौनक

चीन का शेयर बाजार इन दोनों विदेशी निवेशकों का सबसे पसंदीदा बाजार है। चीन के शेयर बाजार से जो निवेश निकालकर एक समय पर जापान भारत दक्षिण कोरिया इंडोनेशिया मलेशिया इत्यादि देशों में निवेश हुआ था। वह इन बाजारों से निकलकर फिर से चीन के शेयर बाजार में निवेश हो रहा है। भारतीय शेयर बाजार में हिडेनबर्ग की रिपोर्ट आने के बाद जो अस्थिरता का माहौल बना हुआ है। उसके कारण भी निवेशक भारतीय शेयर बाजार से निकलकर अपना निवेश सुरक्षित करना चाहते हैं।

विदेशी निवेशकों ने बेचे 32000 करोड़ के शेयर

विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में पिछले हफ्ते के आखिरी चार दिनों में 32000 करोड रुपए से अधिक के शेर बेच दिए हैं। घरेलू बाजार में गिरावट की आशंका बनी हुई है। सरकार सेबी और वित्तीय संस्थानों की निगाहें शेयर बाजार के कारोबार की पल-पल की जानकारी ले रही है। इसके बाद भी शेयर बाजार की गिरावट को रोकने के लिए अभी तक जो प्रयास किए गए हैं वह सब निष्फल साबित हुए हैं।

म्युचुअल फंड भारतीय शेयर बाजार की गिरावट को रोकने तत्पर

भारतीय शेयर बाजार से जिस तरह से विदेशी निवेशक रिकॉर्ड बिकवाली कर रहे हैं। उसके बाद से घरेलू निवेशक वित्तीय संस्थाएं भारतीय जीवन बीमा निगम म्युचुअल फंड और बैंकिंग सेक्टर से खरीदारी की जा रही है। उसके बाद भी बाजार को गिरने से रोकने में सफलता नहीं मिली है। पिछले सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन शुक्रवार को काफी प्रयास करने के बाद भी 900 अंक फिसल गया।इसके बाद म्युचुअल फंड को इस गिरावट को रोकने के लिए अधिक निवेश करने के लिए कहा गया है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार 2 लाख करोड रुपए का निवेश म्युचुअल फंड करेंगे। शुक्रवार को जिस रफ्तार से निवेश किया जा रहा था, उसी रफ्तार से बिकवाली हो रही थी। मुनाफा वसूली के कारण जो भी पैसा शेयर बाजार में डाला गया वह सब मिनटों में स्वाहा हो गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में युद्ध की आशंका से कच्चे तेल के दाम लगभग 6 डालर बढक़र 77 डॉलर पर पहुंच गए है। 1 अक्टूबर को इसराइल पर ईरान के हमले से पहले कच्चे तेल का दाम 70 डॉलर प्रति बेरल थाजो अब 77 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है।

आरबीआई के ब्याज दर और एफआईआई के रुख तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के ब्याज दर पर निर्णय, पश्चिम एशिया के संघर्ष और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की गतिविधियों से इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों की दिशा तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। इसके अलावा सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के तिमाही नतीजे, घरेलू वृहद आर्थिक आंकड़े, ब्रेंट कच्चे तेल के दाम भी बाजार को दिशा देंगे। पिछले सप्ताह पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने और विदेशी कोषों की निकासी से शेयर बाजार में भारी गिरावट आई थी। बाजार के विश्लेषक कहते हैं कि घरेलू मोर्चे पर सभी की निगाह भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक पर रहेगी। एमपीसी की बैठक सात अक्टूबर को शुरू होगी। तीन दिन की बैठक के नतीजों की घोषणा बुधवार यानी नौ अक्टूबर को की जाएगी। उन्होंने कहा कि कंपनियों के दूसरी तिमाही के नतीजों का सत्र टीसीएस के साथ शुरू हो रहा है। घरेलू मोर्चे पर तरलता की स्थिति मजबूत बनी हुई है। ऐसे में अधिक मूल्यांकन वाले क्षेत्रों से नकदी का प्रवाह आकर्षक मूल्यांकन वाले क्षेत्रों की ओर हो सकता है।

उन्होंने कहा कि इसके अलावा जिंस कीमतें, अमेरिकी डॉलर सूचकांक और अमेरिका के महत्वपूर्ण वृहद आंकड़े भी बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के एक शोध प्रमुख ने कहा कि निफ्टी और सेंसेक्स दोनों के लिए क्रमशः 26,000 और 85,000 अंक के नए मील के पत्थर कुछ समय के लिए थे, क्योंकि पश्चिम एशिया की वजह से लगे झटकों और विदेशी कोषों द्वारा कुछ कम मूल्यांकन वाले एशियाई बाजारों की ओर रुख करने से बाजार प्रभावित हुआ। इससे बाजार में चार प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई। शेयर बाजार में भारी गिरावट के बीच पांच दिन में निवेशकों की पूंजी 16.26 लाख करोड़ रुपये घट गई। बाजार का रुख प्रमुख घरेलू और वैश्विक आर्थिक आंकड़ों पर निर्भर करेगा। सप्ताह के दौरान आरबीआई का ब्याज दर पर निर्णय आना है। इसके अलावा औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े भी आएंगे। साथ ही अमेरिका में फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक का ब्योरा, बेरोजगारी आंकड़े और अमेरिका के जीडीपी आंकड़े भी आने हैं।

रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के एक वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) ने कहा कि निवेशकों की निगाह भू-राजनीतिक घटनाक्रम और कच्चे तेल की कीमतों पर इसके प्रभाव पर रहेगी। विदेशी कोषों के प्रवाह के अलावा घरेलू प्रवाह भी बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेगा। घरेलू मोर्चे पर सभी की निगाह एमपीसी की बैठक पर है। इस बैठक के नतीजों की घोषणा नौ अक्टूबर को होगी।

यूके ने बंद कर दिए सभी पावर प्लांट, मगर भारत में कोयले से खूब बन रही बिजली

पिछले हफ्ते यानी 1 अक्टूबर 2024 को इंगलैड (यूके) ने अपना आखिरी कोयला-आधारित पावर प्लांट बंद कर दिया। इसके साथ ही वह G7 देशों में कोयले से बिजली उत्पादन को पूरी तरह समाप्त करने वाला पहला देश बन गया। दिलचस्प बात यह रही कि यूके ने इस लक्ष्य को तय समय (2025) से एक साल पहले ही हासिल कर लिया। बता दें कि कि यूके के तहत 4 देश-इंगलैंड, नॉर्दर्न आयरलैंड, स्कॉटलैंड और वेल्स आते हैं। यूके ने गैस-आधारित बिजली और कार्बन उत्सर्जन पर जुर्माने के जरिए धीरे-धीरे कोयले का उपयोग कम किया। इस सदी की शुरुआत के बाद से इसने कोई कोयला आधारित क्षमता नहीं जोड़ी है। इसकी तुलना चीन से करें तो 2000 के बाद से ग्लोबल लेवल पर जोड़ी गई 1588.5 गीगावाट कोयला-संचालित क्षमता का 69% हिस्सा चीन से उत्पादित हुआ है। जो कि ग्लोबल एनर्जी मॉनिटर के आंकड़ों के अनुसार, सभी देशों के मुकाबले सबसे अधिक है।

भारत दूसरा सबसे बड़ा कोयला का उपयोग करने वाला देश, चीन तो कई गुना आगे

कुल वैश्विक क्षमता में 12% की वृद्धि के साथ भारत दूसरे स्थान पर है। भारत ने 2000 से अब तक जो कोयला क्षमता जोड़ी है, उसका 29 प्रतिशत 2015 के पेरिस समझौते के बाद जोड़ा गया है। वहीं, चीन ने इस अवधि में भारत के मुकाबले पांच गुना अधिक कोयला क्षमता जोड़ी है। जर्मनी ने 1.1 Gw कोयला क्षमता जोड़ी है, जबकि अमेरिका ने 2016 के बाद से कोई नया कोयला पावर प्लांट नहीं बनाया है और उसके शुद्ध जोड़ नकारात्मक हैं। भारत में वर्तमान में निर्माणाधीन 29 Gw कोयला क्षमता में से 80 प्रतिशत तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, झारखंड, छत्तीसगढ़ और ओडिशा में बन रही है।

कब मिलेगी कोयला से मुक्ति

भारत का कोयला से मुक्ति पाने की योजना बहुत धीमी है। अगले 15 सालों में केवल एक Gw से कम कोयला क्षमता कम करने की योजना है। भारत का यह लक्ष्य विकसित अर्थव्यवस्थाओं और ब्रिक्स समूह के अन्य देशों की तुलना में काफी कम है।

बढ़ रहा कोयला का उपयोग, भले ही लक्ष्य खत्म करने का हो

शियरर ने कहा, 'सरकार ने उपयोगिताओं को बिजली की मांग को पूरा करने के लिए 2030 तक रिटायरिंग कोयला प्लांटों को बंद करने के लिए कहा है, जबकि कोयला मंत्रालय कमर्शियल नीलामी के लिए नए कोयला ब्लॉक खोलना जारी रखा है।' भारत अपनी बिजली की ज्यादातर मांग थर्मल पावर प्लांट्स से पूरा करता है, हालांकि कुल स्थापित विद्युत क्षमता में से आधी से ज्यादा गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से आती है। वित्त वर्ष 2024 में जीवाश्म ईंधन से बिजली उत्पादन की वृद्धि दर पिछले एक दशक में सबसे अधिक रही और रिन्यूबल एनर्जी से उत्पादन को पीछे छोड़ दिया।

लॉफिंग   ज़ोन

शिक्षक (छात्र से), 'मेरे दांत सड़ गए हैं। इस वाक्य को भूतकाल में बदलो।'

छात्र, 'आपने तम्बाकू खाई थी। '

शिक्षक (खीझते हुए), 'चलो अब उसे भविष्यकाल में बदलो।'

छात्र (आंख मटकते हुए), 'आपको कैंसर होगा।'

□ □ □

ग्राहक, 'दूध-और मिठाई पर कितनी मक्खियां बैठी हुई हैं। इन्हें हटाते क्यों नही?'

हलवाई, 'मेरे पास इन्हें हटाने का समय नही हैं। वैसे भी मैंने कौन-सा इन्हें यहां बुलाया है।'

□ □ □

पागल (डाक्टर से), 'क्या रात को आप चोकीदारी की पार्ट टाईम जॉब करतें हैं?'

डाक्टर, 'तुम्हें ऐसा क्यों लगा?'

पागल, 'क्योंकि, आप रात बारह बजे इस बिल्डिंग के चारों ओर राउंड लगाते नजर आते हैं।'

□ □ □

डाकुओं ने बैंक लूट कर कैशियर से भी अपने साथ चलने के लिए कहा तो वह बोला, 'बैंक तो लूट ही लिया। अब मुझसे क्या काम हैं?'

डाकूओं का सरदार बोला, 'इतने नोटों को गिन कर सबके हिस्से के अलग - अलग बंडल बनाकर कौन देगा?'

आज का इतिहास

1879 ब्रिटेन ने अफगानिस्तान पर हमला किया।

1919 गांधीजी की नवजीवन पत्रिका का प्रकाशन शुरू हुआ।

1949 पूर्वी जर्मनी में जनवादी गणराज्य की स्थापना हुई थी।

1950 मदर टेरेसा ने कोलकाता में मिशनरीज ऑफ चैरिटीज की स्थापना की।

1958 पाकिस्तान में राष्ट्रपति सिकंदर मिर्जा ने मार्शल लॉ लागू किया।

1963 अमरीकी ब्रिटेन और सोवियत संघ ने परमाणु परीक्षण निर्बंध संधि पर हस्ताक्षर किए।

1967 यूनान की सैनिक सरकार ने निष्कासित प्रधानमंत्री और अन्यों पर लगे प्रतिबंध उठा लिए।

1970 संयुक्त अरब गणराज्य के उपराष्ट्रपति अनवर सादात ने राष्ट्रपति का कार्यभार संभाला।

1976 सैनिक सरकार ने थाईलैंड में स्थिति सामान्य बनाने के लिए प्रतिबंधों में ढील देनी शुरू की।

1981 मिस्त्र के उपराष्ट्रपति हुस्नी मुबारक राष्ट्रपति अनवर सादात के उत्तराधिकार मनोनीत किए गए।

1985 फलीस्तीनियों ने इटली के युद्धपोत आशिल लारे का भूमध्य सागर में अपहरण कर लिया।

1987 तिब्बत की राजधानी लहासा में लोकतंत्र समर्थकों को रोकने के लिए चीनी पुलिस ने सड़कों पर व्यवधान खड़े किए।

1988 यूगोस्लाविया में जनता ने अक्षण कम्युनिस्ट नेताओं को हटाने की मांग की।

2005 सुप्रीम कोर्ट ने बिहार विधानसभा को भंग करने के फैसले को असंवैधानिक ठहराया।

दैनिक पंचांग

7 अक्टूबर 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

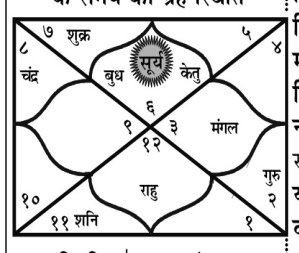

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	06.41 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	वृश्चिक	08.56 ब.से
मंगल	मिथुन में	धनु	11.12 बजे से
बुध	कन्य में	मकर	13.17 बजे से
गुरु	वृष में	कुंभ	15.03 बजे से
शुक्र	तुला में	मीन	16.36 बजे से
शनि	कुंभ में	मेष	18.07 बजे से
राहु	मीन में	वृष	19.47 बजे से
केतु	कन्या में	मिथुन	21.45 बजे से
राहुकाल		कर्क	23.58 बजे से
7.30 से 9.00		सिंह	02.15 बजे से
बजे तक		कन्या	04.26 बजे से

सोमवार 2024 वर्ष का 281 वां दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास आश्विन **पक्ष** शुक्ल
तिथि चतुर्थी 09.48 बजे को समाप्त।
नक्षत्र अनुराधा 02.25 बजे रात्र को समाप्त।
योग प्रीति 06.40 बजे को समाप्त।
करण विष्टि 09.48 बजे तदनन्तर बव 22.37 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 04.2 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 05° 36'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872125
जूलियन दिन 2460590.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2550
हिजरी सन् 1446
महीना रवि उस्सानी **तारीख** 03
विशेष ललिता पंचमी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8151

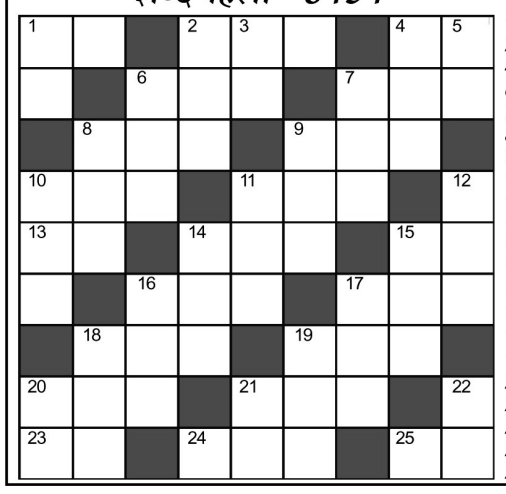

बाएँ से दाएँ

1. प्राणेंद्रिय-2
2. लंबी गर्दन वाला पशु-3
4. आफत, मुसीबत-2
6. लाचार-3
7. आसरा, मदद-3
8. आश्रय, शरण-3
9. राज कपूर की पोती-3
10. कर्म, भाग्य-3
11. दासत्व, गुलामी-3
13. आर्टिकल-2
14. इच्छा, लालसा-3
15. दुगना, दोगुना-2
16. भार-3
17. टेसू के फूल-3
18. राजा का भवन-3
19. चौकसी-2
20. प्रेमी, साजन-3
21. कैनाल, उपनदी-3
23. जीवन सत्व, प्राण-2
24. प्रहार, आक्रमण-3
25. ठाठ-बाट-2

ऊपर से नीचे

1. अभिमान-2
2. मारना, वध करना-2
3. नृत्य, कृष्णलीला-2
4. अपव्यय करना-3
5. वेस्टइंडीज का कप्तान-2
6. अज्ञात, अनाम-3
7. नदी, दरिया-3
8. जांच, परीक्षण-3
9. परीक्षा करना-3
10. जिगर-3
11. आंचल-3
12. नाश, विध्वंस-3
14. अंजन, नेत्रांजन-3
15. लाडला-3
16. शक, संदेह-3
17. तीन घंटे का समय-3
18. चिंतन-3
19. प्रथम-3
20. दंड, शिक्षा-2
21. आंशिक भीगा हुआ-2
22. प्राण, जीवन तत्व-2

शब्द पहेली -8150 का हल

ह	क		सा	ग	र		म	जा
द	म	न		म	वा	ली		म
	र	म	ल		ना	प	ना	
स		क	ह	र		ना	का	म
ली	न		जा	त	क		रा	जा
का	र	क		न	ह	र		क
	म	म	ता		वा	च	न	
ना		ल	क	वा		ना	य	क
व	र		त	र	फ		न	म

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

अंकजाल - 7692

खाली स्थानों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर दाएँ से बाएँ एवं ऊपर से नीचे जोड़ना है जिसका सही उत्तर मटमैले रंग के खानों में दिया गया है.

	17	16	49	35			16	20	
21	5		7				5		15
23		2		5		8		5	20
	3		2		3		2		35
				9		7		5	33
38	7		5		8				
35		3		4		2		6	
14	3		7		8		5		29
16		4				7		5	23
	18	13			35	51	13	19	

अंकजाल 7691 का हल

	24	18	17		32	14	26	7	
9	3	4	2		6	7	9	3	25
14	7	2	5		5	4	9	2	20
20	7	5	8		5	3	8	2	18
28	7	7	2	5	7				
				8	9	2	3	5	27
22	6	7	3	6		4	5	2	11
18	5	6	3	4		7	8	8	23
23	5	8	6	4		6	8	7	21
	16	21	12	27		19	24	22	

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6636

6			7	4	1	
1	28	3	40		31	7
2			6		5	
	34	6	31	2	30	3
3			4			5
5	30		28	6	35	
4		1		7	2	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6635 का हल

1	5	3	7	4	2	6
2	28	4	35	6	28	1
7	4	2	6	3	1	5
3	32	6	32	7	31	2
6	3	1	5	2	7	4
4	33	5	30	5	35	7
5	2	7	4	1	6	3

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

गणित पहेली - 5996

29		45		9		12	=	53
59		20		6		20	=	25
2		20		20		25	=	45
50		2		2		25	=	25
=		=		=		=		=
40		10		33		32	=	48 / 31

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

संकेत

खाली जगहों में आपको केवल (+), (-), (x) व (÷) के निशान लगाने हैं जिनका उत्तर (=) पूर्णतः मेल खाता हो.

गणित पहेली - 5995

95	+	50	-	75	-	20	=	50
-		-		-		+		+
38	-	24	+	71	-	12	=	73
+		-		+		-		-
1	x	15	+	62	-	5	=	72
-		+		÷		-		-
15	x	2	÷	6	x	7	=	35
=		=		=		=		=
43	-	13	-	11	+	20	=	16 / 39

शब्दजाल- 7683

मा	म	मा	चु	प	चु	प	के	ह	क	ल
हा	ला	सू	ह	वि	ल	जी	स	ल	क	भा
हे	वी	मा	द	अं	रा	त	र	म	ल	ग
रा	र	दा	ल	ल	क	स	ओ	ह	सु	म
फे	मु	न	ष	वी	म	मी	त	ल	न	भा
री	मी	स्कु	स	जि	क	क	प	च	स	ग
के	ह	बु	रा	टी	म	ली	टे	ल	र	दा
न	पू	कु	द	ह	प	नी	का	ला	पा	नी
हं	गा	मा	सू	ह	ट	ने	ने	ल	जी	क
सा	त	रं	ग	के	स	प	ने	री	क	ल
म	ह	न	ह	ज	तु	द	न	ज	ल	ना

शब्दजाल में प्रियादर्शन निर्देशित की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए.नाम ऊपर से नीचे,दाएं से बाएं एंव तिरछे हो सकते हैं

चुप चुप के, भागमभाग, हलचल, हंगामा, हेराफेरी, विरासत, काला पानी, सात रंग के सपने, मालामाल वीकली, मुस्कुराहट

शब्दजाल - 7682 का हल

ख	न	र	कु	डु	प्ली	के	ट	ला	नी	क
ज	या	फु	ज	इं	डो	ने	ह	क	गु	प
फ	दौ	आ	ट	म	न	इ	दो	न	ना	म
च	र	रा	मा	पा	ल	स	रा	प	ह	ह
स	म	बा	ज	त	त	उ	हें	ख	री	म
डै	जे	ज	र	नी	द	ला	म	ल	ड़	द
डी	मा	दे	ख्म	व	बा	स	म	पी	ख	स्त
र	दे	श	बा	र	प	र	थ	ड़	भ	क
म	दि	ल	क	ले	दा	र	ल	क	थ	थ
क्षि	ज	ति	त	हि	द	ह	मा	ह	ल	है
ते	रा	जा	क	दि	प	ने	सा	थी	स	म

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

आगोमोनी सीजन-2 का सफल आयोजनः बच्चों की अद्भुत प्रस्तुतियों ने मन मोहा

रांचीः पोलिटेक एक्सपर्ट्स द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम 'आगोमोनी सीजन-2' का हरमू में सफल आयोजन हुआ। बच्चों के लिए इस कार्यक्रम में सांस्कृतिक विविधता और उनकी अद्भुत प्रतिभाओं का प्रदर्शन देखने को मिला। इस आयोजन में 50 से अधिक बच्चों ने भाग लिया और नृत्य, गायन, अभिनय जैसी शानदार प्रस्तुतियों के साथ-साथ एक विशेष फोटोशूट का भी आनंद लिया। कार्यक्रम में बच्चों ने पारंपरिक बंगाली वेशभूषा में नृत्य और गायन से माहौल को जीवंत कर दिया। खास आकर्षण रहा बच्चों द्वारा माँ दुर्गा के नौ रूपों का प्रतीकात्मक चित्रण। बच्चों ने माँ दुर्गा के नौ अवतारों को सजीव करते हुए श्रद्धालुओं को उनके दिव्य रूपों के दर्शन कराए, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम के दौरान एक विशेष फोटोशूट का आयोजन भी किया गया, जिसमें सभी बच्चों ने पारंपरिक और आधुनिक परिधानों में अपनी मनमोहक तस्वीरें खिंचवाईं। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के पीछे सुदेशना चक्रवर्ती, सुष्मिता दत्ता, शशिकांत गुप्ता, अंशु तिवारी, और दीपा कुमारी की मेहनत और समर्पण रहा। आयोजक मंडली के समर्पण और योजनाओं ने बच्चों को एक अद्भुत मंच प्रदान किया। पोलिटेक एक्सपर्टस के डायरेक्टर मेहुल प्रसाद ने सभी प्रतिभागियों, अभिभावकों और दर्शकों का धन्यवाद करते हुए कहा, 'इस तरह के कार्यक्रम न केवल बच्चों की कला और संस्कृति के प्रति रुचि को बढ़ाते हैं, बल्कि उन्हें आत्मविश्वास और प्रतिभा को प्रकट करने का एक विशेष मंच प्रदान करते हैं।

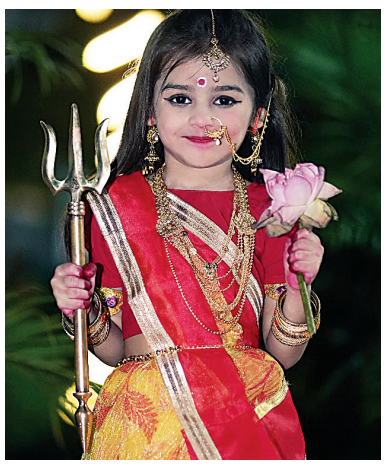

भारत सरकार के कोयला एवं खान राज्य मंत्री, सतीश चंद्र दुबे ने सीसीएल के दो परियोजनाओं का किया शिलान्यास

कोयलांचल संवाद संवाददाता, रांची : माननीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री, भारत सरकार, सतीश चंद्र दुबे ने सीसीएल के बोकारो एवं करगली क्षेत्र में कारो कोल हैंडलिंग प्लांट एवं कोनार कोल हैंडलिंग प्लांट का शिलान्यास किया। इन दोनों परियोजनाओं की क्षमता 7 मिलियन टन प्रतिवर्ष एवं 5 मिलियन टन प्रतिवर्ष है। इस अवसर विशेष पर सांसद, गिरिडीह, चंद्र प्रकाश चौधरी, विधायक, बेरमो, श्री कुमार जयमंगल (अनूप सिंह), कोल इंडिया के अध्यक्ष पीएम प्रसाद, सीएमडी सीसीएल निलेंदु कुमार सिंह, निदेशक (वित्त) पवन कुमार मिश्रा, निदेशक (कार्मिक) हर्ष नाथ मिश्र, निदेशक तकनीकी (संचालन) हरीश दुहान, निदेशक तकनीकी (योजना/परियोजना) सतीश झा सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे। मंत्री श्री दुबे ने कोनार परियोजना के शिलान्यास के क्रम में पौधरोपण भी किया। फर्स्ट माइल रेल कनेक्टिविटी की दिशा में ये दोनों कोल हैंडलिंग प्लांट एक महत्वपूर्ण कड़ी साबित होगा जिसके तहत कोयला खदानों से उत्पादित कोयले को निकटतम रेलवे सर्किट तक ले जाने की व्यवस्था की जायेगी, जहां से इसे देश भर के ताप विद्युत संयंत्रों तथा अन्य उपभोक्ताओं तक पहुंचाया जाएगा।

कोनार कोल हैंडलिंग प्लांटः इस संयत्र में रिसीविंग हॉपर, क्रशर, 10000 टन क्षमता के कोयला भंडारण बंकर और 1.6 किमी लंबा कन्वेयर बेल्ट सम्मिलित हैं, जिनकी सहायता से कोयले को 1000 टन भंडारण क्षमता के साइलो बंकर द्वारा रेलवे वैगनों में स्थानांतरित किया जाएगा। 5 मिलियन टन प्रति वर्ष क्षमता की इस परियोजना की लागत 322 करोड़ है।इसके परियोजना के प्रारंभ होने से वर्तमान रेक लोडिंग समय 5 घंटे से घटकर 1 घंटा हो जाएगा। जिसे कोयल प्रेषण में तेजी आएगी और रेक की उपलब्धता बढ़ेगी।

कारो कोल हैंडलिंग प्लांटः इस संयत्र में रिसीविंग हॉपर, क्रशर, 15000 टन क्षमता के कोयला भंडारण बंकर और 1 किमी लंबा कन्वेयर बेल्ट सम्मिलित हैं, जिनकी सहायता से कोयले को 4000 टन भंडारण क्षमता के साइलो बंकर द्वारा रेलवे वैगनों में स्थानांतरित किया जाएगा। 7 मिलियन टन प्रति वर्ष क्षमता की इस परियोजना की लागत 410 करोड़ है। इसके परियोजना के प्रारंभ होने से वर्तमान रेक लोडिंग समय 5 घंटे से घटकर 1 घंटा हो जाएगा। जिसे कोयल प्रेषण में तेजी आएगी।

ये एक क्लोज्ड-लूप, पूर्ण यंत्रीकृत प्रणाली है जो सड़क द्वारा परिवहन को समाप्त करके कोयले के प्रेषण में तेजी और दक्षता लाएगी और इस प्रकार से डीजल की खपत न्यूनीकृत करेगी। इस परियोजना के आरंभ होने पर धूल और वाहन जनित प्रदूषण कम होगा, जिससे क्षेत्र के पर्यावरण में गुणात्मक सुधार होगा।

रांची ऑर्थोडॉक्स चर्च का हीरक जयंती समारोह संपन्न

कोयलांचल संवाद संवाददाता, रांचीः ऑर्थोडॉक्स चर्च का डायमंड जुबली समारोह आयोजित किया गया था, जिसमें उनके ग्रेस एलेक्सियोस मार यूसेबियस अध्यक्ष थे। झारखंड सरकार के सचिव अबूबकर सिद्दीकी आईएएस इस अवसर के मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम में पल्ली के सदस्यों के विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल थे। समारोह में रांची मार थोमा चर्च, आर सी चर्च और मलयाली समुदाय के प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने भाग लिया। फ्र. शिनू चेरियन विकार, एडवोकेट के जॉय, श्री बीजी पी जॉन कोषाध्यक्ष और श्री लालू जॉर्ज सचिव मंच पर उपस्थित थे।

शारदीय नवरात्र की भक्ति में डूबा चौपारण का दैहर पंचायत ऐतिहासिक कमला माता मंदिर में भव्य दुर्गा पूजा का आयोजन

कोयलांचल संवाद संवाददाता

दैहर (चौपारण) शारदीय नवरात्रि के अवसर पर पूरा प्रखंड जग जननी मां दुर्गा की पूजा अर्चना की भक्ति में डूबा हुआ है। चौपारण प्रखंड के दैहर पंचायत में ऐतिहासिक कमला माता मंदिर प्रांगण में भी प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी दुर्गा पूजा का भव्य आयोजन किया गया है। इस वर्ष दुर्गा पूजा के अवसर पर दुर्गा पूजा के मुख्य पुजारी के रूप में स्थानीय लव कुमार पांडेय सपत्नीक मुख्य पुजारी के रूप में इस पूजा का समस्त दायित्व संभाले हुए हैं। श्रीमद् भागवत पुराण कथा का शुभारंभ किया गया। मंच का उद्घाटन पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। यूपी के गोरखपुर से कथा प्रवाचिका शशि प्रभा जी के द्वारा कथा एवं प्रवचन किया जा रहा है। शनिवार को कथा के प्रथम दिन शशि प्रभा जी ने ज्ञान और वैराग्य, भक्ति से संबंधित विचारों को बड़े ही सहज ढंग से श्रद्धालु श्रोताओं के बीच प्रस्तुत किया। उन्होंने अपने प्रवचन के क्रम में भक्ति क्या है, भक्ति कैसी होनी चाहिए तथा भक्ति कौन लोग कर सकते हैं आदि बिंदुओं पर अपनी कथा के माध्यम से विचार प्रस्तुत करते हुए श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

श्रद्धालुओं की सेवा में छात्र युवा शक्ति समर्पित रहेगी

कोयलांचल संवाद संवाददाता, रांचीः छात्र युवा शक्ति का वार्षिक प्रशिक्षण शिविर आज राज कलश बैंक्विट हॉल, राँची में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी महेश महतो, राजीव रंजन मिश्रा, रामधन बर्मन, दिलीप साहू, मदन साहू उपस्थित थे। सभी अतिथियों का भव्य स्वागत कुमार रौशन, नितेश यादव, राकेश सिंह ने चुनरी ओढ़ाकर एवं माला पहना कर किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एवं संचालन संगठन के केंद्रीय अध्यक्ष कुमार रौशन ने किया। प्रशिक्षण शिविर में श्री दुर्गापूजा मोहत्सव को सफल बनाने के लिए सभी पंडाल प्रभारियों ने अपने अपने क्षेत्रों में होने वाले कठिनाइयों की जानकारी बैठक में सभी लोगो के समक्ष रखी। प्रशिक्षण शिविर में छात्र युवा शक्ति के केंद्रीय अध्यक्ष कुमार रोशन ने सदस्यों को कहा कि छात्र युवा शक्ति जिला प्रशासन एवं दर्शनार्थियों के बीच कड़ी का काम करेंगे एवं प्रत्येक पंडाल में जिला प्रशासन के सहयोग के लिए तैनात रहेंगे और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी ना हो इसके लिए कार्य करेंगे।

बैठक में महेश महतो ने कहा कि पिछले दस वर्षों से छात्र युवा शक्ति ने दुर्गा पूजा महोत्सव को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई है। राजीव रंजन मिश्रा ने कहा कि सभी दर्शनार्थि बच्चों एवं बुजुर्गों के पॉकेट में नाम पता एवं मोबाइल नंबर लिखकर डाल दें ताकि अगर कोई बच्चे या बुजुर्ग अपने परिवार से बिछड़ जाते है तो उन्हें सही सलामत घर पहुँचाया जा सके। रामधन बर्मन ने कहा कि किसी भी संधिद व्यक्ति या लावारिस वस्तु को देखे तो तुरंत पुलिस प्रशाशन को संपर्क करे।

बागबेड़ा में छापेमारी के दौरान अवैध शराब भंडारण स्थल का उद्भेदन किया गया

जमशेदपुर । सहायक आयुक्त उत्पाद के निर्देश पर बागबेड़ा अन्तर्गत बेड़ाधीपा में छापेमारी कर अवैध शराब भंडारण स्थल का उद्भेदन किया गया । छापेमारी व तलाशी के दौरान उक्त भण्डारण स्थल से विभिन्न ब्रांड यथा मैकडॉवल न० 1, रॉयल स्टैग, झारखण्ड राज्य में बिक्री हेतु प्रतिबंधित इंपीरियल गोल्ड, यू के न० 1, नाइट क्वीन, ब्लैक टाइगर, किंग्स गोल्ड की कुलः 310.17 लीटर विदेशी शराब बरामद किया गया । उक्त छापेमारी के आलोक में मदिरा के अवैध भंडारण स्थल के कारोबारी पिंटू नामक अभियुक्त एवं अन्य के विरुद्ध उत्पाद अधिनियम की सुसंगत धाराओं में अभियोग दर्ज किया गया है तथा मुख्य अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु तत्परता से संभावित सूत्रों के माध्यम से आसूचना प्राप्त कर ख़ोज-बीन की जा रही है। छापेमारी दल में प्रेम प्रकाश उरांव, निरीक्षक उत्पाद, रामदास भगत, निरीक्षक उत्पाद, ओम प्रकाश, अवर निरीक्षक उत्पाद, एवम रामदेव पासवान, अवर निरीक्षक उत्पाद शामिल थे और साथ में गृहरक्षक बल भी उपस्थित थे।

सामाजिक कार्यकर्ता शिव शंकर सिंह ने प्रचार प्रसार रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

जमशेदपुर । भाजपा नेता सह सामाजिक कार्यकर्ता शिव शंकर सिंह ने अपने केबुल टाउन गोलमुरी स्थित कार्यालय से संस्था द्वारा पिछले 25-30 वर्षों के सेवा कार्यों पर आधारित प्रचार प्रसार रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। नागरिक सुविधा केंद्र एवं चलित कार्यालय के माध्यम से आमजन को उपलब्ध कराई जा रही सुविधा, निःशुल्क फॉगिंग सेवा, जेसीबी सेवा, जरूरतमंद बच्चों को शिक्षण सामग्री और प्रतिभावान खिलाड़ियों को खेल सामग्री का वितरण, फ्री एंबुलेंस सेवा, जल सेवा और मोक्षवाहन इत्यादि सेवा कार्यों की जानकारी सेवा प्रचार प्रसार रथ के माध्यम से दी जाएगी। भाजपा नेता शिव शंकर सिंह ने कहा यह रथ जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में जाकर लोगों को संस्था द्वारा जनहित में किए जा रहे सेवा कार्यों से अवगत कराएगी।

प्रेम इंडस्टरीज की एक इकाई लालपुर में खुला

कोयलांचल संवाद संवाददाता, रांची : रांची की 60 वर्ष पुरानी हार्डवेयर और सेनेटरी की प्रतिष्ठित दुकान प्रेम इंडस्टरीज की एक इकाई ने लालपुर के आनंद कॉम्प्लेक्स के दूसरे तल्ले पर जैकुवार शॉपिं नामक शोरूम का उद्घाटन हुआ। उद्घाटन जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय एवं धर्मेंद्र तिवारी, केंद्रीय अध्यक्ष भारतीय जनतंत्र मोर्चा ने किया। प्रतिष्ठान के संचालक राजू खंडेलवाल अपने पुत्रों शौर्य खंडेलवाल और मुकुंद खंडेलवाल के साथ विधायक सरयू राय और धर्मेंद्र तिवारी केंद्रीय अध्यक्ष भारतीय जनतंत्र मोर्चा और ब्रांच हेड मनीष कपूर का स्वागत अंगवस्त्र और पुष्प गुच्छ देकर किया। सरयू राय ने प्रतिष्ठान के संचालकों को शुभकामनाएं दी और वर्षों से ग्राहकों को बेहतर सेवा देने के लिए उन्हें सराहा और कहा कि राँची

शहर के बीचों-बीच इस शोरूम के खुलने से लोगों को गुणवत्तायुक्त हार्डवेयर एवं सेनेटरी सामग्री एक ही स्थान पर आसानी से उपलब्ध हो जाएगा। श्री तिवारी ने कहा यह हाई वैल्यू प्रोडक्ट का शोरूम है, जो समय की मांग है। विकसित बाजार की श्रेणी में अब रांची का भी नाम आने लगा है। प्रतिष्ठान के संचालक राजू खंडेलवाल ने बताया की इस शोरूम के जरिये उन्नत तकनीक के आधुनिक बाथटब, स्पा, सावर पैनल, कलर सीपी फिटिंग, सेनेटरी वेयर के सारे प्रोडक्ट ग्राहकों को उपलब्ध कराया गया है। कंपनी का इस तरह का शोरूम रांची में पहली बार आज खुला है यह हमारे लिए काफी गर्व की बात है। राजू खंडेलवाल ने बताया हार्डवेयर एवं सेनेटरी ट्रेड में प्रेम इंडस्ट्रीज एक प्रतिष्ठित नाम है। इस व्यापारिक क्षेत्र में हमारी तीसरी पीढ़ी भी ग्राहकों के पसंद को समझते हुए उन्हें अपनी सेवाएं देने का काम कर रही है। ग्राहकों को क्वालिटी और उचित मूल्य पर सामान उपलब्ध कराना और सर्विस देना यही हमारा उद्देश्य रहा है। ग्राहकों और प्रेम इंडस्ट्रीज का रिश्ता अटूट है, इसी रिश्ते की पूंजी पर हम इस व्यापार में आगे बढ़ते जा रहे हैं।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, प्लॉट नं. 535 एवं 1272, लालगुटुआ, रांची से मुद्रित एवं फर्स्ट फ्लोर, 105, नायल कॉम्प्लेक्स, कांटाटोली, रांची-834001 (झारखण्ड) से प्रकाशित, आर.एन.आई. नं. JHAHIN/50549 फोन नं. 8084372014, Email : koylanchalsamvad@gmai.com & koylanchal.hindi@gmail.com*समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट तहत जिम्मदार।